* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

05 मई, 2024
वैशाख, कृष्ण पक्ष, द्वादशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 194

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

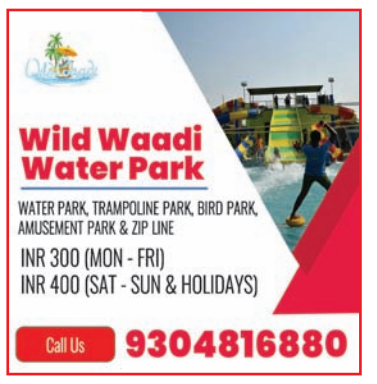

पलामू और सिसई में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और झामुमो को अपने व्यंग्य वाण से बेधा

कांग्रेस और उसके चट्टे-बट्टे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल कर मुसलमानों को दे देना चाहते हैं: मोदी

- विकास कार्यों का किया जिक्र, वोट की अपील की

राजीव/जयकांत/आफताब अंजुम

पलामू / सिसई (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलामू के चियांकी हवाई अड्डे और सिसई में सभा के दौरान कांग्रेस महागठबंधन पर जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और झामुमो, राजद अब एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन लेना चाहते हैं। जब हमारा संविधान बन रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने मिल कर तभी एक बात तय की थी। ये पक्का हो गया था कि भारत में कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जायेगा। लेकिन अब ये कांग्रेस और उसके चट्टे-बट्टे झामुमो और राजद सब आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों के आरक्षण पर डाका डाल कर, आरक्षण में से कुछ हिस्सा छीन कर ये धर्म के आधार पर संविधान बदल कर, आरक्षण का कुछ हिस्सा मुसलमानों को देना चाहते हैं। यह मोदी की गारंटी है कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा पायेगा और न ही कोई संविधान से छेड़छाड़ कर पायेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को पलामू के चियांकी हवाई अड्डे के पास और सिसई में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तपती धूप में सभा में आने वालों का 'जोहार झारखंड' कह कर अभिवादन किया और आभार जताया। अपने 10 वर्षों के कार्यकाल का जिक्र किया। कांग्रेस, झामुमो और राजद पर प्रहार भी किया। उनकी मानसिकता से लोगों को अवगत कराया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पलामू प्रत्याशी विष्णु दयाल राम, लोहरदगा प्रत्याशी समीर उरांव और आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो सहित अन्य नेता मौजूद थे।

झामुमो-कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिये: सभा में उमड़ी भीड़ को देख कर प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा लग रहा है आपने झामुमो और कांग्रेस को दिन में ही तारे दिखा दिये हैं। आप सभी अपने एक वोट के महत्व को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा कार्य किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लगी है, उसी एक वोट की ताकत ने 2014 में कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार को हटा दिया था और बीजेपी-एनडीए की सरकार बनायी। इस एक वोट की ताकत से आज भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद जनता के एक वोट की ताकत से आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन कर तैयार हो गया है। एक वोट की ताकत ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 को जड़ से समाप्त कर दिया। आये दिन झारखंड, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, बिहार, आंध्रप्रदेश और पशुपति से लेकर तिरुपति तक नक्सलवाद, आतंकवाद फैला कर यहां की धरती को लहूलुहान कर देता था। एक वोट ने इस धरती को लहूलुहान करने वाले नक्सलवादी आतंकवाद से मुक्ति दिला दी। कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान को लव लेटर लिखती थी और पाकिस्तान लव लेटर के बदले आतंकी भेजता था। जनता के एक वोट की ताकत ने भाजपा सरकार बनायी और सेना ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को हिला कर रख दिया।

(पेज-2 और 4 भी देखें)

प्रधानमंत्री के भाषण की मुख्य बातें

- मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि तपती गर्मी के बावजूद इतनी विशाल संख्या में परिवारजन मुझे आशीर्वाद देने आये हैं। जोहार झारखंड!
- जिसने झारखंड को लूटा, उस पर कानून के तहत कार्रवाई हो रही है। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ, ये कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। मैं आपको गारंटी देता हूं- आने वाले पांच साल में ऐसे सभी भ्रष्टाचारियों पर और तेजी से एक्शन होगा।
- झामुमो-कांग्रेस के नेताओ ने भ्रष्टाचार से अपार धन संपदा खड़ी की है। संपत्ति हो, राजनीति हो, सब कुछ ये अपने-अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। ये उनके लिए विरासत में ढेर सारी काली कमाई छोड कर जायेंगे।
- कांग्रेस के राज में राशन सड़ता रहता था, आदिवासी क्षेत्रों में बच्चे भूख से मरते रहते थे और कांग्रेस अनाज गोदामों पर ताला लगा कर बैठ जाती थी। आप मोदी को लेकर आये। मोदी ने सारे अनाज गोदामों के ताले खुलवा दिये और आज देश में मुफ्त राशन की योजना चल रही है।
- हमारी सरकार ने बीते 10 वर्षों में आदिवासी भाई-बहनों के उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए ईमानदार प्रयास किये हैं। जनसभा में उमड़ा ये जनसैलाब इसका प्रमाण है।
- आज पाकिस्तान के नेता, कांग्रेस के शहजादे को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। लेकिन मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है। पूरा हिंदुस्तान कह रहा है मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार और मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार।
- मैं तो गरीबी का जीवन जीकर आया हूं। इसलिए, 10 वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा, मेरे जीवन के अनुभव ही हैं। जब आज लाभार्थियों से मिलता हूं, तो खुशी के मारे आंसू आ ही जाते हैं। ये आंसू वही समझ सकता है, जिसने गरीबी देखी हो, जिसने कष्ट में जीवन गुजारा हो।
- जहां सरकारें भ्रष्ट हों, वहां बजट कितना भी हो, विकास संभव नहीं है। झारखंड इसी स्थिति से गुजर रहा है। यहां पेपर लीक हो रहे हैं। मोदी ने इसके विरुद्ध भी हाल में एक कड़ा कानून बना दिया है।

पाक शहजादे को पीएम बनाने की दुआ मांग रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस के शहजादे को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं, लेकिन मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है। आज पूरा हिंदुस्तान कह रहा है कि मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार और मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार।

मोदी पर एक घोटाले का आरोप नहीं लगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देशवासियों की सेवा करते हुए मुझे अब 25 साल हो जायेंगे। इन 25 वर्षों में मोदी पर एक पैसे के घोटाले का आरोप नहीं लगा है। मोदी आज भी पद, प्रतिष्ठा, सुख-समृद्धि से दूर वैसा ही है, जैसा जनता ने यहां भेजा था। मोदी मौज नहीं, मिशन के लिए पैदा हुआ है। झामुमो और कांग्रेस के नेताओ ने भ्रष्टाचार से अपार धन संपदा खड़ी कर ली है, लेकिन मोदी के पास खुद की साइकिल भी नहीं है। कांग्रेस के के लोग संपत्ति और राजनीति सब कुछ अपने-अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। वे उनके लिए विरासत में ढेर सारी काली कमाई छोड़ कर जायेंगे, लेकिन मोदी के न कोई आगे है न पीछे है।

मोदी का संकल्प है भ्रष्टाचार हटाओ

मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में राशन सड़ता रहता था। आदिवासी क्षेत्रों के बच्चे भूख से मरते रहते थे। कांग्रेस अनाज गोदामों पर ताला लगा कर बैठ जाती थी। आप मोदी को लेकर आये। मोदी ने सारे अनाज गोदामों के ताले खुलवा दिये। आज देश में मुफ्त राशन की योजना चल रही है। मैंने गारंटी दी है कि आने वाले पांच साल इसे और चलाऊंगा। झारखंड में आये दिन पेपर लीक होते थे और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था, लेकिन आज केंद्र की भाजपा सरकार ने पेपर लीक के विरुद्ध कठोर कानून बनाये हैं। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ, ये कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। आगामी पांच वर्षों में इन सभी भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

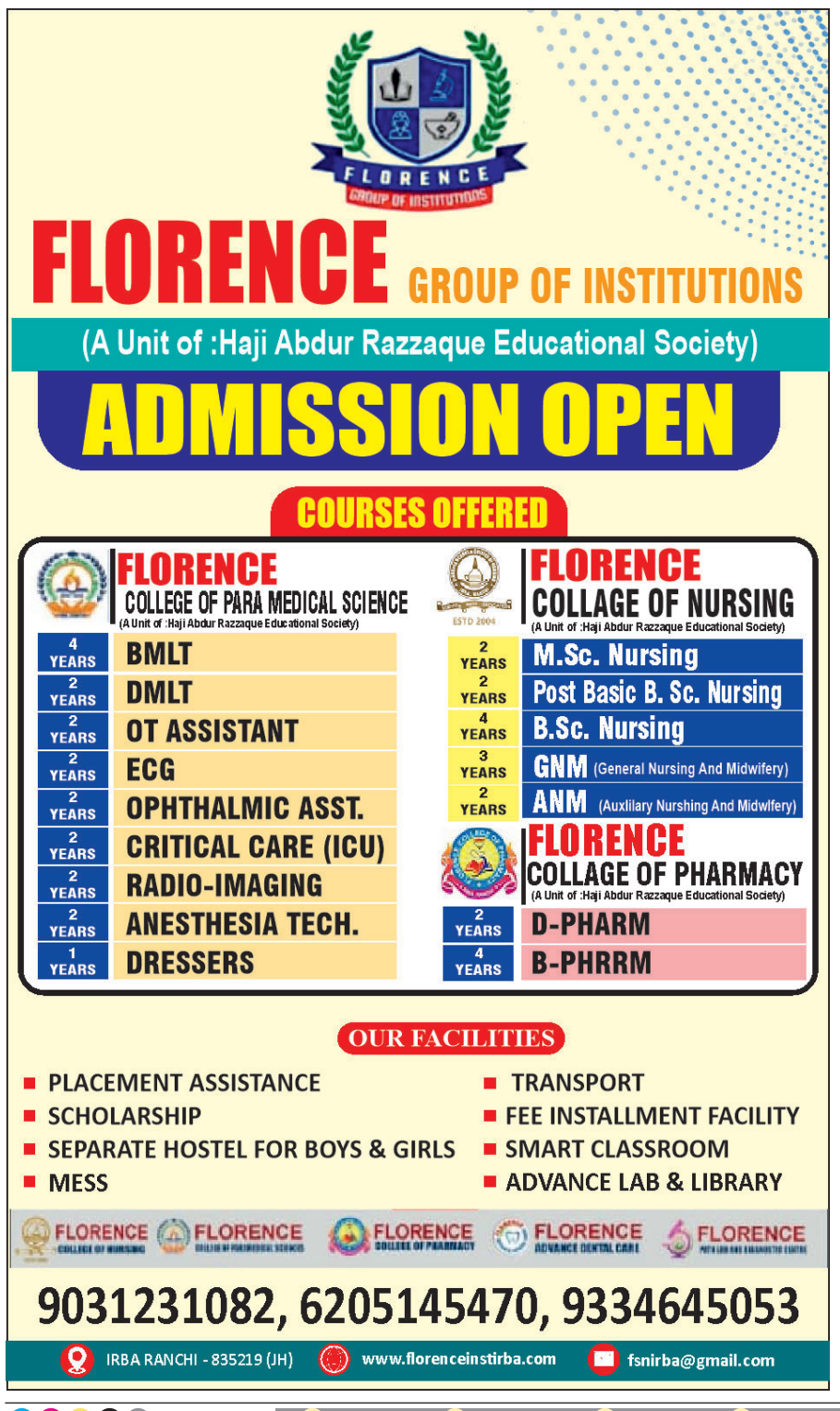

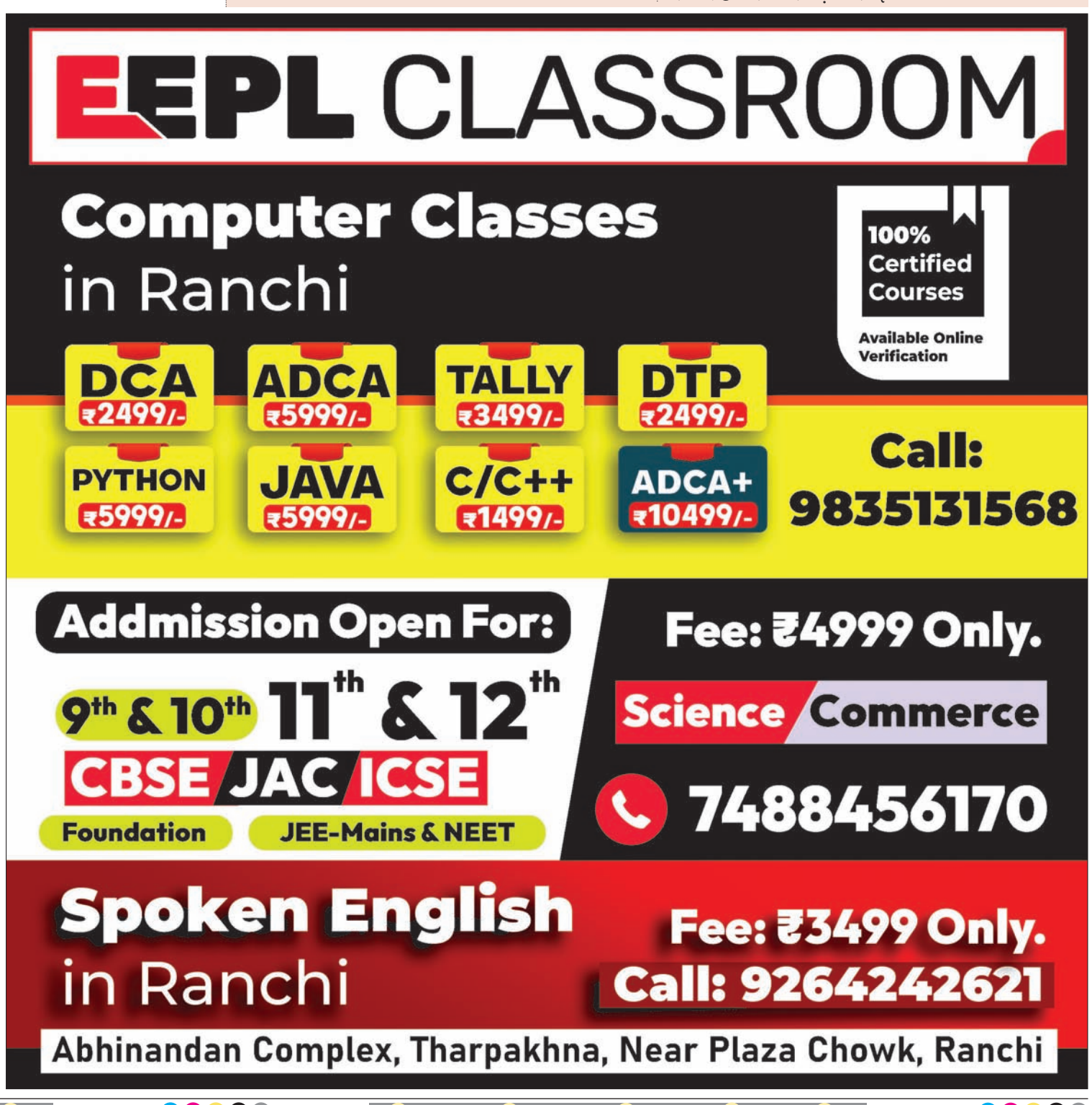

नरेंद्र मोदी सिर्फ पीएम नहीं, एक भावना हैं

- झारखंड उनके लिए मात्र एक राज्य नहीं, उनके जिगर का टुकड़ा है
- गरीबी में पले-बढ़े हैं, तभी गरीबों को समझते हैं, उनके दर्द और जरूरतों से कनेक्ट करते हैं
- खुद के पास एक साइकिल नहीं, लेकिन देश को विरासत में विकसित भारत देना चाहते हैं
- आज दुनिया भारत को सीरियसली लेती है, क्योंकि मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुए हैं

आजाद सिपाही विशेष

पीएम नरेंद्र मोदी, एक ऐसी शख्सियत, जिनके चेहरे पर एक अलग ही आध्यात्मिक ओज है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही लोगों की भावनाएं सागर की लहरों के समान हिलोरें मारने लगती हैं। जब वह बोलते हैं, तो उनकी धाराप्रवाह वाणी से लोग उसमें बहने लगते हैं। प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हो सकती हैं, सकारात्मकता और नकारात्मकता का भाव भी संग-संग काम करता होगा, क्योंकि हर व्यक्ति एक दूसरे से दूजा है और अलग-अलग विचारधारा रखता है। लेकिन कोई भी हो, वह मोदी को इग्नोर तो नहीं करता है। वह पीएम हैं, इसलिए नहीं, उनके पास जो अनुभव है, उसके आधार पर तुलना की जा रही है। मोदी के बारे में सिर्फ दो चीजें काम करती हैं। मोदी पसंद है या मोदी पसंद नहीं। बीच वाली कोई बात नहीं होती। जो मोदी को पसंद करते हैं वह मोदी के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं और जो पसंद नहीं करते ,वह भी कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। पीएम मोदी का दो दिन का झारखंड दौरा बहुत कुछ दिखा गया। मोदी के समर्थकों के बीच उनके लिए अटूट प्रेम और विश्वास। मोदी को उनके समर्थक अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। मोदी भी जब मंच से संबोधन करते हैं तो क्या आम, क्या खास, वे सभी को अपना बना लेते हैं। झारखंड में जो दीवानगी मोदी के लिए इन दो दिनों में दिखी वह विरले ही किसी नेता को मिलती होगी। झारखंड में गर्मी बेहिसाब है। चाइबासा, पलामू और सिसई में जिस हिसाब से गर्मी थी, बिना गमछा के अगर कुछ देर कोई शख्स खड़ा हो जाये, तो वह चक्कर खा कर गिर जाये, वैसी गर्मी में भी मोदी के प्रति जो दीवानगी जनता और उनके समर्थकों के बीच देखी गयी, उसकी तुलना करना शब्दों के बस की बात नहीं। वह एक भावना हैं, जैसे मोदी खुद एक भावना हैं। उनके एक-एक वाक्य पर लोग ऐसे रियेक्ट करते, जैसे वह शब्दों के साथ-साथ तैर रहे हों। यह भावना इसलिए सही लगती है ,चूंकि जो कुछ इन दो दिनों में मैंने देखा और महसूस किया, वह अद्भुत था। मोदी के काम को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन उनके व्यक्तित्व को लेकर मतभेद नहीं हो सकता। मोदी को सिर्फ देखने और सुनने जिस हिसाब से भीड़ की भीड़ आ रही थी मानो मेला लगा हो। बुजुर्ग डंडों के सहारे कई किलोमीटर की यात्रा कर के उन्हें सुनने आ रहे थे। सवाल पूछने पर सिर्फ कहते, मोदी आया है, मेरा राम मंदिर बनवा दिया। मोदी आया है मेरे राम को घर मिल गया। एक बुजुर्ग ने कहा कि देश को मोदी ही चला सकता है। उस बुजुर्ग की आंखें धूप से लाल थीं, लेकिन मोदी को देखने वह भी धीरे-धीरे गमछा ओढ़े जा रहा था। माताएं अपने दुधमुंहे बच्चों को लेकर तेज धूप में पैदल चल रही थीं ,सिर्फ मोदी को देखने। मैंने महिला से कहा भी कि बच्चा का सिर धूप से जल रहा है, महिला ने तुरंत अपने आंचल का छांव अपने बच्चे को दिया और चल पड़ी मोदी की सभा की ओर। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं का भी रोल बड़ा अहम था। सबको पानी का पाउच बांटना, गमछा देना, कड़ी धूप में वे भी जनता के साथ कदमताल मिला रहे थे। ऐसे ही कोई पार्टी इतनी बड़ी नहीं बनती। ऐसे ही कोई मोदी नहीं बनता। पेश है मोदी का झारखंड के प्रति प्रेम, उनका लोगों के बीच कनेक्ट करने का तरीका और दोनों ओर (पीएम मोदी और जनता) के बीच भावनाओं का आदान-प्रदान, जिसे मुश्किल से शब्दों में बयां कर रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

झारखंड के प्रति प्रेम और समर्पण

पीएम मोदी का दो दिन का झारखंड दौरा बहुत कुछ कह गया। झारखंडियों के प्रति उनके अटूट प्रेम की झलक तो मिली ही, आदिवासियों के प्रति उनका सम्मान भी साफ-साफ दिखा। यह सिर्फ इस दौरे की बात नहीं है, नरेंद्र मोदी जब भी झारखंड आते हैं और सभा को संबोधित करते हैं तो वह यह कहना नहीं भूलते कि झारखंड महान आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है। भगवान बिरसा मुंडा की भूमि है। वह जब यह बात कहते हैं तो उनकी आंखों और वाणी की ध्वनि भी उनकी भावना को और पुख्ता करती हैं। ये शब्द सिर्फ उनकी जुबां से नहीं निकलते, यह उनके अंतर्मन की ध्वनि होती है। मोदी ऐसे ही डंके की चोट पर यह नहीं कहते कि झारखंड से उनका दिल का रिश्ता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भी उन्होंने प्रस्तुत किया है। जब वह कहते हैं कि झारखंड को दिल्ली से बढ़ कर मानते हैं, तो इसका भी ठोस आधार है। इसे उन्होंने कई अवसरों पर साबित किया है। वैसे पीएम मोदी के लिए हर राज्य एक सम्मान है। लेकिन झारखंड उसमें सर्वोपरि है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले एक तरह से यह परिपाटी सी बन गयी थी कि जो भी केंद्रीय योजनाएं घोषित या लागू होंगी, उनकी घोषणा देश की राजधानी दिल्ली से ही होगी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को तोड़ा। झारखंड से ही पीएम मोदी ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की, जिसका लाभ आज पूरा देश उठा रहा है। पीएम मोदी कहते हैं कि झारखंड पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के स्तंभ रहे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपयी की देन है, तो यह भी सिर्फ कहने के लिए नहीं कहते। सचमुच में अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड को देश के क्षितिज पर राज्य के रूप में स्थापित किया था। मोदी का यह कहना भी अकारण नहीं है कि झारखंड और यहां के लोगों की भावनाओं को अगर कोई सबसे अच्छे से समझता है और समस्याओं को सुलझाता तो वह भाजपा ही है। जब अलग झारखंड की मांग थी। जब मोदी यह कहते हैं कि कांग्रेस झारखंड गठन का विरोध करती थी, तो यह भी हवा हवाई नहीं है। सचमुच में कांग्रेस चाहती तो झारखंड का गठन वह अपने शासन काल में कर देती, लेकिन सच तो यही है कि कांग्रेस उन दिनों लालू यादव के प्रभाव में थी और लालू यादव तो साफ कह चुके थे कि बिहार का बंटवारा कर झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। कांग्रेस के शासनकाल में झारखंड सिर्फ और सिर्फ पठारी क्षेत्र बन कर रह गया था। पीएम मोदी का आरोप भी गलत नहीं है कि जब दिल्ली में बैठ कर कांग्रेस सरकार झारखंड के लिए योजनाएं बनाती थी, तो उसका 85 प्रतिशत हिस्सा गटक लिया जाता था। यह बात तो स्व राजीव गांधी ने कही थी। मोदी का यह कहना भी गलत नहीं है कि इंडी गठबंधन का झारखंड के प्रति प्रेम सिर्फ दिखावा है। कांग्रेस अगर सचमुच में आदिवासियों की हितैषी होती, तो अपने साठ साल के शासनकाल में वह जंगलों पर वहां निवास करनेवालों को हक दे दी होती। आदिवासियों की जमीन पर डाका नहीं पड़ता, जल तो संचित होता ही, खनिज संपदा पर भी यहां के लोगों का कुछ हद तक अधिकार होता।

झारखंड के प्रति मोदी के लगाव का पहला उदाहरण यह है कि वह पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने यह माना कि केंद्रीय योजनाएं सिर्फ दिल्ली से ही क्यों शुरू हों, झारखंड से क्यों नहीं? पीएम मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत झारखंड से ही की। इस योजना के लागू होने से पहले गरीब यह सोच भी नहीं सकता था कि वह अपनी जान बचाने के लिए पांच लाख रुपये तक खर्च कर देगा। इस योजना से आज करोड़ों गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। मुद्रा योजना की भी शुरुआत प्रधानमंत्री ने झारखंड के दुमका से ही की। इस योजना से कई नौजवानों और देशवासियों की किस्मत चमकी, भाग्य बदला। उनके हाथ मजबूत हुए। इस योजना के तहत एक व्यक्ति व्यापार शुरू करने के लिए 10 लाख रुपये तक ऋण ले सकता है। इससे पहले गरीबों की हालत यह थी कि वह बैंक की देहरी भी नहीं लांघ सकता था, बिना जमीन-जायदाद गिरवी रखे दस लाख रुपये का लोन लेना तो उसके लिए सपना था। पीएम जनधन योजना की शुरुआत भी झारखंड से हुई। भगवान बिरसा मुंडा के गांव से इस योजना की शुरुआत हुई। 24 हजार करोड़ रुपये की यह योजना अति-पिछड़े आदिवासी भाई-बहनों की जिंदगी बदल रही है। विकसित भारत वाली मोदी की गारंटी वाली गाड़ी भी झारखंड के खूंटी से ही शुरू हुई। आदिवासियों को सम्मान देने के लिए नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मानाने की शुरुआत की। मोदी सरकार देशभर में आदिवासी गौरव के लिए जनजाति संग्रहालय बना रही है। आज देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहले झारखंड की ही राज्यपाल थीं। यह आदिवासियों के प्रति मोदी के सम्मान का ही प्रतिफल है कि झारखंड में राज्यपाल के पद पर बैठी आदिवासी महिला अचानक रातोंरात देश के सबसे सर्वोच्च पद पर विराजमान हुईं। कांग्रेस ने तो राष्ट्रपति के चुनाव के वक्त उनके खिलाफ उम्मीदवार तक उतार दिया। उसने यशवंत सिन्हा को विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार बना कर श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के खिलाफ उतार दिया। अगर सचमुच में कांग्रेस का आदिवासियों के प्रति प्रेम होता, तो वह झारखंड या देश के किसी भी राज्य से किसी आदिवासी महिला या पुरुष को राष्ट्रपति का उम्मीदवार बना सकती थी। राष्ट्रपति के बारे में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन ने क्या-क्या आपत्तिजनक नहीं बोला, यह पूरा देश जानता है।

मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुए है

मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन आज भी उनके पास अपना घर नहीं है, न ही एक साइकिल है। पीएम मोदी कहते हैं कि उनकी संपत्ति देशवासियों का प्रेम है। वह अपने देशवासियों और बच्चों के लिए सुनहरे भारत और विकसित भारत की विरासत छोड़ कर जाना चाहते हैं। इसलिए वह इतनी मेहनत करते हैं। उनका कहना है कि मेरा तो देश ही परिवार है जी। वह तो कहते हैं कि मुझे पद का प्रलोभन नहीं है, झोला उठा कर आये थे, झोला उठा कर ही चले जायेंगे, लेकिन जो कार्य देश की जनता ने उन्हें सौंपा है, उसे पूरा कर के ही जायेंगे। जब तक देश की जनता का आदेश रहेगा, वह उनके मापदंड पर हमेशा खरा उतरने की कोशिश करेंगे। आज भारत का कद इंटरनेशनल मंच पर कितना बढ़ा ह, वह किसी से छिपा नहीं है। पहले जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत बोलता था, तो उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज दुनिया भारत को सीरियसली लेती है। मोदी को सीरियसली लेती है, क्योंकि मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ है।

पीएम नरेंद्र मोदी से हर आम आदमी यूंही कनेक्ट नहीं करता

मोदी हर आम आदमी की भावनाओं को समझते हैं। मोदी डायरेक्ट पीएम नहीं बने हैं, न ही यह पद उन्हें विरासत में मिला है। इसके पीछे उनका संघर्ष, उनकी तपस्या, उनका समर्पण, उनका सब्र और देशहित में कुछ कर गुजरने की चाह है। उन्होंने गरीबी को बहुत नजदीक से देखा है। जिया है। इसलिए उन्हें गरीबों की पीड़ा कुछ ज्यादा ही समझ में आती है। पीएम मोदी को अहसास है कि जिस गरीबी को उनके जैसे परिवारों ने देखी है, वैसी गरीबी भारत के परिवार न देखें, जो अभाव चाहे वह खाने में हो, इलाज में हो उन्होंने झेला है, वह देश की जनता नहीं झेले। इसलिए उन्होंने गरीबों के लिए मुफ्त राशन का प्रबंध किया है, ताकि कोई भी गरीब रात को पेट पकड़ कर भूखा नहीं सोये। पैसा नहीं रहने के कारण जो लोग इलाज नहीं करवा पाते थे और कई तो दम तोड़ देते थे, उनके लिए आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत वरदान साबित हुई। मोदी हमेशा कहते हैं, जिसने अपनी मां को खाना बनाते, खांसते देखा ही नहीं, उसे क्या उन आंसुओं का मोल समझ में आयेगा। उज्ज्वला योजना की शुरुआत इसलिए की, ताकि कोई भी मां अगर अपने बच्चों के लिए खाना बनाये, तो उसके आंख धुएं से लाल न हों, ना ही उसके आंसू अग्नि में टपकें। मोदी का मानना है कि इन दस वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा खुद के जीवन के अनुभव से मिला है।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 05 मई, 2024
www.azadsipahi.in

इंडी गठबंधन झारखंड और विकास विरोधी अपनी करनी से जेल में बंद हैं हेमंत: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लोहरदगा के सिसई में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अतीत को हम सभी लोग जानते हैं। कांग्रेस पार्टी झारखंड की विरोधी रही है। झारखंड वासियों की भी विरोधी रही है। विकास की भी विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य का आंदोलन आजादी के पहले से चल रहा था। केंद्र में 50-60 साल तक कांग्रेस की सरकार थी। उसने कभी झारखंड अलग राज्य नहीं

बनने दिया। उल्टे अलग राज्य की मांग करनेवाले लोगों को खरीद लिया। पहले उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा को खरीदा। उसके बाद शिबू सोरेन को खरीदा। भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर झारखंड अलग राज्य का गठन किया जायेगा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने पर उन्होंने झारखंड अलग राज्य का गठन कर दिया। भाजपा जो कहती है, वह करती है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में कांग्रेस, राजद और जेएमएम की सरकार चल रही है। इन लोगों ने राज्य को सिर्फ लूटने का ही काम किया है। जितने भी खनिज हैं, यहां तक की नदी के बालू को भी नहीं छोड़ा। इस लोकसभा चुनाव में हम सभी को संकल्प लेना है कि लोहरदगा से एनडीए प्रत्याशी समीर उरांव को जिताना है और देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है।

श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में बंद हैं। वह बार-बार कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी वालों ने उन्हें फंसा दिया। इडी वालों ने हमें फंसा दिया। कल झारखंड हाइकोर्ट का निर्णय आया। झारखंड हाइकोर्ट ने साफ-साफ कह दिया कि उन्हें कोई फंसाया नहीं है। इडी के पास गिरफ्तारी के पूरे साक्ष्य हैं। वह अपनी करनी से आज जेल में बंद हैं।

400 पार का नारा भूल कर अब हिंदू और मुसलमान कर रहे हैं पीएम: सुप्रियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पीएम नरेंद्र मोदी के झारखंड आगमन और उनके बयानों पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में पीएम मोदी ने तीन चुनावी सभाएं कीं। सभी में एक समान बात दिखाई पड़ी। कहा कि पहले पीएम के भाषण में अबकी बार 400 पार पर अधिक फोकस रहता था, लेकिन दूसरे चरण का लोकसभा चुनाव हो जाने के बाद पीएम का विषय और नैरेटिव बदल गया है। अब वह आरक्षण और हिंदू-मुसलमान पर अधिक फोकस कर रहे हैं। सुप्रियो ने कहा कि संविधान के अनुसार देश में सभी दलों को मान्यता दी गयी। इसमें साफ-साफ कहा गया है कि राजनीतिक दल धर्म, संप्रदाय और जाति से ऊपर उठ कर जन कल्याण की बात करेंगे। लेकिन पीएम आदिवासी और हिंदू-मुस्लिम की बात कर रहे हैं। इनको बांटने की बात कर रहे हैं।

पाकिस्तान को मुद्दा बनाने पर उठाये सवाल : सुप्रियो ने आगे कहा कि कुछ दिनों पहले जब पीएम मोदी के झारखंड आगमन की सूचना मिली, तो उन्होंने उनसे कुछ सवाल किये थे। निवेदन किया था कि झारखंड आने पर वह इन सवालों के जवाब दें। लेकिन पीएम हमारे सवालों को भूल गये। वह जनता को बरगलाने लगे। भ्रम पैदा करने लगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अपने पिछले कुछ भाषणों में हिंदू-मुस्लिम के साथ पाकिस्तान का भी जिक्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोकसभा का चुनाव हमारे देश भारत में हो रहा है, तो फिर पाकिस्तान यहां मुद्दा कैसे बन सकता है। यहां की जनता की समस्या और उनके विकास की बात होनी चाहिए। लिकन मोदी पाकिस्तान के बारे में बात कर रहे हैं। कहा कि इस साल अमेरिका में भी चुनाव होनेवाले हैं, लेकिन वहां का कोई नेता, चाहे वो डेमोक्रेटिक या रिपब्लिकन, किसी पड़ोसी मुल्क की बात नहीं कर रहा है। वे अपने देश के मुद्दों पर बात कर रहे हैं।

खोखला हो चुकी है बीजेपी : सुप्रियो ने आगे कहा कि दरअसल बीजेपी के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। ये पार्टी अब खोखला हो चुकी है। इसीलिए पीएम मोदी जनता को बरगला रहे हैं। जनता में भ्रम फैला रहे हैं। सुप्रियो ने आगे कहा कि बहुत तरह की बातें हुईं। पीएम मोदी की शिक्षा को लेकर कई बार बात हुई और सवाल उठे। लेकिन जेएमएम इस विवरण में नहीं जाना चाहता। कहा, जहां तक मेरी पोलिटिकल समझ की बात है, मेरी जानकारी की बात है तो किसी दल को, जिस देश में वो है, उसे वहां की डेमोक्रैसी को जानना जरूरी है। वहां के संविधान को जानना जरूरी है। लेकिन पीएम मोदी की बातों से ये जाहिर नहीं होता। वे कहते हैं कि संविधान नहीं बदला जायेगा। लेकिन मैं फिर कहता हूं कि देश का संविधान खतरे में है। जनता को पीएम के भाषणों के भ्रम में नहीं आना चाहिए।

बीजेपी के नहीं, कांग्रेस के घोषणा पत्र पर करते हैं बात

सुप्रियो ने आगे कहा कि पीएम मोदी अपनी चुनावी सभाओं में अपनी पार्टी यानी बीजेपी के घोषणा पत्र का नाम तक नहीं लेते। वह कांग्रेस के घोषणा पत्र की आलोचना करते अक्सर सुनाई देते हैं। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र का होना चुनाव आयोग की ओर से जरूरी करार दिया गया है। घोषणा पत्र का अपना महत्व होता है। चुनाव से पहले आपको बताना होता है कि जनता, विकास और अन्य मुद्दों के लिए आपके पास क्या योजना है। अगले पांच साल आप क्या करनेवाले हैं, ये देश को बताना होता है। लेकिन मोदी का अधिक समय कांग्रेस के घोषणा पत्र की आलोचना करने में बीतता है। कहा कि आप अपने घोषणा पत्र में ये कह सकते हैं कि हम जीते तो देश को चांद पर ले जायेंगे। लेकिन आपको इसके लिए चुनाव आयोग के सामने योजना भी बतानी होगी कि आप ये किस तरह करने वाले हैं। बीजेपी के घोषणा पत्र में जो बातें कही गयी हैं, जो वादे किये गये हैं, पीएम मोदी को उसके बारे में बात करनी चाहिए।

दलित विरोधी है इंडी एलायंस, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 400 पार का संकल्प पूरा होगा : अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में आयोजित जनसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि हम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का प्रधान सेवक बनाने के लिए खड़े हैं। देश के पास एक ऐसा नेता है, जिसके पास विजन है। उनके नेतृत्व में हम देश ही नहीं दुनिया का कल्याण करना चाहते हैं। वहीं, सामने इंडी गठबंधन के लोग देश की प्रगति को रोकना चाहते हैं। कैसे प्रधानमंत्री को रोका जाये, इसके लिए लगातार षड्यंत्र कर रहे हैं। जनता के आशीर्वाद से जब 400 पार के नारे के साथ प्रधानमंत्री चुनावी मैदान में उतरे, तो इंडी गठबंधन के पसीने छूट गये।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या सत्ता में आने के साथ ही शुरू कर दी। उन्होंने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया। गरीब, आदिवासी, दलित और वंचितों को संविधान में उठाने की बात करने वाले बाबा साहब को भुला दिया। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें सम्मान देने का काम किया। पूरे विश्व में स्थापित करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों गरीबों को सिर पर छत मिला है। उन्हें पक्का मकान मिला है। करोड़ों लोगों को आज मुफ्त राशन दिया जा रहा है। मुफ्त गैस कनेक्शन दिया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती से प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की लांचिंग की। इससे गरीबों को 5 लाख रुपए के इलाज की सुविधा मुफ्त मिल रही है।

श्री बाउरी ने कहा कि देश में इमरजेंसी लगाने वाले आज लोकतंत्र की हत्या की बात कर रहे हैं। राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने वाले लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार दलित, आदिवासी विरोधी है। उसने एक भी दलित को मंत्री नहीं बनाया। सरकार ने बैजनाथ राम का वारंट निकाल कर उन्हें शपथ नहीं लेने दिया। इससे बड़ा दलितों का अपमान नहीं हो सकता है। इंडी गठबंधन के लोगों के वोट मांगने आने पर यह सवाल उनसे जरूर करें।

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने खूब बहाया पसीना

- सैकड़ों समर्थकों के साथ पीएम के मिशन झारखंड में पहुंचे
- गांव-गांव घूम-घूम कर लोगों को दी थी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन झारखंड को लेकर गुमला के सिसई में सभा होनी थी। इसे लेकर एक सप्ताह पहले से ही भाजपा नेता सन्नी टोप्पो खूब पसीना बहा रहे थे। गांव-गांव घूम-घूम कर लोगों को पीएम के कार्यक्रम की जानकारी और सभा में भाग लेने का न्योता भी दे रहे थे। शनिवार को बरटोली मैदान में उनकी मेहनत भी दिखायी पड़ी। पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए ही सन्नी टोप्पो को लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र का सह संयोजक बनाया गया है। इस महती जिम्मेवारी को वह बखूबी निभा रहे हैं। उनका मानना है कि अगर कार्यकर्ता पूरी तनमयता के साथ प्रधानमंत्री की गारंटी को जन-जन तक पहुंचा दें, तो आसानी से 400

का आंकड़ा पार हो जायेगा। साथ ही भाजपा की झोली में झारखंड की 14 सीटें भी आ जायेंगी। सन्नी टोप्पो के साथ आये समर्थक भी बीच-बीच में सन्नी टोप्पो जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, बाबूलाल मरांडी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। समर्थक भाजपा की पट्टी भी लगे में लगाये हुए थे। टोपी भी पहन रखी थी। भाजपा के नेता भी सन्नी टोप्पो के प्रयास की सराहना करते दिखे। सन्नी टोप्पो को जब से लोकसभा का सह संयोजक बनाया गया है, तब से लगातार क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हैं। खासकर मांडर विधानसभा में ज्यादा शक्ति झोंक रखी है। कारण सन्नी टोप्पो मांडर से चुनाव भी लड़ चुके हैं। इस क्षेत्र में उनका अच्छा-खासा जनाधार भी है। प्रधानमंत्री की सभा के लिए इनके समर्थन में आयी ज्यादातर भीड़ भी मांडर विधानसभा क्षेत्र के मांडर, इटकी, बेड़ो, नरकोपी इलाके की थी। इसके अलावा लोहरदगा और गुमला के समर्थक भी पहुंचे थे। सन्नी टोप्पो एक ऐसे शख्स हैं, जो न केवल राजनीति, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी निभाते हैं। युवाओं, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में भी वह पीछे नहीं हटते हैं। भाजपा ज्वाइन करने के बाद से एक सच्चे सिपाही की तरह पूरे मनोयोग से भाजपा के संदेश, पीएम मोदी की गारंटी को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। सन्नी टोप्पो एक युवा राजनीतिज्ञ हैं। इनका क्रेज भी लोरहदगा लोकसभा क्षेत्र में जनता के बीच देखा जाने लगा है।

भाजपा का 400 पार का नारा सच होगा: सन्नी टोप्पो

भाजपा नेता सह लोहरदगा लोकसभा के सह संयोजक सन्नी टोप्पो ने कहा कि भाजपा का 400 पार का नारा सच होगा। झारखंड समेत पूरे देश में मोदी की लहर है। इस आंधी में कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल धराशायी हो जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काफी काम हुआ है। आदिवासियों का मान-सम्मान भी बढ़ा है। प्रधानमंत्री ओर भाजपा ने देश की एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया है। भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता की भी अच्छी खासी पूछ है। सामान्य कार्यकर्ता को ऊंचे पद पर आसीन किया जाता है। झारखंड में भी इसके कई उदाहरण हैं। अर्जुन मुंडा को मंत्रालय में शामिल किया गया। आशा लकड़ा को भी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गयी। इसी प्रकार के कई उदाहरण भरे-पड़े हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग झूठा प्रचार कर आमजन को गुमराह कर रहे हैं, लेकिन वे लोग अपने मंसूबे में कभी कामयाब नहीं हो पायेंगे। झारखंड समेत पूरे देश की जनता इस बार उन्हें जरूर सबक सिखायेगी। झारखंड की जनता मन बना चुकी है। निश्चित तौर पर तीसरी बार नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। शनिवार को पलामू और खासकर सिसई में आयी भीड़ ने अपना इरादा साफ कर दिया है। इसके अलावा रांची के रोड शो में भी जलसैलाब उमड़ा। इससे साफ है कि नरेंद्र मोदी देश की पहली पसंद हैं। उनके मुकाबले में कोई राजनेता खड़ा नहीं है। झारखंड में भी बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बेहतर काम हो रहा है। पार्टी का जनाधार और तेजी से बढ़ा है। पिछले बार के चुनाव से कहीं ज्यादा वोट इस बार मिलेगा।

रायबरेली में भी राहुल को घेरने की पूरी तैयारी

भाजपा ने बनाया अमेठी वाला प्लान

सलोनी

कांग्रेस ने राहुल गांधी को रायबरेली लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाने की घोषणा कर दी और नामांकन करने की अंतिम तिथि 3 मई को उन्होंने अपना पर्चा दाखिल कर दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी की उम्मीदवारी का स्वागत करते हुए कहा कि इससे यूपी में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। इसके साथ-साथ इससे पूरे देश में अच्छा संदेश भी जायेगा। वहीं, भाजपा ने राहुल गांधी को रायबरेली में भी घेरने का प्लान बना लिया है। राहुल गांधी को घेरने के लिए भाजपा ठीक उसी रणनीति का इस्तेमाल करेगी, जिसके सहारे उन्हें अमेठी में हराया था।

अमेठी में भाजपा ने तैयार किया था यह प्लान : भाजपा ने 2014 में अमेठी से राहुल गांधी के सामने तेजतर्रार नेता स्मृति ईरानी को अपना प्रत्याशी बनाया था। इसके साथ ही पार्टी ने जनता के बीच यह मुद्दा उठाना शुरू कर दिया कि गांधी परिवार केवल भावनाओं के सहारे अमेठी की जनता से वोट लेता है। लेकिन चुनाव में जीत हासिल करने के बाद परिवार के सदस्य कभी लौट कर नहीं आते। भाजपा ने जनता को यह समझाने की कोशिश की कि गांधी परिवार के जीतने के बाद अमेठी को कुछ लोगों के सहारे 'छोड़' दिया जाता है। इससे जनता की परेशानियों का कोई हल नहीं निकल पाता। स्मृति ईरानी ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से अपनी चुनावी सभाओं में उठाया।

हालांकि, अपनी पूरी कोशिश करने के बाद भी भाजपा राहुल गांधी को 2014 में अमेठी में नहीं हरा सकी। अमेठी की परंपरागत सीट पर मतदाताओं का भरोसा गांधी परिवार पर बना रहा। लेकिन हार के बाद भी स्मृति ईरानी ने मैदान नहीं छोड़ा और वह अमेठी में डटी रहीं। उन्होंने बीच-बीच में लगातार पांच साल तक अमेठी जाकर लोगों से अपना संपर्क बनाये रखा। 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार आ जाने से उनका काम और आसान हो गया। राज्य सरकार के कामकाज के सहारे स्मृति ईरानी ने अमेठी के लोगों के बीच अपनी छवि 'जनता का काम' करने वाले नेता की बनायी। इसका उन्हें लाभ हुआ और 2019 के लोकसभा चुनाव में स्मृति ने राहुल को अमेठी में मात दे दी। इसके बाद राहुल गांधी केरल के वायनाड चले गये।

चंद्रमौलि सिंह ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने 2019 में रायबरेली से जीत हासिल की, लेकिन वह अपनी जीत का प्रमाण पत्र लेने तक रायबरेली नहीं आयीं। पूरे पांच साल में सोनिया गांधी एक बार भी रायबरेली नहीं पहुंचीं। जिस रायबरेली ने उन्हें लगातार पांच बार सांसद बनाया (उपचुनाव सहित), अंततः उन्होंने उसे भी छोड़ दिया और राज्यसभा के पिछले दरवाजे से संसद पहुंच गयीं। 2014 में चुनावी हार के बाद भी स्मृति ईरानी ने अमेठी नहीं छोड़ी, जबकि 2019 में हारने के बाद राहुल गांधी कभी अमेठी नहीं गये। इससे समझ आता है कि एक नेता के तौर पर गांधी परिवार की प्राथमिकता क्या है?

वही रणनीति रायबरेली में भी

भाजपा के अमेठी जिला के प्रवक्ता चंद्रमौलि सिंह ने कहा कि रायबरेली का हाल भी अमेठी वाला ही रहा है। रायबरेली ने लगातार गांधी परिवार को जिताने का काम किया, लेकिन इसके बाद भी गांधी परिवार ने कभी रायबरेली के विकास पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने जनता का कामकाज भी अपने कुछ लोगों के 'सहारे' छोड़ दिया था, जिससे जनता के काम कभी नहीं हुए।

कांग्रेस बोली- जीत हासिल करेंगे, अच्छा संदेश जायेगा

राजनीतिक गलियारों में लगातार इस बात की चर्चा हो रही थी कि यदि गांधी परिवार ने अमेठी-रायबरेली को छोड़ दिया, तो इससे पूरे देश में बहुत नकारात्मक संदेश जायेगा। इससे भाजपा यह संदेश देने में कामयाब रहेगी कि पूरे यूपी से कांग्रेस का सफाया हो गया। संभवतया यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व पर लगातार यह दबाव बनाये रखा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इन पारंपरिक सीटों से पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाये।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि राहुल गांधी की रायबरेली में जीत तय है। यहां की जनता आजादी के काल से ही कांग्रेस और गांधी परिवार के साथ खड़ी रही है। इस बार भी राहुल गांधी को यहां से बड़ी जीत मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि रायबरेली से राहुल गांधी की उम्मीदवारी से पूरे प्रदेश में सकारात्मक संदेश जायेगा। इससे गठबंधन के कार्यकर्ताओं और दूसरी सीटों के प्रत्याशियों को भी बल मिलेगा।

कांग्रेस की परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीतिः मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामू/सिसई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पलामू और सिसई में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पिछले 60 वर्षों में सिर्फ परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण किया है। अपना वोट बचाने के लिए कांग्रेस आतंकवादियों पर भी कार्रवाई नहीं करती। झारखंड में घुसपैठियों को बढ़ावा देने और आदिवासियों की जमीन हड़पने का खतरनाक खेल हो रहा है। संथाल में पीएफआइ जैसे प्रतिबंधित संगठन अपना रैकेट चला रहे हैं और आदिवासी महिलाओं के साथ अत्याचार कर रहे हैं। जब लोग इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो इंडी गठबंधन वोट जिहाद की अपील करने लगता है। कांग्रेस कितना ही जिहाद कर ले, लेकिन अब ये देश पीछे नहीं हटनेवाला है।

कांग्रेस की नजर संपत्ति पर है: प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी यहां रोजगार बढ़ाना चाहता है और जनता के जीवन में खुशहाली लाना चाहता है, लेकिन कांग्रेस की नजर जनता की संपत्ति पर पड़ गयी है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जनता की संपत्ति का एक्स-रे कर उसका कुछ हिस्सा जब्त करने और अपने वोटबैंक में बांटने की बात कही है। जनता को ये बिल्कुल मंजूर नहीं है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने एक और खतरनाक बात कही है। कांग्रेस जनता में झूठ फैला रही है कि भाजपा विजयी होने पर आरक्षण और संविधान खत्म कर देगी। सत्य तो यह है कि भाजपा की देश में पिछले 10 वर्षों से पूर्ण बहुमत की सरकार है और भाजपा ने अब तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है, क्योंकि मोदी बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की पूजा करता है। उल्टा इनकी सच्चाई भाजपा ने खोल कर रख दी है।

कल्याण योजनाओं ने मेरे अनुभव से जन्म लियाः प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं विरासत में देश को विकसित भारत देकर ही जाऊंगा ताकि देश की जनता को कभी मुसीबत भरा जीवन न जीना पड़े। मैंने गरीबी को जीया है। मैं गरीबी की मुश्किलों से गुजरता हुआ आया हूं। इसीलिए मेरी 10 वर्षों की गरीब कल्याण की योजनाओं ने मेरे जीवन के अनुभवों से जन्म लिया है। आज लाभार्थियों से मिल कर मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं और इन आंसुओं की कीमत वही व्यक्ति समझ सकता है, जिसने गरीबी में जीवन बिताया है। जिसने अपनी मां को पेट बांध कर सोते और शौचालय के अभाव में पीड़ा तथा अपमान सहते नहीं देखा है, वो मोदी के इन आंसुओं का मर्म नहीं समझ सकता है। कांग्रेस के शहजादे मोदी के आंसुओं में अपनी खुशी ढूंढ़ रहे हैं। ये निराश और हताश लोग इतने कुंठित हो गये हैं कि मोदी के आंसू इन्हें अच्छे लग रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे के हालात को 'जाके पांव न फटे बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई' मुहावरा चरितार्थ करता है। राहुल गांधी चांदी के चम्मच से खाना खाते रहे, गरीबों की झोपड़ियों में फोटो खिंचवाते रहे। गरीब के लिए कभी कुछ नहीं किया। जनता मोदी को आशीर्वाद दे रही है। ये आशीर्वाद ही मोदी की शक्ति और पूंजी है।

पलामू को अपने हाल पर छोड़ दिया था

मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने पलामू को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इन नेताओं को ये भी नहीं ज्ञात होगा कि पलामू नक्शे में कहां पड़ता है। लेकिन इन्हीं जिलों में देश के सबसे ज्यादा दलित, आदिवासी और पिछड़े भाई बहन रहते हैं। कांग्रेस शासन में इन जिलों को पिछड़ा जिला कह कर अपमानित किया जाता था। 2014 में भाजपा सरकार बनने पर मैंने इन जिलों को आकांक्षी जिला कहना शुरू किया और इन्हें होनहार जिला बनाने का प्रण लिया। पहले और अब के पलामू में जमीन आसमान का फर्क आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए ने सदैव आदिवासी हितों को सर्वोपरि रखा है। मेरा सौभाग्य है कि भगवान बिरसा मुंडा के गांव उल्हातू जाने वाला मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं। मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती को हिंदुस्तान के हर कोने में शान से और पूरे 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणा से ही मैंने लगभग 24 हजार करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री जन मन योजना शुरू की, जिसका लाभ आदिवासियों की भी सबसे पिछड़ी जनजातियों को मिलेगा। एनडीए सबका साथ सबका विकास के लिए प्रतिबद्ध है और झारखंड में एनडीए एक ताकत से लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने पलामू से भाजपा प्रत्याशी वीडी राम और लोहरदगा से प्रत्याशी समीर उरांव को प्रचंड बहुमत से विजयी बना कर देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया।

आम लोगों के सहयोग से चुनाव लड़ रहे माले नेता विनोद सिंह, प्रवासी भी दे रहे चंदा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव में अत्यधिक धन का बे-रोकटोक प्रवाह, हमारी राजनीतिक प्रक्रिया का कड़वा सच बनता जा रहा है। चुनाव में उम्मीदवार और राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से बढ़-चढ़ कर धन बल का प्रदर्शन करने की होड़ मची है। राजनीतिक प्रक्रिया में धनबल का दुरुपयोग, जवाबदेही और पारदर्शिता को प्रभावित करता है। चुनावों में धन का बेरोक टोक प्रवाह रोकने के लिए चुनाव आयोग के प्रयास के बाद भी पानी की तरह पैसे बहाये जाने का एक कड़वा सच भी सामने आ ही जाता है। प्रतिद्वंद्वी और पार्टियां धनबल का खुलेआम प्रदर्शन करते देखे जाते हैं। चुनाव प्रचार से लेकर बूथ मैनेजमेंट में लाखों रुपये पानी की तरह बहाये जाते हैं। ऐसे में ठीक इसके उलट झारखंड के कोडरमा लोकसभा सीट से माले विधायक बिनोद सिंह लोकसभा चुनाव आम मतदाताओं के सहयोग से लड़ रहे हैं।

ऐसा प्रत्याशी चुनें, जिनकी आवाज विधानसभा में गूंजती है: विनोद सिंह

विनोद सिंह जिस पार्टी से चुनाव लड़े रहे हैं, वह कैडर बेस्ड पार्टी है। भले उनके नेता चुनाव में हारें या जीतें, हर एक कैडर नेता बन कर चुनाव लड़ता है। वर्तमान चुनावी प्रवृत्तियों से अलग उसके पास न तो पार्टी की ओर से खजाना मिला है, न खुद इतने सक्षम हैं कि पानी की तरह पैसा बहा सकें। पूरी तरह से जनता के सहयोग से चुनाव लड़ रहे विनोद सिंह कहते हैं- मैं राजनीति खुद के लिए नहीं कर रहा हूं। लोगों के लिए काम करता हूं, लोगों के लिए लड़ता हूं, लोगों के लिए ही सड़क से लेकर विधानसभा तक आवाज उठाता हूं। जनसहयोग से कोडरमा लोकसभा का चुनाव लड़ रहा हूं। मेरी जनता ही चुनाव लड़ती है। तन-मन और धन से सहयोग करती है। सिंह कहते हैं कि अगर मैं किसी पूंजीपति-कॉरपोरेट से पैसे लूंगा, तो हमें उनकी ताकत बननी होगी। उनके लिए सवाल पूछना होगा। आम लोगों के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष से ही देश की जनता हमें मजबूत बनायेगी।

प्रवासी मजदूर भी कर रहे सहयोग

माले प्रत्याशी विनोद सिंह कहते हैं कि लोग सहयोग कर रहे हैं। छोटे-छोटे सहयोग आ रहे हैं।

वहीं झारखंड से बाहर रह रहे प्रवासी मजदूर भी सहयोग के लिए आगे आये हैं। दिल्ली, मुंबई, सूरत, कोलकाता और दक्षिण के राज्यों में काम करनेवाले इलाके के प्रवासी मजदूरों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से मिली चंदे की रकम चार लाख से पार कर गयी है। चुनाव के लिए चंदा देनेवाले से अपील भी की जा रही है कि वे अपना पैन कार्ड नंबर भी दें, ताकि आगे चल कर किसी तरह की परेशानी न हो।

मिलता रहा सहयोग, गाड़ी चोरी हुई तो लोगों ने चंदा कर खरीदी

बात 2008 की है, जब भाकपा माले के कोलकाता में हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विनोद सिंह की कार चोरी हो गयी। विनोद सिंह और उनकी पार्टी के पास पैसे नहीं थे कि दूसरी कार खरीदी जा सके। विनोद ट्रेन, बस, मोटरसाइकिल, ऑटो रिक्शा में सफर कर अपने विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करने के साथ-साथ रांची भी आना-जाना करते रहे। जब विधानसभा क्षेत्र के लोगों तक यह बात पहुंची, तो आम लोगों ने पांच-पांच, दस-दस रुपये चंदा कर उनके लिए सबसे अच्छी गाड़ी महिंद्रा स्कॉर्पियो खरीद दी।

आखिर विनोद सिंह कैसे आये राजनीति में

कॉमरेड महेंद्र सिंह विधायक थे। 16 जनवरी 2005 को उनकी हत्या की गयी थी। ठीक एक दिन पहले यानि 15 जनवरी को उन्होंने उस वक्त झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था। महेंद्र सिंह की हत्या के वक्त, विनोद महज 25-26 साल के नौजवान रहे होंगे, जो मुंबई में रह कर सिनेमा के विभिन्न माध्यमों से समाज में परिवर्तन वाली राजनीतिक फिल्में बनाने के सपने देख रहे थे। आइसा की छात्र राजनीति करने वाले विनोद सिंह को कभी चुनावी राजनीति में नहीं आना था। एक तरफ अभूतपूर्व परिस्थितियों का दबाव एवं किसी दूसरे व्यक्ति को विकल्प बनाने का विचार करने के लिए वक्त की कमी थी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी 2005 थी। वहीं दूसरी तरफ पूरे समाज का दबाव था, सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोग विनोद सिंह को ही देखना चाहते थे।

सरकार की कमजोरियों पर कभी परदा नहीं डाला

विनोद काफी दबाव के बाद मुंबई से लौटे और पिता की हत्या के अगले दिन 17 जनवरी को बगोदर विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन किया। महेंद्र बाबू का दाह संस्कार विनोद सिंह के नामांकन करने के बाद कराया गया। झारखंड में विनोद सिंह झामुमो-कांग्रेस की सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी सरकार की कमजोरियों पर परदा डालने का प्रयास नहीं किया। हमेशा सरकार की कमजोरियों को उजागर किया। आदिवासियों के सवाल पर हेमंत सरकार को घेरा भी, वहीं दूसरी तरफ जब भी हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश हुई, तब-तब विनोद सिंह आदिवासी-मूलवासी आकांक्षाओं के अनुरूप चुनी हुई हेमंत सोरेन सरकार की ढाल बन कर खड़े रहे।

हरियाणा में बीजेपी मोदी और राम नाम के सहारे

कांग्रेस को गारंटी पर भरोसा; क्षेत्रीय मुद्दे भी गूंज रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गयी है। दसों सीट जीतने के लिए भाजपा-कांग्रेस के सेनापति मैदान में उतर गये हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए तरकश से तीर निकाल कर अब सीधे निशाने पर लगाये जा रहे हैं। भाजपा का पूरा जोर विधानसभा वार रैलियों पर है। इन रैलियों में दिये जाने वाले भाषणों के लिए भाजपा के थिंक टैंक ने विशेष रणनीति बनायी है। पिछले चुनाव का प्रदर्शन (10-0) दोहराने के लिए पार्टी पीएम मोदी को केंद्र में रखने के साथ मतदाताओं के धुव्रीकरण के लिए वह अपने भाषणों में बदलाव कर रही है।

उधर, कांग्रेस अपने प्रचार में घोषणा पत्र के साथ स्थानीय मुद्दों को भुनाने में जुटी है। यहां तक कि कांग्रेस घोषणा पत्र के साथ आगामी विधानसभा चुनावों में किये जाने वाले वादों को भी अभी से जनता के सामने रख रही है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा यहां तक कह चुके हैं कि यह चुनाव लोकसभा के साथ प्रदेश की सत्ता के लिए भी है। हरियाणा में भाजपा का असल उदय 2014 के चुनाव में हुआ। मोदी लहर में पार्टी ने करीब 41% वोट पाकर हरियाणा की सात सीटें जीतीं। वहीं, 2019 में दस की दस सीटें अपने नाम कीं और वोट शेयर बढ़ कर 58 फीसदी पहुंच गया। पिछले दो चुनावों को देखते हुए भाजपा इस बार भी अपनी नैया मोदी के सहारे पार करने की कोशिश में है।

स्थानीय मुद्दे उठा रही कांग्रेस

चुनाव विश्लेषक सतीश त्यागी ने बताया कि कांग्रेस का मकसद है कि चुनाव स्थानीय मुद्दों पर ही लड़ा जाये। कांग्रेस को पता है कि यदि स्थानीय मुद्दों पर पर चुनाव लड़ा गया तो उसे सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलेगा। जिन लोगों की नाराजगी है, उसके वोट वह ले सकती है। त्यागी कहते हैं कि कांग्रेसियों की असल नजर विधानसभा चुनावों पर है। इसलिए वह स्थानीय मुद्दों को ही उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस नेता अपने घोषणा पत्र को सही से पढ़ लें और जनता तक ले जायें तो उन्हें इसका काफी लाभ मिल सकता है।

रोहतक में नौकरी का मुद्दा, पंचकूला में ट्रांसफर पॉलिसी का हो रहा गुणगान : बीते 27 अप्रैल को सीएम सैनी ने झज्जर में रैली के दौरान नौकरी देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने अपनी रैली में कहा-कांग्रेस राज में एक युवा को नौकरी लगने के लिए पूरा गांव मंत्री और मुख्यमंत्री के चक्कर काटता था। मगर मनोहर लाल की सरकार बनने के बाद नौकरियों का सिस्टम ऐसा बना दिया गया कि अब किसी को भी कहीं कोई पैसे देने की जरूरत नहीं है। वहीं, जब वह रोहतक लोकसभा क्षेत्र की कोसली क्षेत्र में पहुंचे तो उन्होंने सेना के जांबाज जवानों की बात छेड़ दी। उन्होंने कहा-अहीरवाल भाई देश की सुरक्षा में सीमा पर खड़े रहते हैं। 2014 से पहले सीमा पर पत्थरबाजी होती थी, मगर मोदी के पीएम बनने के बाद सीमा पर न तो पत्थरबाजी होती है और न ही पत्थरबाज नजर आते हैं। अगले दिन जब वह पंचकूला पहुंचे तो वहां वह ट्रांसफर पॉलिसी का गुणगान करते हैं। वह कहते हैं- हरियाणा सरकार ने ट्रांसफर पॉलिसी ऐसी बनायी, जिससे हर कर्मचारी को लाभ मिला। इसी तरह पूर्व सीएम मनोहर लाल भी रैलियों में खास रणनीति के तहत भाषण देते नजर आते हैं। हालांकि साढ़े नौ साल तक उन्होंने अपनी सरकार चलायी है, मगर वह अपने काम के बजाय पीएम मोदी के काम अधिक गिनवाते हैं।

चुनाव विश्लेषक और पॉलिटिक्स ऑफ चौधर के लेखक सतीश त्यागी कहते हैं- पिछले दस साल में भाजपा ने काफी चुनाव लड़े और जीते हैं। उनके पास अच्छा अनुभव और मंझे हुए रणनीतिकार भी हैं। इसलिए उनके भाषण मोदी पर केंद्रित होने के साथ क्षेत्रीय मुद्दों पर टिके हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उस दौरान गैर जाट युवकों को नौकरियों के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। खास कर रोहतक के युवाओं को।

केवल विधायक नहीं, नेता बनने की राह पर हैं कल्पना

खुद के साथ सहयोगियों के लिए भी कर रहीं कैंपेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की सियासत में अभी सबसे चर्चित चेहरा हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा की उम्मीदवार हैं। सियासत हो, प्लेन हो या फिर पानी वाला जहाज। कहते हैं कि दूसरों की सहायता करने से पहले खुद की मदद कीजिए। पहले अपना ऑक्सीजन मास्क या लाइफ जैकेट पहन लीजिए, लेकिन कल्पना मुर्मू सोरेन चुनावी मैदान में इस अवधारणा को तोड़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय विधानसभा उपचुनाव में केवल अपने लिए ही वोट नहीं मांग रहीं, बल्कि कोडरमा लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन की तरफ से सीपीआइ एमएल के प्रत्याशी विनोद सिंह के लिए भी वोट की अपील कर रही हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन न केवल जनता को तीर धनुष छाप पर बटन दबाने को कहती हैं, बल्कि ये भी अपील करती हैं कि वे विनोद सिंह के पक्ष में जम कर मतदान करें। तीन तारा निशान पर बटन दबायें।

कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय उपचुनाव में प्रत्याशी हैं : कल्पना मुर्मू सोरेन पहली बार चुनावी मैदान में हैं। पति हेमंत सोरेन जेल में हैं और इसलिए भी कल्पना मुर्मू सोरेन के पास दोहरी चुनौती है। दरअसल, गांडेय विधानसभा सीट कद्दावर झामुमो नेता डॉ सरफराज अहमद के इस्तीफे से खाली हुई है। ऐसे में कल्पना मुर्मू सोरेन की चुनौती है कि वे इस सीट को झामुमो की झोली में सुरक्षित वापस लेकर आयें। पिछले तकरीबन एक साल में जब से हेमंत सोरेन जांच एजेंसियों की पूछताछ और कार्रवाई का सामना कर रहे हैं, मीडिया से लेकर सियासी गलियारों में कल्पना मुर्मू सोरेन को उनकी वास्तविक उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जाता रहा तो, इस विश्वास और भरोसे को चुनावी मैदान में साबित करना भी बड़ी चुनौती है। कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कल्पना मुर्मू सोरेन झारखंड के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से आती हैं। वह दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन, गांडेय में बड़ी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का बोझ लेकर भी उतरी हैं। ऐसे में कल्पना का अपने साथ-साथ इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विनोद सिंह के लिए कैंपेन करना उनकी परिपक्वता को भी दर्शाता है।

कोडरमा में विनोद सिंह के लिए मांगा वोट

केवल इतना ही नहीं। गांडेय में इलेक्शन कैंपेन में बिजी रहने के बावजूद कल्पना, गठबंधन की तरफ से विभिन्न लोकसभा सीटों पर उतरे उम्मीदवारों को पक्ष में वोट करने की अपील करती हैं। चाइबासा में जोबा मांझी के साथ नामांकन में शामिल होना हो या फिर उनके पक्ष में जनसभा, कल्पना मुर्मू सोरेन साये की तरह साथ रहीं। कल्पना, कोडरमा लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। उनके पक्ष में जनसभा करते हुए वोट की अपील की। कल्पना, अपने सहयोगियों के लिए भी लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। लगातार यात्राएं कर रही हैं। इस बीच गांडेय में भी जनता के बीच जा रही हैं। ग्रामीण इलाकों में नुक्कड़ सभाएं करती हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन के लिए यह सब मुश्किल होगा, लेकिन सियासत में विरासत की बड़ी जिम्मेदारी कहां रूकने देती है।

गांडेय में नुक्कड़ सभाएं कर रही हैं कल्पना मुर्मू सोरेन

कल्पना का अपने सहयोगियों के लिए चुनाव प्रचार करना चर्चा का विषय इसलिए भी है, क्योंकि वह खुद गांडेय में चुनाव लड़ रही हैं। पिछले तकरीबन एक साल से जिस बात की सबसे ज्यादा चर्चा थी, गांडेय उपचुनाव उसी का उपसंहार है। कल्पना को हेमंत सोरेन का सर्वश्रेष्ठ विकल्प बताया गया। उन्हें आगे करने की वजह से हेमंत सोरेन को परिवार के भीतर और पार्टी में भी विरोध का सामना करना पड़ा। परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन ने तो पार्टी छोड़ दी। वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम भी राजमहल में बगावत कर चुके हैं। दबी आवाज में नाराजगी के कुछ और स्वर उठे होंगे। गांडेय, झारखंड मुक्ति मोर्चा की परंपरागत सीट रही है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	38.4 °C	21.5 °C
सूर्यास्त (आज)	:	18.17 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.13 बजे

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 05 मई, 2024
www.azadsipahi.in

महत्वपूर्ण खबरें

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इइपीएल क्लासरूम ने दी बधाई

रांची (आजाद सिपाही)। बोर्ड परीक्षा में कंप्यूटर विज्ञान में 95 अंक हासिल करने पर, सलोनी कुमारी और साक्षी कुमारी को इइपीएल क्लासरूम की ओर से बधाई दी गयी। बादल सर, रंजन सर, सुमित सर और अभिषेक सर की ओर से इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी गयीं। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह छात्राओं की मेहनत और उत्साह का यह शानदार परिणाम है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थी इतने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर रहे हैं।

शारदा ग्लोबल स्कूल में श्रमिक दिवस आयोजित

रांची (आजाद सिपाही)। शारदा ग्लोबल स्कूल में शनिवार को श्रमिक दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्कूल के कर्मचारियों को काइर्स एवं मिठाई वितरण कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ रंजना स्वरुप और प्राचार्या जसमीत कौर ने मजदूर दिवस के महत्व को छात्रों को विस्तार से समझाया। प्राचार्या ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की विषिष्टता और क्षेत्र अलग है। उनका संगठित रूप ही पूर्णता को आकार देता है। अतः इनको सम्मान देना सभी का कर्तव्य है।

आरटीसी बीएड महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान

रांची (आजाद सिपाही)। आरटीसी बीएड महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान की शुरुआत कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर रुद्र नारायण महतो के द्वारा किया गया। इसमें एनएसएस द्वारा गोद लिया हुआ गांव खिजूर टोला में नुक्कड़ नाटक के द्वारा सभी ग्रामीणों को मत देने के अधिकार से अवगत कराया गया। इसमें कॉलेज के प्रभारी प्राचार्या डॉक्टर रिचा पद्मा व एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉक्टर निक्कू कुमारी तथा कॉलेज के सभी व्याख्याता गण डॉक्टर पूनम मेहता, डॉक्टर ममता कुमारी, डॉ प्रिया पांडेय, अंकिता दुलारी गुड़िया, रश्मि संध्या भेंगरा, सुबोध कुमार, विनोद और भारती कुमारी उपस्थित थे।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लांच किया एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में नजर आने वाली गतिशील वृद्धि का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक न्यू फंड ऑफर एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड की घोषणा की है। इस फंड का उद्देश्य निफ्टी बैंक टीआरआइ को ट्रैक करना है, जिससे निवेशकों को अग्रणी भारतीय बैंकों की विकास यात्रा में सीधे भाग लेने के लिए एक मैकेनिज्म प्रदान किया जा सके। एक्सिस के एमडी और सीइओ बी. गोपकुमार ने कहा, हमारे देश की आर्थिक प्रगति के पीछे अनेक कारण हैं और अगर प्रभावी ढंग से प्रगति की इस रफ्तार को समझा जाये, तो हमारी विकास कहानी में देश को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। एक मजबूत नियामक ढांचे और डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाने से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए अच्छी स्थिति में है जो निवेशकों को इस विकास अवसर का लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

धर्मेंद्र तिवारी ने दाखिल किया नामांकन

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह रांची लोकसभा प्रत्याशी श्री धर्मेंद्र तिवारी ने आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान विशेष रूप से जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय सहित सैकड़ों भारतीय जनतंत्र मोर्चा के कार्यकर्ता, स्थानीय बुद्धिजीवी नागरिकगण, रांची के विभिन्न धार्मिक संगठनों के वरीय पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

शारदा ग्लोबल स्कूल के बच्चों ने गौरवान्वित किया

रांची (आजाद सिपाही)। आइएलसीसी रांची द्वारा आयोजित एक्सटेंपोर स्पर्धा में शारदा ग्लोबल स्कूल की 9वीं कक्षा की छात्रा कावेरी मिश्रा और 10वीं कक्षा की छात्रा ईशान्वी माथुर ने द्वितीय स्थान पाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ रंजना स्वरूप एवं प्राचार्या जसमीत कौर ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ये आज के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि छात्र सतत पुस्तकों का अध्ययन करें, जिनसे उनके अंदर नये विषयों को समझने, नये-नये शब्दों से परिचित होने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि ये इन छात्राओं के लगातार और अनवरत परिश्रम का ही परिणाम है कि उन्होंने तात्कालिक विषय पर अपनी विशिष्टता प्रदर्शित की एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय की गरिमा और अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है।

स्मार्ट वैल्यू ने कपड़े का बैग प्रयोग करने का संदेश दिया

रांची (आजाद सिपाही)। स्मार्ट वैल्यू लिमिटेड के द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने नारे लगाकर समाज को यह संदेश दिया कि हम प्लास्टिक बैग के जगह कपड़े का बैग प्रयोग करें और एक हजार कपड़ों का बैग लोगों में वितरण किया गया। इस रैली के अतिथि के तौर पर स्मार्ट वैल्यू के लीडर श्रीमान शिव आनंद, निर्मल कुमार, राम कुमार मेहता, नवनीत राज, शक्ति कुमार, प्रभा टोप्पो, संगीता टोप्पो, उषा कुमारी, रंजीत कुमार और स्मार्ट वैल्यू के रांची ब्रांच इंचार्ज गोलक चंद्रा महतो आदि सैकड़ो की संख्या में छात्रों उपस्थित रहे।

आरएस फाउंडेशन ने मजदूर दिवस मनाया

रांची (आजाद सिपाही)। आरएस फाउंडेशन ने बुकरू में मजदूरों के साथ मजदूर दिवस मनाया और मजदूरों का सम्मान किया। इस मौके पर फाउंडेशन के सदस्यों ने उन्हें नास्ते का पैकेट भेंट स्वरूप दिया। मौके पर संस्था के सदस्य पंकज बंका, बजरंग गुप्ता, शाहदेव मुंडा, संतोष कुमार आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी शहजादे नहीं शहीदजादे हैं : अहमद मीर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पूरे देश की 140 करोड़ जनता जानती है कि राहुल गांधी शहजादे नहीं शहीदजादे हैं। उन्होंने कहा कि शहजादे प्रधानमंत्री का प्रिय शब्द है, जो वह चुनाव के दौरान प्रयोग करते हैं, लेकिन राहुल गांधी उस परिवार से आते हैं, जिस परिवार का आजादी हासिल करने के पहले से लेकर आजादी के बाद तक कुर्बानी का इतिहास रहा है। मीर शनिवार को कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। मीर ने कहा कि मोदी जिस जमात से आते हैं, उनका देश के लिए क्या योगदान रहा है यह पूरा देश जानता है। दो दिन से मोदी झारखंड में हैं। जनता का रिस्पांस उन्हें नहीं मिला। प्रधानमंत्री जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसे पूरी जनता सुनती है और अच्छी तरह समझती है। उन्होंने कहा कि दस साल में उन्होंने क्या किया इसकी उन्होंने चर्चा नहीं की। इसी कारण अपने दस साल के काम पर प्रधानमंत्री ने वोट नहीं मांगा। मीर ने कहा कि भ्रष्टाचार की बात करें तो जिस नेता पर प्रधानमंत्री शाम में 70,000 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाते हैं, 24 घंटे के अंदर उसके साथ सरकार बना कर उसे उप मुख्यमंत्री बना देते हैं। असम और बंगाल भी इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से भाजपा ने हजारों करोड़ रुपये कंपनियों से चंदा लिया और इसके बदले उन्हें लाभ पहुंचाया। वोट हासिल करने के लिए मोदी कुछ भी कर सकते हैं। मीर ने कहा कि दस वर्षों में मोदी ने झारखंड को क्या दिया। झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। जब उन्होंने प्रधानमंत्री आवास नहीं दिया तो हमारी सरकार ने अबुआ आवास योजना शुरू की। पलामू के मंडल डैम का शिलान्यास पांच वर्ष पूर्व मोदी के जरिये किया गया था, लेकिन उसमें कोई कार्य नहीं हुआ। सरना धर्म कोड पर चुप्पी साधे रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा मोदी पर और कांग्रेस मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। मोदी हिंदू, मुसलमान और पाकिस्तान पर चुनाव लड़ रहे हैं और मूल मुद्दों को डायवर्ट कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी 7 मई को चाइबासा और बसिया में जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता के बीच मोदी फ्लॉप शो साबित हुए। जनता उन्हें कितनी गंभीरता से ले रही है, यह रैली में जनता की कम उपस्थिति ने दर्शा दिया है। इस दौरान भारतीय कांग्रेस की मीडिया कोऑर्डिनेटर ज्योति सिंह, राकेश सिन्हा सुमेर चारण, वैभव शुक्ला सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति कमल ठाकुर, रियाज अंसारी, ऋषिकेश सिंह भी उपस्थित थे।

झामुमो ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से शिकायत की

झामुमो का आरोप नरेंद्र मोदी धर्म संप्रदाय विशेष (मुसलमान / इस्लाम) के विरुद्ध सांप्रदायिक और भेदभाव पूर्ण भाषा का कर रहे प्रयोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के स्टार प्रचारक सह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार और शनिवार को झारखंड के विभिन्न स्थानों पर जनसभाएं की। झामुमो का आरोप है कि वे चुनावी सभाओं में अपने भाषण के दौरान धर्म संप्रदाय विशेष (मुसलमान / इस्लाम) के विरुद्ध सांप्रदायिक और भेद-भाव पूर्ण भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इसे लेकर शनिवार को झामुमो ने भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से शिकायत की है। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के हस्ताक्षर किये गये शिकायत पत्र में कहा गया है कि 03 मई को सिंहभूम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाइबासा में और 04 मई को पलामू जिले के मेदनीनगर (डाल्टेनगंज) तथा गुमला जिला के सिसई प्रखंड मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत लोकसभा उम्मीदवारों के पक्ष चुनावी सभाएं की। जिसमें उन्होंने आधारहीन एवं तथ्यों से परे भाषण के रूप में गैर संसदीय भाषा का प्रयोग किया। मुस्लिम समुदाय के विषय में नफरती शब्दों का प्रयोग किया गया। जो न केवल सांप्रदायिक सौहार्द्र को विचलित करने वाला है और झारखंड जैसे शांति पूर्वक राज्य जिसमें आदिवासी, मूलवासियों का एक साझा विरासत है, को खंडित करने का कुत्सित प्रयास के रूप में भी देखा जा सकता है।

झामुमो ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक नरेंद्र मोदी के लगातार दिये जा रहे भाषणों में धर्म का इस्तेमाल करना अनुचित है। साथ ही अपने शपथ पत्र में उल्लेखित प्रावधानों के विरुद्ध भी है।

स्पष्टीकरण भी भाजपा से मांगा जाये

झामुमो ने चुनाव आयोग से यह भी आग्रह किया कि भाजपा के स्टार प्रचारकों के द्वारा जिस प्रकार के वक्तव्य दिये जा रहे हैं, उससे यह सहज जिज्ञासा होती है कि क्यों नहीं भारतीय जनता पार्टी के एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल के मान्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनसे स्पष्टीकरण (24) घंटे के अंदर) प्राप्त कर सार्वजनिक किया जाये।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष सुख-सुविधा के साधन बनेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। विपरीत स्थितियों में सुधार होगा।

वृष सोचा हुआ काम पूरा होगा, मान-यश-प्रतिष्ठा-उपहार-पुरस्कार की प्राप्ति।

मिथुन प्रभावशाली व्यक्तियों से वांछित सहयोग मिलेगा, उद्योग-व्यापार में सफलता।

कर्क विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग,वांछित उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

सिंह कठिन परिश्रम-प्रयत्न से आजीविका के क्षेत्र में सफलता, विपरीत परिस्थितियों में सुधार।

कन्या नौकरी-व्यापार की स्थिति में सुधार, नयी आशाओं का उदय होगा, धैर्य व साहस से सभी कार्य पूरे होंगे।

तुला परिस्थितियों में सुधार,नौकरी में बदलाव होने की संभावना,विविध समस्याओं का समाधान।

वृश्चिक स्वास्थ्य में सतर्कता आवश्यक है, राजनीतिक संपर्क प्रभाव बढ़ेगा, चिंतित मनोरथ की सिद्धि होगी।

धनु सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कुछ कर दिखाने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

मकर आजीविका संबंधी चिंता दूर होगी, साहसिक कार्य में सफलता, संतान पक्ष से शुभ समाचार की प्राप्ति।

कुंभ लाभकारी प्रयास सफल होगा, स्वाभिमान और स्वावलम्बन बढ़ेगा,आमदनी में वृद्धि होगी।

मीन चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी, परिश्रम का फल मिलेगा।

महिला उत्थान, एचइसी और राजधानी का विकास सबसे बड़ा मुद्दा: यशस्विनी सहाय

आजाद सिपाही संवाददाता

धुर्वा-जगन्नाथपुर क्षेत्र के मतदाताओं से मांगा समर्थन

रांची। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय शनिवार को रांची नगर निगम वार्ड संख्या 39 व अन्य क्षेत्रों में इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित जनसंपर्क अभियान में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने जगन्नाथपुर, धुर्वा स्थित एचइसी कर्मचारी यूनियन के कार्यालय में आयोजित बैठक में शामिल हुईं। मौके पर उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं से समर्थन देने की अपील की। स्थानीय नागरिकों ने कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री सहाय का अभिनंदन किया। इस अवसर पर निशा भगत, आरुषि वंदना, नीतू देवी, रेखा सांगा, रीता देवी, सुंदरी तिर्की, शिवंती देवी, हीरामणि सांगा, बसंती देवी, किरण देवी, शांति तिर्की, प्रणव राज, पवन सिंह, मंजू देवी, संगीता सिंह, सुनीता देवी, कोमल देवी, रानी देवी, प्रकाश कुमार सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

रांची। रांची लोकसभा से इंडी गठबंधन की तरफ से कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय ने रांची के विकास और महिला सुरक्षा की बात कही। साथ ही कहा कि मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल को मैंने देखा है, महिलाएं बिल्कुल सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगी। रांची के विकास पर बात की जायेगी। रिंची को राजधानी बने 24 साल होने जा रहे हैं, लेकिन राजधानी का उतना विकास नहीं हुआ।

यूसीसी मौलिक अधिकार नहीं, इसमें और संशोधन की जरूरत: यशस्विनी : यूनिफार्म सिविल कोड अभी तक देश में मौलिक अधिकार नहीं बना है। देश में अलग-अलग तरह के लोग रहते हैं। उसे देख कर हमें आगे का निर्णय लेना चाहिए। यशस्विनी सहाय ने कहा कि एचइसी को बेचने की तैयारी चल रही है। एचइसी को हमें बचाने की जरूरत है। कई साल से कर्मचारियों को सैलरी तक नहीं मिली है। इसके लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

श्री श्याम मंदिर में 110वां श्री श्याम भंडारा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 110 वां श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में संपन्न हुआ। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी एवं उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में और संतोष देवी फोगला कमल ईशा फोगला विमल खुशबू फोगला और परिवार ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली लड्डू गोपाल शालिग्रामजी गरुडजी और गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। भोग लगे प्रसाद को फोगला परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमान परिवार के संतोष देवी फोगला कमल ईशा विमल खुशबू हर्षित तृषा आरोही जीविशा फोगला रैना वेदिका बजाज ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया। लगभग 2500 से ज्यादा भक्त जनों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, श्रवण ढानढनिया, प्रदीप राजगढ़िया, पूर्व सांसद अजय मारू, अनिल नारनोली, वेद भूषण जैन, पप्पू रंजना जैन, अभिषेक सरावगी, कौशल चौधरी, रतन शर्मा, अनुज मोदी, अमित सरावगी, कमलेश सावा, अंकित सिंह, मनोज खेतावत, उपेंद्र पांडे, मनीष वर्मा सहित 50 से ज्यादा स्वयं सेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया। खाटू नरेश का अमावस्या महास्नान उत्सव बुधवार 8 मई को विधि पूर्वक करवाया जायेगा। मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने सभी भक्तों को आमंत्रित किया है।

नामांकन करने पहुंचे देवेंद्रनाथ महतो गिरफ्तार

रांची (आजाद सिपाही)। नामांकन दाखिल करने पहुंचे जेबीकेएसएस के रांची लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्रनाथ महतो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। देवेंद्रनाथ महतो को रांची पुलिस ने शनिवार को रांची समाहरणालय से गिरफ्तार किया है। रांची में विधानसभा घेराव मामले में पुलिस ने देवेंद्रनाथ को गिरफ्तार किया है। विधानसभा घेराव मामले में नगड़ी थाना केस संख्या 48/22 में दर्ज हुआ था। इस मामले में देवेंद्रनाथ महतो समेत कई अन्य के खिलाफ वारंट जारी हुआ था।

आदिवासियों की सुध लें पीएम : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि कांग्रेस के पाप-पुण्य का हिसाब-किताब करने की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आदिवासियों और गरीबों की सुध लेनी चाहिए। श्री तिर्की ने कहा कि पिछले 10 साल में आदिवासियों के साथ ही मूलवासियों, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) आदि की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गयी है और अब उनके उन्हें भविष्य के ऊपर खतरा मंडराता हुआ साफ-साफ नजर आ रहा है। पलामू एवं सिसई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा में दिये गये वक्तव्य और कांग्रेस के ऊपर लगाये गये आरोपों की तीखी आलोचना करते हुए श्री तिर्की ने कहा कि शाब्दिक जाल बुनकर प्रधानमंत्री भले ही लोगों को भ्रमित कर लें, लेकिन सच यह है कि प्रधानमंत्री के द्वारा जिस प्रकार की बातें कही जा रही हैं वह पूरी तरीके से तथ्यों से परे हैं।

भारत क्रांति पार्टी के प्रवीण कच्छप ने नामांकन पर्चा दाखिल किया

रांची (आजाद सिपाही)। रांची संसदीय क्षेत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के छठे दिन शनिवार को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की ओर से प्रवीण कच्छप ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। पर्चा दाखिल करने के बाद प्रवीण कच्छप ने कहा कि पार्टी ने स्थानीय नीति और सरना धर्म कोड प्रमुख मुद्दा बनाया है। 37 प्रतिशत आदिवासी मूलवासी का साथ मिलेगा तो रांची की तस्वीर बदल सकते हैं।

जेपीएससी मामले में सीबीआइ ने दायर किया आरोप पत्र, 37 लोगों को बनाया आरोपी

रांची (आजाद सिपाही)। 13 साल पुराने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय परीक्षा गड़बड़ी मामले में सीबीआइ ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। सीबीआइ ने केस नंबर आरसी 5/2012 एएचडीआर में सीबीआईकी विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। इसमें सीबीआइ ने 37 लोगों को आरोपी बनाया है। दरअसल, झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश झारखंड हाइकोर्ट ने साल 2012 में सीबीआइ को दिया था। 13 साल से अधिक समय तक सीबीआइ ने मामले का अनुसंधान पूरी कर आरोप पत्र दाखिल किया है। हाइकोर्ट में भी चल रही है सुनवाई : बता दें कि पिछले दिनों प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआइ जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई थी। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति आर मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले को दूसरे सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया था। मामले में सीबीआइ की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। सीबीआइ ने कोर्ट को बताया था की प्रथम और द्वितीय जीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा गड़बड़ी मामले में अनुसंधान अभी जारी है।

इक्फाई विवि में कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 'सद्भाव के माध्यम से उत्कृष्टता को सशक्त बनाना : कार्य में प्रेम और स्वतंत्रता' पर कार्यशाला का उद्घाटन इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में किया गया। इसमें प्रतिभागियों को मानव के रूप में सद्भाव बनाने और बनाये रखने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि से परिपूर्ण किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ) रमन कुमार झा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों को सकारात्मक और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना है। डीन (छात्र कल्याण) डॉ एस चौधरी ने बताया कि यह कार्यशाला एनईपी 2020 के पांच मार्गदर्शक स्तंभों- पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। अतिथि वक्ता श्री संजय कुमार सिंह, लीड कंसल्टेंट और डायमेंशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के संस्थापक निदेशक ने कहा कि गहन बातचीत में शामिल होकर - ऐसी बातचीत जो सीमाओं को आगे बढ़ाती है, जिज्ञासा जगाती है और समझ को बढ़ावा देती है - हम अधिक प्रभावशीलता के लिए अपनी जन्मजात क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। प्रतिभागियों में देश भर के शिक्षाविद् शामिल थे। रजिस्ट्रार प्रो (डॉ) जेबी पटनायक और डीन (अकादमिक) प्रो अरविंद कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय की मांग हैं और उन्होंने कार्यशाला के अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

मेडिका हॉस्पिटल और डीएवी नंदराज स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व हैंड हाइजिन दिवस के अवसर पर भगवान महावीर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, रांची ने डीएवी नंदराज स्कूल में स्वच्छ हाथों के महत्व को प्रमोट करने के लिए संयुक्त जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मेडिका हॉस्पिटल के इमरजेंसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित सेंगर और इंफेक्शन कंट्रोल हेड डॉ. शीतल बंकर ने विशेष रूप से हैंड हाइजीन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, मेडिका हॉस्पिटल में एक फ्लैश मॉब आयोजित किया गया, जिसमें एनएस सिस्टर तंजीत कौर इंफेक्शन कंट्रोल टीम की सिस्टर हीना निर्देशित स्किट के माध्यम से हैंड हाइजीन का संदेश दिखाया गया। मेडिका हॉस्पिटल के एवीपी अनिल कुमार ने स्वच्छता संदेश दिया। क्रिटिकल केयर विभाग के निदेशक डॉ विजय मिश्र ने भी पेशेंट के परिजनों को संबोधित किया। डीएवी नंदराज के प्राचार्य आरपी तिवारी ने मेडिका की टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से होना चाहिए। इस अभियान के संयोजन और संचालन की जिम्मेदारी मेडिका हॉस्पिटल की ब्रांड, इवेंट्स और मीडिया हेड भारती ओझा ने संभाली। वहीं जीएम मनीष गुरुदत्त, एमएस डॉ. दीपक मल्लिक, डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. पंकज मिश्र, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. ऋचा सिंह, एचआर हेड पियुली बनर्जी, मार्केटिंग से पायल पांडेय, विकास मिश्र और हर्ष आदित्य ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिका हॉस्पिटल का यह अभियान जन-स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

परंपरा का प्रश्न

लंबी कशमकश के बाद आखिरकार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। पिछले कुछ दिनों से इन सीटों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर जैसी गहन चर्चा चल रही थी, उससे साफ है कि यह सिर्फ दो सीटों का मामला नहीं रह गया था। ये दोनों सीटें न सिर्फ लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ रही हैं, बल्कि गांधी परिवार का पसंदीदा अखाड़ा मानी जाती रही हैं। हालांकि, अतीत में एकाधिक मौकों पर इन सीटों की नुमाइंदगी गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति के हाथों में भी गयी है, लेकिन इन सीटों को गांधी परिवार के चुनाव क्षेत्र के ही रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में 2019 लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी की हार और इस बार सोनिया गांधी के लोकसभा चुनाव से बाहर रहने की वजह से कांग्रेस में इन दोनों सीटों पर शून्य बन गया था, जिसे भरे जाने की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही थी। इसमें दो राय नहीं कि रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को प्रत्याशी बनाने का फैसला करने में कांग्रेस ने काफी देर लगायी। इस देरी को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी होती रही। लेकिन राजनीति में विलंब का भी अपना शास्त्र होता है। यह दावे से नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस नेतृत्व या गांधी परिवार के फैसले में हुई देर के पीछे अनिश्चय या असमंजस की ही भूमिका थी। इसकी कई और व्याख्याएं की जा सकती हैं। सोनिया गांधी के राज्यसभा का रुख करने के बाद राहुल गांधी के रायबरेली सीट को चुनने और प्रियंका के चुनाव में खड़ा न होने के फैसले पर भी कई तरह से टीका-टिप्पणी की जा सकती है। बीजेपी के कुछ नेता इसे राहुल का अमेठी से भागना बताने भी लगे हैं। हालांकि प्रत्याशी कोई भी हो, ये दोनों सीटें गांधी परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं। इन सीटों पर जीत-हार को गांधी परिवार की जीत-हार के ही रूप में देखा जायेगा। बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बना कर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खास कर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है। भले राज्य में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार हाल के वर्षों में काफी कमजोर हो गया हो, यह राजनीतिक संदेश काफी मायने रखता है। अभी जब पांच चरणों की वोटिंग बाकी है, तो कांग्रेस नेतृत्व और गांधी परिवार का यह कथित आक्रामक रुख उत्तर भारत में मतदाताओं के मन को प्रभावित कर पाता है या नहीं और करता है तो किस सीमा तक, यह देखना अब दिलचस्प होगा।

बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बना कर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खास कर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

50 साल के व्यक्ति को समय के हिसाब से 5, संभवतः 6 और आम चुनाव देखने को मिल सकते हैं। हमारे सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत योग्य युवाओं ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। अपने देश के संचालन में अपनी भागीदारी निभाने की इच्छा की कमी के क्या कारण हो सकते हैं? क्या अधिकांश युवा उम्मीद करते हैं कि सरकारी प्रतिनिधि उनसे पुराने माई-बाप के अंदाज में संपर्क करेंगे? या फिर उन्हें लगता है कि उनके वोटों के लिए राजनीतिक दलों के बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने की संभावना नहीं है?

युवा अधिक संख्या में चुनावों में भाग क्यों नहीं लेते?

प्रफुल्ल गोराड़िया

मतदाताओं में बड़ी संख्या युवा पीढ़ी की है। मगर चुनावी प्रक्रिया के प्रति उनकी उदासीनता का कारण क्या है। देश अधिकाधिक अपने युवा नागरिकों का है। इसलिए यह और भी अधिक परेशान करने वाली बात है कि जिन युवाओं ने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पार कर ली है और उन्होंने खुद को कम संख्या में मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है।

50 साल के व्यक्ति को समय के हिसाब से 5, संभवतः 6 और आम चुनाव देखने को मिल सकते हैं। हमारे सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत योग्य युवाओं ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। अपने देश के संचालन में अपनी भागीदारी निभाने की इच्छा की कमी के क्या कारण हो सकते हैं? क्या अधिकांश युवा उम्मीद करते हैं कि सरकारी प्रतिनिधि उनसे पुराने माई-बाप के अंदाज में संपर्क करेंगे? या फिर उन्हें लगता है कि उनके वोटों के लिए राजनीतिक दलों के बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने की संभावना नहीं है? क्या ऐसा भी हो सकता है कि युवा पीढ़ी में पूरी राजनीतिक प्रक्रिया और लोकतंत्र की संस्था के प्रति उदासीनता आ गयी हो?

पिछले कुछ वर्षों में, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि जो भी सत्ता में आयेगा उससे उनके जीवन में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि देश के राजनेताओं को एक ऐसा वर्ग माना जाता है जो केवल अपने हित में कार्य करता है। हालांकि, इस संशय में, युवा यह भूल जाते हैं कि अपनी उदासीनता के कारण, वे अपने राष्ट्र को चलाने में अपनी भागीदारी का अधिकार त्याग देते हैं।

वास्तव में सभी पार्टियों में समाज के सबसे शिक्षित या जानकार वर्गों से आने वाले सदस्य नहीं होते हैं।

देश के जीवन में सार्थक भूमिका निभाने में आवश्यक रुचि उस सीमा तक नहीं रही : उम्र के दूसरे पड़ाव पर, राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने और देश के जीवन में सार्थक भूमिका निभाने में आवश्यक रुचि उस सीमा तक नहीं रही है, जितनी अपेक्षित है। राजनीतिक प्रकृति का सार्वजनिक जीवन स्वतंत्रता से पहले लगभग 50 वर्षों तक अस्तित्व में था। इसकी शुरुआत 1885 में एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश नौकरशाह, एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा कांग्रेस की स्थापना के साथ हुई। मुस्लिम लीग की स्थापना वर्ष 1906 में, हिंदू महासभा की 1916 में और कम्युनिस्ट पार्टी की 1925 में हुई। इसलिए, भारतीयों को राजनीतिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव करने का अवसर मिला। प्रेरणा शक्ति नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए आदर्शवाद से प्रेरित इच्छा थी। इसके तुरंत बाद, मोहभंग हो गया होगा। पहले का आदर्शवाद तेजी से घटने लगा। गिरावट के साथ देश में नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट देखी गयी।

मतदान का प्रतिशत बढ़ने से प्रतिबद्ध वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक लाख लोगों के मतदाता क्षेत्र में, किसी विशेष उम्मीदवार का प्रतिबद्ध वोट-बैंक एक लाख की आबादी में से 25 प्रतिशत, यानी 25,000 मतदाताओं का होता है। यदि उस सीट के लिए सामान्य मतदान 50 से 55 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है, तो इस कैप्टिव वोट बैंक से उस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो जाती है।

राजनेताओं से मोह भंग : क्या यह मोहभंग राजनेताओं की गुणवत्ता से निराशा के कारण हुआ होगा? वास्तव में सभी पार्टियों में समाज के सबसे शिक्षित या जानकार वर्गों से आने वाले सदस्य नहीं होते हैं। हालांकि वर्तमान केंद्र सरकार देश पर शासन करने वाली अब तक की राजनीतिक व्यवस्थाओं के बराबर नहीं है, फिर भी यह राजनेताओं और आम तौर पर राजनीति के बारे में संशय को दूर करने में सक्षम नहीं है, जो बड़े पैमाने पर लोगों के मन में हावी है। इसका मतलब यह नहीं है कि अच्छे लोगों को राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमने हाल के वर्षों में कई शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से योग्य लोगों को राजनीति में प्रवेश करते देखा है; उनमें से कुछ तो मंत्री भी बन गए हैं। लेकिन स्पष्ट रूप से, इस संबंध में अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। एक बड़ी निराशा एक निर्वाचन क्षेत्र में लोगों की संख्या के साथ-साथ चुनाव-प्रचार की उच्च लागत है। उम्मीद है कि चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से इस समस्या का कुछ समाधान सामने आएगा, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी तय है। कोई भी सामान्य उम्मीदवार प्रति सीट लगभग 2 मिलियन मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च नहीं कर सकता।

अमीर उम्मीदवारों का राजनीति के प्रति आकर्षण : केवल परिसीमन और बढ़ी हुई सीटों से चुनाव खर्च की समस्या का समाधान नहीं होगा। अमीर उम्मीदवारों के राजनीति की ओर आकर्षित होने का एक और कारण यह पारंपरिक मान्यता है कि एक बार निर्वाचित होने के बाद, उम्मीदवार चुनाव-प्रचार पर खर्च किया गया पैसा वापस पाने में सक्षम होगा और उसके बाद बहुत पैसा कमायेगा। एक बार जब भ्रष्टाचार के लिए दरवाजे बंद हो जायेंगे, तो अवसरवादियों के लिए उम्मीदवार बनने का आकर्षण बहुत कम हो जायेगा। यह बात पैसा कमाने के किसी भी नये रास्ते पर भी समान रूप से लागू होती है। अनिवार्य मतदान न केवल प्रणाली को उन्नत करने का बल्कि चुनाव प्रचार की लागत को कम करने का भी एक तरीका है। इससे वोट-बैंक की राजनीति का चलन भी खत्म हो जायेगा। उदाहरण के तौर पर एक समय था जब कुल मतदान 50 फीसदी या उससे भी कम होता था। इसलिए, यदि उम्मीदवार के पास सुरक्षित वोट बैंक हो, तो उसके लिए जीतना मुश्किल नहीं था।

वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव : मतदान का प्रतिशत बढ़ने से प्रतिबद्ध वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक लाख लोगों के मतदाता क्षेत्र में, किसी विशेष उम्मीदवार का प्रतिबद्ध वोट-बैंक एक लाख की आबादी में से 25 प्रतिशत, यानी 25,000 मतदाताओं का होता है। यदि उस सीट के लिए सामान्य मतदान 50 से 55 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है, तो इस कैप्टिव वोट बैंक से उस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो जाती है। हालांकि, यदि मतदान प्रतिशत 100 प्रतिशत है, तो ऐसे वोट-बैंक का कोई निर्णायक लाभ नहीं होगा।

मुफ्तखोरी की भूमिका पर लगायें अंकुश: राजनीतिक प्रक्रिया में किसी भी सार्थक भागीदारी के लिए मुफ्तखोरी की भूमिका पर अंकुश लगाना होगा। मुफ्तखोरी लोकतंत्र में चुनाव की प्रक्रिया को मतदाताओं को रिश्वत देने के अलावा और कुछ नहीं देती। फिर लोकतंत्र की बात करना व्यर्थ है। सवाल यह उठता है कि युवा अधिक संख्या में चुनावों में भाग क्यों नहीं लेते।

(लेखक सुप्रसिद्ध स्तंभकार, लेखक और राज्यसभा के पूर्व सदस्य हैं; ये उनके निजी विचार हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

भाजपा झूठ की राजनीति करती है प्रधानमंत्री धोखा देते हैं : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

चक्रधरपुर। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झूठ की राजनीति करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को धोखा देने का काम करते हैं। देश में महंगाई, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन प्रधानमंत्री इस बारे में बात नहीं करते हैं। भाजपा जुमलेबाजी वालों की सरकार है। उन्हें वोट मांगने का अधिकार नहीं है। वे 4 मई को चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में सिंहभूम सीट से लोकसभा प्रत्याशी जोबा माझी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

मानकी मुंडा व्यवस्था को खत्म करना चाहती है

सीएम ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने सर्वजन पेंशन योजना लागू कर झारखंड के सभी वृद्धों को पेंशन देने का काम किया। जब केंद्र सरकार ने आवास योजना का पैसा देना बंद कर दिया, तब राज्य की सरकार ने अबुआ आवास योजना का लाभ देकर तीन कमरों का पक्का मकान प्रदान किया। राज्य सरकार 125 यूनिट बिजली फ्री दे रही है। हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। केंद्र सरकार मानकी मुंडा व्यवस्था को खत्म कर देना चाहती है। हम मानकी मुंडा के बैठने के लिए भवन का निर्माण कराएंगे।

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना शुरू हो रही

केंद्र सरकार द्वारा वन अधिनियम को शिथिल किया जा रहा है। हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग दिल्ली तक हो रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही। सरना धर्मकोड को लागू नहीं किया जा रहा है। इस लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित कर सरकार बनाना है। उन्होंने सिंहभूम लोकसभा सीट से प्रत्याशी जोबा माझी को भारी मतों से जीत दिलाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने स्थानीय भाषा में भी संबोधित किया।

लोकसभा चुनाव अस्तित्व की लड़ाई है : जोबा माझी

प्रत्याशी जोबा माझी ने कहा कि? यह लोकसभा चुनाव हमारी अस्तित्व की लड़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाईबासा में चुनावी सभा को संबोधित किया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कोल्हान के लिए कौन से विकास कार्य किए गए। ईचा खरकई डैम के विस्थापितों के बारे में प्रधानमंत्री ने कुछ भी बात नहीं की। हमारे मुखिया हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने का काम किया गया। इस चुनाव में इंडी गठबंधन को जीत दिलाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जनता मजबूत करें।

धर्म के नाम पर लड़ना जानती है भाजपा : बन्ना गुप्ता

चुनावी सभा के दौरान मंत्री बना गुप्ता ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ना जानती है। युवाओं को झूठ सपने दिखाए जाते हैं। केंद्र की सरकार से हर कोई परेशान है, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भाजपा से झूठ बोलकर वोट लेना जानती है।

जनसभा के दौरान उमड़ी भीड़

चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में जनसभा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। चक्रधरपुर, बंदगांव प्रखंड के विभिन्न गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी थी।

मंच पर विधायक सहित ये थे मौजूद

मंच पर चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितिकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह लोकसभा चुनाव के विधानसभा प्रभारी सौरव अग्रवाल, मानकी मुंडा संघ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रेम मुंडरी, झामुमो के जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा,कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड, जिला के संगठन सचिव कालिया जामुदा, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण देव साह, झामुमो के प्रखंड सचिव तराकांत सिजुई, सोनुवा के प्रखंड अध्यक्ष सोहन माझी, सुभाष बनर्जी, जिला परिषद सदस्य मीना जोंको, जय जगन्नाथ प्रधान, प्रखंड प्रमुख ज्योति सिजुई के विभिन्न पंचायत के मुखिया, मानकी, मुंडा व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

प्रियंका गांधी बाघमारा में 13 को करेंगी चुनाव प्रचार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी 13 मई को झारखंड के धनबाद जिले के बाघमारा पहुंचेंगी। वह इंडी गठबंधन की उम्मीदवारों के पक्ष में माथाबांध में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। उनके साथ कांग्रेस, झामुमो, राजद और अन्य सहयोगी दलों के नेता मंच साझा करेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने दी।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने बताया कि धनबाद से कांग्रेस की अनुपमा सिंह और गिरिडीह से झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो मैदान में हैं। प्रियंका के चुनावी दौरे के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं।

जमशेदपुर लोस सीट के लिए नौ ने किया नामांकन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर नामांकन लगभग अंतिम चरण में है। वैसे जमशेदपुर लोकसभा चुनाव में महागठबंधन और भाजपा के बाद निर्दलीय प्रत्याशियों का नामांकन भी तेजी से बढ़ने लगी है। शनिवार को नौ लोगों ने अपना नामांकन दाखिल किया। जिसमे कांग्रेस छोड़कर निर्दलीय प्रत्याशी सह वरिष्ट कांग्रेसी नेता जीतेंद्र सिंह, भारत आदिवासी पार्टी से सुकुमार सोरेन, निर्दलीय प्रत्याशी साधुचरण पाल, पार्वती किस्कू, इंद्रदेव प्रसाद, ज्ञानसागर प्रसाद, जयराम दास व एसयूसीआइ कम्यूनिस्ट से सनका महतो, बहुजन महा पार्टी से शेख अखिरुद्दीन ने नामांकन दाखिल किया। मैदान में उतरने के बाद सभी अपने जीत के लिए दावा कर रहे हैं।

लोगों ने पेयजल की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, कहा, पानी नहीं तो वोट भी नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में लोकसभा चुनाव की तपिश के आगे 45 डिग्री का पारा भी कोई मायने नहीं रखता। एक तरफ सियासी दल राजनीतिक बिसात बिछाने में मशगूल हैं वहीं सरकारी मातहत चुनाव का प्रतिशत बढाने में व्यस्त हैं। जनता की समस्या से किसी को कोई सरोकार नहीं है। भीषण गर्मी के दौरान लगभग सभी वार्ड के जनता पानी की समस्या से जूझ रहे है। उधर नगर निगम टैंकर से जलापूर्ति करने का दावा कर रहे है। वैसे प्रचंड गर्मी की वजह से जलस्तर बहुत ही नीचे जा चुका है। सरकारी बोरिंग लगभग सूख चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकार के हर घर नल योजना कागजों के धूल फांक रही है। सरकार भी मुख्य दर्शक बनी हुई है। शनिवार को वार्ड संख्या 20 काली मंदिर बाजार की सैकड़ो जनता के सब्र का बांध अब टूटने लगी है। सभी पानी की मांग को लेकर हाथों में बैनर- तख्ती लिए नगर निगम कूच किया।मौके पर स्थानीय लोगो ने पानी नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया। वैसे जनप्रतिनिधि यहां किस मुंह से वोट मांगने आएंगे यह देखना दिलचस्प होगा।बताया जारहा है आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में जलापूर्ति के लिए तत्कालीन रघुवर दास की सरकार ने हरी झंडी दी थी। लेकिन रघुवर दास की सरकार गए 5 साल बीतने को हैं। नई सरकार से जिले वासियों को काफी उम्मीदें भी थी। लेकिन जनता आज भी पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। जलापूर्ति के लिए निर्धारित समय सीमा पार हो चुकी है, लेकिन एक भी वार्ड में पानी नहीं पहुंच सका। ऐसे में लोगों की नाराजगी जायज माना जा सकता है। सिंहभूम संसदीय क्षेत्र में आदित्यपुर नगर निगम आता है। लोकसभा चुनाव में गीता कोड़ा बीजेपी से और जोबा माझी इंडिया महागठबंधन की प्रत्याशी हैं। इससे पूर्व गीता कोड़ा कांग्रेस की सांसद थी। लेकिन अब वे बीजेपी के टिकट से चुनावी मैदान में हैं।

परशुराम जन्मोत्सव पर अवकाश घोषित हो: अप्पू तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। ब्राह्मण युवा शक्ति संघ के संस्थापक अप्पू तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर परशुराम जन्मोत्सव पर अवकाश घोषित करने की मांग की। उन्होंने बताया

देश में सभी जाति धर्म के लोग अपने त्योहार को धूम धाम से मनाते है। उसकी तैयारी भी कुछ समय पूर्व होने लगती है। सरकार वैसे सभी पर्व पर सरकारी अवकाश घोषित करे। उन्होंने कहा ब्राह्मण कुल श्रेष्ठ प्रभु परशुराम जी की जन्मोत्सव आती है तो सरकार खामोश हो जाती है।अप्पू तिवारी ने कहा ब्राह्मण अखंड विश्व का कल्याण करते है। उन्हें अपने कुल गुरु का पर्व त्यौहार मनाने की छुटी नहीं मिलती।

अबकी बार जनता भाजपा को करेगी तड़ीपार : मिथिलेश ठाकुर

हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर सकती है, परास्त नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रेस कांफ्रेंस करते मिथिलेश ठाकुर और महागठबंधन के नेता

गढ़वा। झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि भाजपा अबकी बार चार सौ पार नहीं करेगी। बल्कि अबकी बार जनता भाजपा को तड़िपार करेगी। आगामी चार जून प्रधानमंत्री मोदी जी की तानाशाही का अंतिम दिन साबित होगा। श्री ठाकुर ने शनिवार को शहर के चिनियां रोड स्थित होटल पद्मावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कही।

श्री ठाकुर ने कहा कि दो दिनों के झारखंड प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री जी ने झूठ बोलने का नया कीर्तिमान स्थापित कर लिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा लिंका बुक ऑफ रिकॉर्ड से आग्रह करता है कि वो झूठ बोलने का रिकॉर्ड प्रधानमंत्री मोदी के नाम दर्ज कर उसे प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि गौर करने वाली बात यह है कि पलामू की जनसभा में मोदी जी ने मंदिर, मस्जिद, हिंदू, मुस्लिम सबकी बातें की। लेकिन मंडल डैम की चर्चा तक नहीं की। इससे यह साबित होता है कि मोदी जी समाज को बांट कर सत्ता हथियाना चाहते हैं, विकास करके नहीं। उनका बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। जो दस वर्षों से राज कर रहा हो वो अपनी उपलब्धियां गिनाने की जगह लोगों को झूठ बांट रहे हैं। काठ की हांडी बार बार नही चढ़ती है। मोदी जी कहते है मैने देश में पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति बनाया, लेकिन वो ये नहीं कहते हैं कि उन्होने संसद के नये भवन के उद्घाटन और अयोध्या में निर्मित मंदिर में भगवान श्री राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति महोदया को नहीं बुलाया। राष्ट्रपति का जैसा अपमान प्रधानमंत्री ने किया है, शायद ऐसा अपमान देश के किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया होगा। श्री ठाकुर ने कहा कि मोदी जी ने पलामू में सबसे बड़ा झूठ ये कहा कि हमने पक्का घर दिया। जबकि हकीकत ये है कि उन्होंने झारखंड को पक्के मकान के लिए मिलने वाली राशि नहीं दी। तभी राज्य सरकार को अपने संसाधन से झारखंड के लोगों को अबूआ आवास देने की योजना शुरू करनी पड़ी। प्रधापनमंत्री ने कल चाईबासा में कहा कि हेमंत सोरेन ने जमीन लूटी। आदिवासियों का हक मारा और भ्रष्टाचार किया। मोदी जी और भाजपा से आग्रह है कि वो अपने पुराने बयान निकाल कर देख लें कि जिस गीता कोड़ा के लिए वो वोट मांग रहे हैं, उनके और उनके पति मधु कोड़ा को किसी समय कितना बड़ा भ्रष्टाचारी बताया करते थे। हेमंत जी पर पीछे से हमला कर आप घायल नहीं कर सकते मोदी जी। हेमंत सोरेन शेर है। जब सामने होगा तो किसी हिम्मत नहीं होगी उससे आंख मिलाने की। हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर सकती है, परास्त नहीं झारखंड में भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। मोदी जी को झारखंड के लोग इस बार हार का ऐसा उपहार देंगें कि उन्हें जिंदगी भर याद रहेगा। मौके पर राजद के प्रधान महासविव सह गोड्डा के पूर्व विधायक संजय यादव, सपा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश प्रसाद यादव आदि मौजूद थे।

गला कटकर हत्या करने के नौ अभियुक्तों को उम्र कैद की सजा

प्रत्येक पर 20000 का आर्थिक दंड भी लगाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। प्रधान जिला जज राजेश शरण सिंह की अदालत ने गोपाल प्रसाद चौरसिया की गला काटकर नृशंस हत्या करने वाले नौ अभियुक्तों को उम्र कैसे की सजा और प्रत्येक को 20000 रुपया आर्थिक दंड की सजा सुनायी है। अभियुक्तों में जिले के रामकंडा थाना अंतर्गत रामकंडा बजारी टोला निवासी चंद्रभूषण कुमार उर्फ टुनु, देवेंद्र प्रसाद ,महेंद्र प्रसाद, प्रदीप प्रसाद सतेंद्र प्रसाद, संदीप प्रसाद ,लाल दीप प्रसाद , ननहकु उर्फ बसंत प्रसाद और चंद्रशेखर कुमार के नाम शामिल हैं। सजा के बाद सभी अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है। घटना 24 दिसंबर 2019 की बताई गई है। मृतक गोपाल प्रसाद चौरसिया की पुत्री दीपा ने आरोप लगाया था कि 23 अक्टूबर 2019 को संध्या 5:15 बजे उसी गांव के उक्त लोगों ने सभी एकमत होकर लाठी गडासा, भाला से लैस उसके घर आये और सभी गुस्से में थे। सभी आभियुकत गोपाल प्रसाद चौरसिया को खोज रहे थे। घर का मुख्य दरवाजा बंद था तभी टांगी से दरवाजे पर प्रहार करते गाली गलौज करने लगे। चंद्रभूषण बोला तुम्हारे पिताजी कहां हैं। जब उसने नहीं बताया,तो देवेंद्र ने धमकी दिया कि इसका हाथ काट दो। घर पर उसके पिता के नहीं होने पर सभी अभियुक्त उसके पिता को खोजने लगे। बाद में गांव के संजय कुमार ने बताया कि चाचा गोपाल को टांगी से काटकर हत्या कर दिया गया है। हत्या का कारण ऑनर किलिंग बताया गया है। गवाहों ने साक्ष्य में बताया है कि अभियुक्त रामकंडा बाजार में झुंड बनाकर खड़े थे। जैसे ही गोपाल प्रसाद चौरसिया मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे सभी ने अचानक गड़ासा, भाला टांगी से आक्रमण किया और गला काटकर हत्या कर दिये। घटना का कारण था कि गोपाल प्रसाद का लड़का अनीश कुमार और अभियुक्त महेंद्र प्रसाद की लड़की के साथ प्रेम प्रसंग था और दोनों घर से भाग कर शादी कर लिए थे। इसी विवाद को लेकर अभियुक्तों ने घटना को अंजाम दिया है। अदालत में नौ गवाहों, साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, इनक्वेस्ट रिपोर्ट, स्वीकारोक्ति बयान सहित अन्य दस्तावेज के आधार पर अभियुक्तों को भादवि कि धारा 302 / 149 के तहत दोषी पाते हुए सभी को उम्र कैद की सजा सुनायी है। और प्रत्येक को 20000 रुपया आर्थिक दंड भी लगाया है।

मझिआंव कार्यपालक पदाधिकारी कर रहे पद का दुरुपयोग : संजय

विधायक प्रतिनिधि ने नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा जिला महामंत्री सह विधायक प्रतिनिधि संजय प्रसाद कमलापुरी ने प्रखंड कार्यालय विधायक कक्ष में प्रेस वार्ता किया। जिसमें कमलापुरी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सैलेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है। इनके कार्यकाल में जो भी कार्य किया जा रहा है, यदि जांच हो तो दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। वहीं कमलापुरी ने कहा, मझिआंव नगर पंचायतवासी के टैक्स का पैसा कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार के द्वारा लोहरदगा के अपनी निजी रिश्तेदार को लाभ पहुंचाने की मनसा से पुराना गाड़ी मंगाकर 20000 रुपये प्रति महीना पर रखा गया है। जो पद का सरासर दुरुपयोग हैं। और ठेकेदार से 22% रिश्वत लेकर फाइल को आगे बढ़ाया जाता है। जो पैसा नही देता हैं, उसका फाइल लटका दिया जाता हैं। वहीं विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यों के खिलाफ जांच करने को लेकर गढ़वा से रांची मंत्रालय तक आवेदन दूंगा। यदि जांच के उपरांत कार्रवाई नहीं की गयी, तो उग्र आंदोलन करने को बाध्य हों जाऊंगा।

9वीं के छात्र से विद्यालय में खिड़की पेंट करवाने का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सोहगाड़ा ग्राम में बच्चों को शिक्षा देने के बजाय, उनसे विद्यालय के खिड़की पेंट करवाने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोहगाड़ा के प्रधानाध्यापक के द्वारा 9वीं कक्षा के छात्र सहेंद्र कुमार राजवंशी से विद्यालय की खिड़की पेंट करवाया जा रहा था। इसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सुजीत कुमार ने कहा कि विद्यालय के बच्चे से प्रधानाध्यापक के द्वारा खिड़की पेंट करवाया जा रहा था जो सरासर गलत है। इसको लेकर मैं शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारी को भी जानकारी दे दिया हूं। जबकि सरकार के द्वारा विद्यालय रखरखाव के लिए प्रति वर्ष हजारों रुपये दिया जाता है, लेकिन बच्चों से ही विद्यालय में रंग पेंट करवाना निंदनीय है। अब इधर लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि इस भीषण गर्मी में बच्चों को शिक्षा के लिए विद्यालय बुलाया जा रहा है लेकिन विद्यालय के शिक्षकों ने मनमानी करते हुए बच्चों से ही रंग पेंट करवा रहे है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसा मामला है तो बीईओ से जांच करवाने के पश्चात कार्रवाई किया जायेगा।

बाइक सवार ने मंदिर में मारी टक्कर, घायल

बरडीहा (आजाद सिपाही)। बरडीहा थाना क्षेत्र के बरडीहा कांडी मुख्य सड़क पथ पर सलगा गांव के मंदिर में मोटरसाइकिल सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बुरी तरह घायल हो गया। टक्कर के बाद स्थानीय ग्रामीणों की काफी व्यक्ति का पहचान और देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। वह स्थानीय ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। समाचार लिखे जान तक व्यक्ति का पहचान नहीं हो पाया था।

सिंदुरिया निवासी डॉ. सुरेश चंद्रा का निधन

फाइल फाटो: डॉ. सुरेश चंद्रा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। सिंदुरिया निवासी सह वयोवृद्ध चिकित्सक डॉ. सुरेश चंद्रा का निधन शुक्रवार की रात ईलाज के दौरान वाराणसी के एक निजी अस्पताल में हो गयी। वें पिछले कई माह से बिमार चल रहे थे। उनकी निधन की खबर मिलते ही भवनाथपुर में शोक की लहर दौड़ गयी। स्व. सुरेश चंद्रा की शव शनिवार को सिंदुरिया स्थित उनके आवास पर पहुंचते ही क्षेत्र के कई सामाजिक व राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए संवेदना प्रकट किया। उनका अंतिम दाह संस्कार दुलहर नदी स्थित श्मशान घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र अविनाश कुमार शर्मा ने दी। शोक व्यक्त करने वालों में आजसू के जयराम पासवान, मुखिया नंदलाल पाठक, पूर्व मुखिया राजेश गुप्ता, पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, संतोष चंद्रवंशी, उपेंद्र चंद्रवंशी, अशोक पाठक, विजय जायसवाल, प्रदीप गुप्ता, माणिक सिंह, कपिलदेव सिंह, अलोक गुप्ता सहित अन्य लोगो का नाम शामिल है।

बाइक दुर्घटना में दो युवक हुए घायल

मेराल (आजाद सिपाही)। मेराल रारो मुख्य पथ पर शनिवार को बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों का प्राथमिक उपचार मेराल सीएचसी में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार डंडई में पुल निर्माण के लिए बने डायवर्सन के पास बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर लोहे के बैरीकेटिंग में टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों द्वारा घायल युवक रारो गांव निवासी रंजीत कुमार गुप्ता 18 वर्ष पिता नंदू साव तथा अंकुश कुमार पासवान को मेराल अस्पताल में भेजा गया। चिकित्सक के अनुसार दोनों युवक खतरे से बाहर हैं दोनों का पैर टूट गया है, जिनका प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

बाकी नदी पुल से नीचे ट्रैक्टर पलटा

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। विशुनपुरा अमहर गांव के बाकी नदी पुल से नीचे एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर 20 फिट खायी में गिर गयी। पुल से नीचे ट्रैक्टर गिर जाने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। ट्रैक्टर दुर्घटना में ड्राइवर बाल बाल बच गया। जनाकारी के अनुसार एक लाल रंग का महेंद्रा ट्रैक्टर अमहर गांव से मिट्टी लोड कर आवास में देने जा रहा था। इसी दौरान अमहर बाकी नदी पुल के पास अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नदी में गिर गयी। जिसके बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी के बाद मौके पर विशुनपुरा पुलिस पहुंची। जिसके बाद नदी से ट्रैक्टर को जेसीबी के मदद से निकाली गयी। यह ट्रैक्टर कनपुरा निवासी जयसवाल साव का बताया जा रहा है।

गरमी को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक जगहों पर व्यावसायिक संघ ने पनशाला की शुरुआत की

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। बाजार क्षेत्र में बढ़ती गर्मी को देखते हुए व्यावसायिक संघ के तत्वावधान में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर राहगिरों के लिए पनशाला का शुरूआत की गयी। उद्घाटन के अवसर पर भवनाथपुर व्यावसायिक संघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि सरकारी उदासीनता के कारण बहुत से जगह चापाकल खराब पड़ा हुआ है, जिसमें चेकनाका स्थित चापाकल, वन विभाग गोदाम स्थित चापाकल, स्मार्ट पॉइंट खरौंधी मोड़ स्थित चापाकल सहित कई जगह हैंडपंप खराब होने के कारण आये दिन लोगों को पीने के पानी के लिये दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए भवनाथपुर व्यावसायिक संघ के सदस्यों के द्वारा यह पनशाला खोला गया है, साथ ही इस तरह का सामाजिक काम में व्यवसायी संघ के सदस्य अधिक से अधिक संख्या में भाग लेते हैं। पनशाला जो खोले गये हैं, उनमें से छोटू पान दुकान के द्वारा ब्लॉक गेट के पास, परमानंद ब्रेड भंडार के द्वारा बाजार, शशि भूषण शर्मा के द्वारा एसबीआई सीएसपी के पास, विष्णु ज्वेलर्स के द्वारा चेकनाका के पास, वेराइटी शू स्टोर के द्वारा सूर्य मंदिर के पास और आयुष कंप्यूटर्स के द्वारा कर्पूरी चौक के पास खोला गया है। इस कार्यक्रम में भवनाथपुप व्यवसायिक संघ के सचिव नवल किशोर प्रसाद, उपाध्यक्ष अवध किशोर, नन्दू विश्वकर्मा, कमलेश मेहता, सुरेश राउत, रामाशंकर मेहता, कवलेश राउत, अजय साह, शशिकुमार गुप्ता, बिरेन्द्र सेठ, भरत ठाकुर, राधेश्याम गुप्ता, नंदू चंद्रवंशी, मुकेश प्रजापति, रामप्रवेश राम, चंद्रमणी शर्मा, वेद प्रकाश आर्य, समशेर, सोनू सेठ सहित अन्य उपस्थित थे।

बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष की शादी की साल गिरह पर लोगों ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। गढ़वा बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह और उनकी मुखिया धर्मपत्नी पम्मी देवी सिंह के शादी की साल गिरह शुक्रवार को बरवाडीह स्थित आवास पर मनाया गया। जिसमें रंका गढ़ के युवराज झामुमो नेता कुमार गुलाब सिंह सहित कई नेता कार्यकर्ता और परिवार के लोग शामिल हुए और बधाई दी। साथ ही युगल जोड़ी सलामत रहे इसके लिए ढेरों सारी शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में रंका प्रखंड विधायक प्रतिनिधि पूर्व मुखिया अनिल चंद्रवंशी, विश्रामपुर के मुखिया प्रतिनिधि रंका गढ़ से ताल्लुक रखने वाले विवेक सिंह उर्फ छोटू सिंह, खरडीहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो रंका युवा अनुमंडल अध्यक्ष पप्पू यादव,युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, युवा प्रखंड सचिव अलीम जी, जिपस पूर्व प्रत्याशी मनोज गुप्ता, बीस सूत्रि प्रखंड उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, युवा नेता लवली उरांव सहित अन्य लोगों का नाम शामिल हैं।

दो मुखिया सहित दो दर्जन से अधिक लोग भाजपा छोड़ झामुमो में शामिल

फोटो : पार्टी में शामिल कराते मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा के दो मुखिया सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने भाजपा छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। शनिवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से गढ़वा प्रखंड के महुलिया पंचायत के मुखिया वीरेंद्र राम, दुबे मरहटिया पंचायत के मुखिया नितीश तिवारी, बीडीसी हरिओम सिंह, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि राउत, उदय प्रसाद यादव, अभय पासवान, चंदन कुमार, विजय भुईयां, छोटू ठाकुर, हरिओम विश्वकर्मा, हरिनारायण पासी, अमित विश्वकर्मा, सौरभ कुमार सिंह, दीपक ठाकुर, संजय ठाकुर, मुकेश बैठा, सीताराम, जाटा के मुमताज, उड़सुगी के ललसु पाल, अचला के गुलाम सरवर आदि का नाम शामिल है। मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप, रितेश आदि लोग उपस्थित थे।

साढ़े चार साल में गढ़वा झारखंड का नंबर वन विधानसभा क्षेत्र बन गया है : मंत्री

मंत्री ने कार्यकर्ताओं को सिखलाया लोस चुनाव जीतने का गुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता व उत्पाद और मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर शनिवार को झामुमो गढ़वा प्रखंड के बूथ और पंचायत प्रभारियों का प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में मंत्री श्री ठाकुर ने सभी कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव जीतने का गुर सिखलाया। मौके पर मंत्री के साथ पार्टी के सभी पदाधिकारियों, प्रभारियों और कार्यकर्ताओं ने पलामू लोकसभा सीट से महागठबंधन प्रत्याशी को जीताने का संकल्प लिया। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता प्रत्येक घर में जाकर झारखंड सरकार की उपलब्धियों को बतायें। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा जनता के साथ किये जा रहे छलावा और फरेब को भी बतायें। लोगों को यह बतायें कि यदि इस बार गलती हुई तो जीवन भर पछताने के सिवा कुछ नहीं बचेगा। मंत्री ने कहा कि साढ़े चार साल में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र झारखंड का नंबर वन विधानसभा क्षेत्र बन गया है। मोदी जी पिछले 10 साल की उपलब्धि को कभी भी मंच से नहीं बतलाते हैं। सिर्फ यही बताते हैं कि कांग्रेस की सरकार आयेगी तो आपकी सारी संपति लूटकर मुसलमानों में बांट देगी। भाजपा फूट डालकर सिर्फ अपना राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है। वे आदिवासियों की हितैशी खुद को बतलाते हैं, परंतु आदिवासियो के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। भाजपा आदिवासियो को समाप्त करने, लोकतंत्र को समाप्त करने, संविधान बदलने की साजिश कर रही है। देश की जनता यह देख रही है कि लोकसभा चुनाव के पहले बेवजह देश के दो-दो मुख्यमंत्री को जेल में बंद कर दी है। इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखलाने को तैयार हैं। मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप गुप्ता, रितेश तिवारी, मुखराम भारती, नारद तिवारी, शरीफ, फुजैल, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे

हज्जयात्रा पर जाकर देश और क्षेत्र की खुशहाली व अमन की दुआ करें: मंत्री

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले से हज्जयात्रा पर जाने वाले जायरीनों के सम्मान में शनिवार को जिला अंजुमन एतेहादुल मुस्लेमिन की ओर से मदरसा तबलीगुल इस्लाम में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें हज्जयात्रा पर जाने वाले लोगों को उपहार दी गई। झारखंड सरकार की पेयजल और स्वच्छता और मद्य निषेध मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सम्मनित किया। जिले से कुल 40 लोगों को हज्जयात्रा पर जाना है। इसके सभी को टीका लगाया गया। रंका प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के देखरेख में टीका लगाया गया सभी लोग रांची व कोलाकता से हज्जयात्रा के लिए रवाना होंगे। विदाई समारोह में उपस्थित हज्जयात्रियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हज्जयात्रा पर जाकर देश और क्षेत्र की खुशहाली व अमन की दुआ करें। ताकि हमारा देश खुशहाल हो सके तथा देश में अमन चैन हो। उन्होंने जायरीनों से देश की तरक्की की दुआ अल्लाह से मांगने का आग्रह किया। जिससे भारत दिन दुना रात चौगुनी तरक्की करता रहे तथा सांप्रदायिक सौहार्द का माहौल बना रहे। उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को सदबुद्धि देने की दुआ करने का भी आग्रह जायरीनों से किया। उन्होंने सभी से मतदान करने के लिए अपील किया। हज कमिटी के प्रभारी डॉ. मो. यासिन अंसारी ने कहा कि हज यात्रा पर जाना बड़ी बात है क्योंकि कुछ लोगों के पास दौलत होने के बाद भी हज नहीं कर पाते। जो लोग हज्जयात्रा पर जा रहे हैं वह खुशकिस्मत लोग हैं। मौके पर गढ़वा जिला अंजुमन सदर मदनी खान, हाजी नजाम, कंचन साहू, करीम खान, आलमगीर अंसारी, डॉ मुरली गुप्ता, परेश तिवारी, नसीम अख्तर, डॉ मुनाजिर हसन, डॉ अरशद अंसारी, तनवीर आलम, शमीम अंसारी नसीम अख्तर सहित कई लोग उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने किया पिपरवार का दौरा

पिपरवार (आजाद सिपाही)। हजारीबाग लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने शनिवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान पिपरवार पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने बचरा दक्षिणी पंचायत, बचरा उतरी पंचायत और किचटो पंचायत का दौरा किया, जहां सभा आयोजित कर मनीष जायसवाल ने अपने पक्ष में वोट मांगा। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने केंद्र में भाजपा सरकार के द्वारा किए गये विकास कार्यों की जानकारी दी और इस बार भी भाजपा के पक्ष में मतदान कर केंद्र में सरकार बनाने में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खूंटी सीट जीत रही है कांग्रेस, ईमानदारी से काम करें कार्यकर्ता: गुलाम अहमद मीर

आजाद सिपाही संवाददता

खूंटी। अखिल भारतीय कांग्रेस केमटी के महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर शुक्रवार को देर रात खूंटी लोकसभा के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय पहुंचे। मीर ने गठबंधन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को गर्म जोशी से लोकसभा चुनाव में लगने और हर संभव वोटरों को वोटिंग के लिए जागरूक करने की नसीहत दी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। कांग्रेस मीर ने कहा कि इस बार खूंटी लोकसभा हम सभी जीत रहे है। फिर भी सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से ईमानदारी पूर्वक आपने कार्य का निर्वाह करने काय निर्देश दिया।

मौके पर प्रदेश कांग्रेस केमटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा, दयामनी बारला, अमरेन्द्र सिंह, मानस सिन्हा, रविन्द्र सिंह, पीटर मुंडू, देवजीत देवघरिया, मदन मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष राम कृष्ण चौधरी, विलसन तोपनो, सुषमा भेंगरा, अनमोल होरो, जयसिंह नाग, जेम्स तोपनो, एडवर्ड हंस, सोनू इमरान, अजय गुप्ता, फुलचंद टुटी, हेलेन होरो, मगरीता खेस, सुंदरमनी, चंद्रप्रभात मुंडा, पांडेया मुंडा, विलसन बोदरा, कैसर खां, तैयब अंसारी, गुलाम गौस, आदि उपस्थित थे।

मतदान में भाग लेकर जिम्मेवार नागरिक होने का परिचय दें : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने, नैतिक मतदान और निर्वाचन संबंधी जागरूकता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत शनिवार को तोरपा प्रखंड परिसर में मतदाता महोत्सव का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने क्षेत्र का पारंपरिक वाद्य मांदर बजाकर मतदाताओं में ऊर्जा का संचार किया। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य वहां के मतदाताओं को जागरूक करना तथा उन्हें निर्वाचन से संबंधित अन्य जानकारी उपलब्ध कराना है। साथ ही युवा मतदाताओं के माध्यम से उनके पैरेंट्स को भी जागरूक करने का प्रयास करना है। इस दौरान मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में मतदाता प्रतिज्ञा शपथ, म्यूजिकल चेयर, पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित की। सभी लोगों से लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा आम चुनाव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की गई। बीकेबी मेमोरियल पब्लिक स्कूल, तोरपा प्रार्चा और प्रसिद्ध लोक गायक लक्ष्मीकांत नारायण बढ़ाईक ने गीत के माध्यम से मतदाताओं से वोटिंग अपील की। बताया गया कि मतदान तिथि 13 मई है। आप सभी को इस महापर्व में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना है। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप के तहत सभी युवा मतदाताओं को जागरूक किया गया। मौके पर सभी को लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी और तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकार कुमुद कुमार झा ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी और जिला जनसंपर्क पदाधियारी ने क्रिकेट मैच में हिस्सा लेकर मतदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

खूंटी जिले में 10 मई तक होगी होम वोटिंग

खूंटी (आजाद सिपाही)। होम वोटिंग कराने के लिए प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों, माइक्रो आब्जर्वर, बीएलओ, सेक्टर ऑफिसर और पुलिस पदाधिकारी द्वारा शनिवार को चिह्नित मतदाताओं के घर पहुंचकर होम वोटिंग कराई। यहां होम वोटिंग का प्रथम चरण तन से सात मई द्वितीय चरण के लिए नौ और 10 मई 2024 तक चलेगा। पोस्टल बैलेट अब्सेंटी वोटर सीनियर सिटीजन और अब्सेंटी वोटर पर्सन विथ डिसेबिलिटी के मतदान के लिए गठित प्रखंडवार पोलिंग टीम पहुंची। इस दौरान मतदाता को मतदान कराने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। होम वोटिंग कराने की प्रक्रिया और विविध प्रपत्रों के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गयी। साथ ही पूर्ण दिशा निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए होम वोटिंग की प्रक्रिया संपन्न की जा रही है। ज्ञात हो कि पूर्व मे कराये गये सर्वे के आधार पर 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की व्यवस्था की गई है। बुजुर्ग और दिव्यांग वोटरों को घर्श पर ही डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाता है। यहां अपना वे अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिकारी की टीम, एक वीडियोग्राफर और पुलिस भी मौजूद रहती हैं।

कांग्रेस ने आदिवासी समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा था : अर्जुन मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। केंद्रीय मंत्री और खूंटी लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने शनिवार को खूंटी जिले के विभिन्न गांवो में जनसंपर्क कर ग्रामीणों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की चिंता हमारी सरकार ने की है। इससे पहले 60 साल तक राज करने वाली कांग्रेस ने आदिवासी समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा था। मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज को प्रथम पंक्ति में लाने के लिए खूंटी लोकसभा में 20 एकलव्य खोलने का काम प्रारंभ हो चुका है। जल्द ही यहां पर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होगा, जहां 12वीं तक बच्चों को शिक्षा दी जाएगी और उनके रहने-खाने का इंतजाम भी हमारी सरकार करेगी। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि खूंटीवासियों के लिए हमारे प्रधानमंत्री के दिल में एक खास जगह है और अपने भाषणों में वे भगवान बिरसा मुंडा का जिक्र हमेशा करते हैं। उन्हीं के नेतृत्व में चल रही सरकार में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया। यह खूंटीवासियों के लिए गर्व कि बात है। कांग्रेस ने हमेशा से आदिवासी समाज के योगदान को भुलाने का काम किया, लेकिन भाजपा आज उनके योगदान को सबके समक्ष ला रही है। मुंडा ने कहा कि शुक्रवार को चाईबासा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुझे एक कार्य सौंपा है, उन्होंने कहा था कि खूंटी की जनता को मेरा जोहार बोलना। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से आप सभी को जोहार और प्रणाम करता हूं। साथ ही आप सभी से अपील करता हूं कि हम सभी को मिलकर फिर से एक बार मोदी सरकार बनाना है।

कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए पूर्ण समर्थन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। अल्पसंख्यक कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष बने शमशाद अंसारी। शमशाद अंसारी तमाड़ हॉस्पिटल रोड के निवासी हैं। उन्होंने पार्टी के प्रति कहा कि अपनी सक्रियता से अल्पसंख्यक कांग्रेस पार्टी के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा रोजगार सामाजिक और राजनीतिक विकास के लिए संगठन को मजबूत करने पर पूर्ण समर्थन किया जायेगा।

राज्यसभा सांसद ने किया जनसंपर्क

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को खूंटी के डाक बंगला रोड, सब्जी मार्केट, लोबिन बगान में घर-घर संपर्क किया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने और तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। कार्यकर्ताओं ने विभिन्न गली-मुहल्लों में सबका साथ, सबका विकास अबकी बार मोदी सरकार, खूंटी सांसद कैसा हो अर्जुन मुंडा जैसा हो आदि के नारे लगा रहे थे। लोगों का मनोबल बढ़ाने के लिए संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, अनूप साहू सहित कई कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान में भाग लिया।

बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा हाई स्कूल के बच्चो ने शनिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाला। इस रैली में काफी संख्या मे स्कूली बच्चे और शिक्षक सहित जन प्रतिनिधि शामिल हुए। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह स्कूल के बच्चो द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। यह रैली बचरा आवासीय कॉलोनी का भ्रमण करते हुए बचरा चार नंबर चौक पर पहुंची, जहां रैली नुक्कड़ सभा मे तब्दील हो गया। नुक्कड़ सभा के माध्यम से बच्चो ने लोगों को मतदान करने के प्रति जागरूक किया। सभा मे लोगो को वोट का अधिकार की जानकारी दी। साथ ही अपने मत का प्रयोग करने के बारे मे बताया गया। नुक्कड़ सभा मे बच्चों द्वारा तरह-तरह का नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। मुखिया गुंजन सिंह ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव मे अधिक से अधिक मताधिकार कराने और वोट प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी है, जो पुरे कालोनी का भ्रमण कर लोगो को वोट के प्रति जागरुक करने का काम कर रही है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बचरा क्षेत्र में आगामी 20 मई को सभी मतदाताओ से वोट करने की अपील की गयी। इस मौके पर काफी संख्या में स्कूली बच्चों के अलावा शिक्षक और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सोलर पावर प्लांट में कार्यरत सुरक्षा प्रहरी हड़ताल पर

आजाद सिपाही संवाददाता

निर्धारित वेतन भुगतान की मांगों पर अड़े सुरक्षा प्रहरी

पिपरवार। निर्धारित मजदूरी भुगतान की मांगो को लेकर कोयलांचल क्षेत्र के कारो गांव में निर्माणधीन सोलर पावर प्लांट स्थित एलएनबी कंपनी में कार्यरत 17 सुरक्षा प्रहरी मजदूरों ने किया हड़ताल। जानकारी के अनुसार हड़ताल में शामिल मजदूरों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा असंगठित मजदूरों को न्यूनतम राशि 734 रुपया दैनिक मजदूरी दिया जाने और ड्यूटी 12 घंटे के बजाए 8 घंटा लिए जाने का प्रावधान है। विगत एक महीने में चार दिनों की छुट्टी और 17 मजदूरों को काम में रखने की मांग को लेकर दो मई दिन गुरुवार से सुरक्षा प्रहरी द्वारा उक्त पावर प्लांट में हड़ताल किया गया था, जिसे लेकर गुरुवार को एलएनबी कंपनी के संग मजदूरों के साथ समझौता वार्ता किया गया। इस समझौता वार्ता में रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, बहेरा पंचायत मुखिया पति रमेश मुंडा, रामचंद्र उरांव, एलएनबी कंपनी के संवेदक एमडी अब्बास इस वार्ता में शामिल थे। इस समझौता वार्ता में 17 सुरक्षा प्रहरी रखे जाने और 8 घंटा ड्यूटी,एक महीने में चार दिनों की छुट्टी सुरक्षा प्रहरियो को 11 हजार प्रति माह वेतन पर भुगतान पर सहमति बनी। जिसके बाद सुरक्षा प्रहरी ने हड़ताल खत्म करने की घोषणा की, लेकिन इस समझौता वार्ता के बावजुद सुरक्षा प्रहरी द्वारा दो दिन काम किए जाने के बाद एलएनबी कंपनी के संवेदन मो. अब्बास के द्वारा 17 सुरक्षा प्रहरी के जगह 14 सुरक्षा प्रहरी को सैलरी देने की बात कही गयी। जिससे आक्रोशित सुरक्षा प्रहरी ने गेट की चाबी प्लांट इंचार्ज मजीद के हाथों में सौंप कर हड़ताल शुरू कर दिया।

मजदूर ने कहा कि जब तक उचित मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तब तक हड़ताल जारी रहेगा। इस मौके पर पंकज कुमार, आकाश उरांव, टिंकू कुमार महतो, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, रवि कुमार, धनंजय कुमार महतो, अजय कुमार, अवध ठाकुर, करण महतो, शिवनाथ मुंडा भोला गंझु, गोपाल मुंडा, संजय भोगता सहित कई मजदुर उपस्थित थे।

मीरा मुंडा ने किया चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। खुटी लोकसभा क्षेत्र के तमाड़ विधानसभा स्तरीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा की धर्मपत्नी मीरा मुंडा ने फीता काटकर किया। चुनाव कार्यालय का उद्घाटन तमाड़ स्थित रायडीह मोड में किया गया। इस मौके पर विधानसभा के सैकड़ो कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित हुए चुनाव कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मीरा मुंडा ने कहीं कि मां दिउड़ी की आशीर्वाद से इस बार तमाड़ से पिछली बार के 84 हजार मत को पार कर एक लाख मत का आशीर्वाद मिलेगा। इस मोके पर विधान सभा सयोजक कुमार महेंद्र नाथ शाहदेव, बिनोद सिंह, लक्ष्मण सिंह मुंडा अनुप साहु,जिप सदस्य दिलीप सेठ सिगराय टुटी, विजय सिंह मानकी, महावीर सोनी, जगदीश गुप्ता, राजकुमार गुप्ता समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेएमएम ने पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा छह वर्ष के लिए निष्कासित

खूंटी (आजाद सिपाही)। लोकसभा चुनाव में जेएमएम में बागियों की संख्या बढ़ी है। सीता सोरेन, चमरा लिंडा, लोबिन हेंब्रम की घोषणा के बाद चौथे बागी के रूप में पूर्व विधायक बसंत कुमार लोंगा सामने आये हैं, जो इंडी गठबंधन को ताक पर रख कर खूंटी लोकसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इंडी गठबंधन के तहत खूंटी लोकसभा कांग्रेस के हिस्से में हैं। कांग्रेस ने यहां से कालीचरण मुंडा को उम्मीदवार बनाया है। कालीचरण मुंडा के नामांकन में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भी शामिल हुए थे। गठबंधन को दरकिनार कर चुनाव लड़ रहे बसंत कुमार लोंगा पर जेएमएम ने कार्रवाई की है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय के हस्ताक्षर से जारी पत्र में पूर्व विधायक बसंत लोंगा को सभी पदों से पदमुक्त करने के साथ ही प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षो के लिए निष्कासित किया गया है। **बसंत लोंगा 1995 में सबसे कम उम्र में बने थे विधायक :** बसंत कुमार लोंगा वर्ष 1995 से 2000 तक कोलेबिरा से जेएमएम के विधायक रह चुके हैं। सबसे कम उम्र में विधायक बनने पर वह चर्चा में आ गये थे। वर्तमान में जेएमएम केंद्रीय समिति के सदस्य हैं। इतना ही नहीं वर्ष 2002 से लेकर 2014 तक सबसे लंबे समय तक वह सिमडेगा जेएमएम जिला समिति के अध्यक्ष पद पर भी रह चुके हैं। वर्ष 2014 में वह लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, पर पार्टी ने टिकट नहीं दिया और गठबंधन के तहत कांग्रेस के खाते में यह सीट चली गयी। तब लोंगा जेवीएम के टिकट पर चुनाव लड़े। हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली। चार महीने बाद वह पुनः जेएमएम में शामिल हो गये। अभी जेएमएम केंद्रीय समिति के सदस्य के रूप में वह लगातार सक्रिय थे।

पुलिस ने नाबालिग के छेड़छाड़ के आरोपी को भेजा जेल

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी में एक नाबालिग किशोरी के साथ उसके पड़ोसी सीसीएल कर्मी द्वारा छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर नाबालिग की मां द्वारा खलारी थाना में प्राथमिक दर्ज कराया गया है। बताया जा रहा है कि नाबालिग किशोरी के माता पिता खलारी से बाहर किसी आयोजन में गए हुए थे। इसी दौरान मौका पाकर बुरी नजर रखने वाले पड़ोसी सीसीएल कर्मी किशोरी के घर में घुस गया और उसके जोर जबरदस्ती किया। खलारी पुलिस ने आरोपी बंधु तुरी को गिरफतार कर जेल भेज दिया गया।

यशस्विनी के नामांकन में शामिल होंगे मोनाटोला के ग्रामीण

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनीं सहाय के नामांकन में शामिल होने को को लेकर लपरा पंचायत के मोनाटोला में ग्रामीणों की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शिवनारायण लोहरा ने किया। बैठक में रैयत विस्थापित मोर्चा, कांग्रेस, झामुमो के कार्यकर्ता शामिल हुए।। बैठक में कांग्रेस के उम्मीदवार के पक्ष में बुथ स्तर पर जोर सोर से चुनाव प्रचार करने के बात कही गयी एवं कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने के लिए रांची जाने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुरेश कुमार बैठा ने कहा कि देश में भाजपा सरकार के द्वारा जितने भी सरकारी संसथान है उन्हें नीजि कंपनियों को बेच दिया जा रहा है। देश के नवजवानों को सरकारी नौकरी से वंचित कर दिया गया है। वहीं कांग्रेस प्रदेष सचिव इंदिरा देवी ने कहा कि देश को बचाना है तो कांग्रेस को वोट देकर राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करना होगा। झामुमो और रैयत विस्थापित मोर्चा के नेता रंथू उरांव ने कहा कि भाजपा देश और राज्य में आदिवासियों, दलित, अल्पसंख्यक, ओबीसी का आरक्षण खत्म करने पर अमादा है।

कहा कि पुर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी गलत तरीके से फंसा कर जेल में डाला गया है। बैठक में मुख्य रूप से बिनोद भुईंया, रमेश चैहान, नीलू देवी, सुघा झा, लीली स्टेला, तारा देवी, नगीना देवी, सुनीता देवी, सोनु लोहरा, बिरजा भोगता, सुमित मुन्डा, अजित लोहरा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

अर्जुन मुंडा ने खूंटी में की बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक

खूंटी (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री और खूंटी संसदीय सीट से भाजपा के प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने शनिवार को खूंटी नगर शक्ति केंद्र के सभी बूथ अध्यक्षों और सखी वीडियो और प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की बैठक की अध्यक्षता भाजपा के नगर अध्यक्ष सुरेश जयसवाल ने की मौके पर अजीमुंडा ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदाताओं को मतदान केदो तक ले जाएं उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं और उनकी उपलब्धियां की जानकारी दें मौके पर भाजपा विधानसभा संयोजक ओमप्रकाश कश्यप उपाध्यक्ष संजय साहू सोशल मीडिया लोकसभा संयोजक प्रियंक भगत सुरेंद्र सिंह राम महतो जीतू पांडे नूतन देवी बालकिशन महतो कृष्णा लोहार आदि उपस्थित थे।

बीडीओ ने चेकनाका का निरीक्षण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (65) कांके सह प्रखंड विकास पदाधिकारी खलारी संतोश कुमार के द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के निमित्त निकटवर्ती जिला से सटे सीमा पर बनाये गये चेकनाका का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होने निरीक्षण के क्रम में चेकनाका पर मूलभूत सुविधा यथा छाया, पेयजल, बिजली, ग्लूकोस इत्यादि की व्यवस्था और स्टेटिक निगरानी दल के द्वारा जांच किये जा रहे वाहनों से संबंधित पंजी का जांच किया गया। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को वाहन का जांच करते हुए भारी मात्रा में नगद, अवैध शराब, कोई संदेहास्पद वस्तु या शस्त्र इत्यादि निर्वाचन क्षेत्र में लाने पर सघन तलाशी लेने और उसकी वीडियोग्राफी कराने का निर्देश दिया। विदित हो कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर खलारी प्रखंड के निकटवर्ती सीमा पर 2 चेकनाका का निर्माण किया गया है। जिसमें 3 पालियों में दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी और वीडियोग्राफर की प्रतिनियुक्ति की गयी है। बालूमाथ-लपरा-रांची पथ पर लपरा के बघमरी में चेकनाका पर दंडाधिकारी के रूप में विकास प्रीति रंजन तिर्की, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, किशोर कुजूर, प्रखंड समन्वयक और प्रेमचंद मुर्मू, कनीय अभियंता को प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं पिपरवार-डकरा-खलारी पथ पर पिपरवार चेकपोस्ट के पास रवि रंजन कुमार, कनीय अभियंता, प्रवीण उरांव, कनीय अभियंता एवं रामावतार महतो, बी.पी.एम. जे.एस.एल.पी.एस को प्रतिनियुक्त किया गया है।

ग्रामीण मंडल ने जनसंपर्क अभियान चलाया

बुंडू (आजाद सिपाही)। खूंटी संसदीय सीट के एनडीए प्रत्याशी अर्जुन मुंडा के पक्ष में बुंडू नगर मंडल और ग्रामीण मंडल के द्वारा डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बुंडू नगर मंडल और ग्रामीण मंडल के द्वारा लोगों को हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 10 वर्षों में जितने काम किए गए वह 70 सालों में नहीं किए गये आज देश विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था में गिनी जाती है आज पड़ोसी देश भारत के ऊपर नजर उठाकर नहीं देख पा रहे हैं जहां हमारे प्रधानमंत्री देश को बाहरी देश से सुरक्षित रख रहे हैं वही भारत के अंदर गरीबों को भी हर तरह की सुविधा देकर मजबूत बना रहे हैं प्रचार का नेतृत्व नगर मंडल अध्यक्ष आलोक दास उनके साथ तमाड़ विधानसभा प्रभारी विनोद सिंह भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल भाजपा प्रदेश के रंजीत लाहेरी कैलाश हलवाई सुबोध मुखर्जी दीपक साहू रेखा देवी किरण देवी राजकुमार महतो अपूल राज मनीष जायसवाल पंकज चौधरी मुकेश जैन राकेश भगत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाइक चोरी, सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी चोर की करतूत

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के पिर्रा रेडियोस्टेशन के पास शनिवार की दोपहर चोरो ने बाइक चोरी कर ली। हालांकि चोर की हरकत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। मामले को लेकर भुक्तभोगी इलताब अंसारी ने बताया कि वह इस दिन दोपहर पिर्रा रेडियोस्टेशन रोड स्थित इलेक्ट्रनिक दुकान के बाहर अपनी बाइक खड़ी कर दुकान के अंदर चला गया। कुछ देर बाद बाहर निकला तो बाइक गायब थी। दुकान में लगे सीसीटीवी में देखने पर दोपहर 2.30 बजे दो युवक एक बाइक में सवार होकर आये और दुकान के कुछ दूर पर बाइक खड़ा कर एक युवक उसकी बाइक को पेट्रोल पंप की ओर धकेल कर कुछ दूर ले गया और उसके बाद उसे लेकर फरार हो गये। भुक्तभोगी आमटांड निवासी अल्ताब अंसारी ने रातू थाने में चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

इटकी जलमीनार में दो और नये डीप बोरिंग लगाने की स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। जल संकट को देखते जल मिनार में प्रर्याप्त जल संग्रह के लिए विभाग ने दो और डीप बोरिंग लगाने की स्वीकृति दी है। डीप वोरिंग जल मिनार परिसर में ही लगाये जायेंगे। इसके लिए स्थान का भी चयन कर लिया गया है। जल मिनार में जल संग्रह में आई गड़बड़ी का निरीक्षण करने पहुंचे कनीय अभियंता विजय मिंज ने जानकारी दी। बताया कि विभाग द्वारा जल मिनार में पानी संग्रह के लिए पूर्व में आठ डीप बोरिंग लगाये है लेकिन अधिक दिन हो जाने के कारण छह वोरिंगों किसी ना किसी कारण से खराब हो कर यथावत पड़े है। बचे दो बोरिंग से जल मिनार में जल संग्रह की जा रही है जो प्रर्याप्त नहीं है। बता दें कि नियमित रूप से जलापूर्ति नहीं होने के कारण यहां जल संकट काफी गहरा गया है। पानी के किल्लत से लोगों के समक्ष विकट स्थिति उत्पन्न हो गयी है। सुबह होते ही बच्चे, बुजुर्ग महिला व अन्य ग्रामीण पेयजल के जुगाड़ में लग जाते है। लोग दूसरे के यहां से जल लेने पर विवश है।

झारखंड दिव्यांग जागृति महासंघ की बैठक, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड परिसर में शनिवार को झारखंड दिव्यांग जागृति महासंघ व झारखंड विकलांग संघर्ष समिति की बैठक हुई। जिसकी आध्यक्षता लालू उरांव ने किया। बैठक में जेएसएलपीएस के बीपीएम मुकेश कुमार सिन्हा ने दिव्यांगो को समूह बनाकर प्रशिक्षण देने की बात कही। वहीं दिव्यांगों द्वारा निर्णय लिया गया कि समाज की ओर से दिव्यांगं को शोषण एवं अत्याचार किए जाने पर इसकी सूचना डीसी व वरीय अधिकारियों को आंदोलन के माध्यम दी जायगी। साथ ही लोकसभा के सभी प्रत्याशी से मिलकर अपनी मांग पत्र सौंपने की बात हुई। बैठक में सचिव अशोक महतो, मुखिया कुंवारी खलखो, संजय राम, किरण कुमारी, विश्वनाथ उरांव, अमित मिंज, लाल धारी महली और बल्केश्वर उरांव आदि उपस्थित थे।

चुनाव को लेकर लापुंग में 4 स्थानों पर वाहन जांच

वाहनों की जांच करती लापुंग की पुलिस।

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लोहरदगा लोकसभा चुनाव को लेकर लापुंग के फतेहपुर में चेक पोस्ट बनाया गया। उसमें मजिस्ट्रेट जेई साकेत गिरी, इंदजित यादव, विनोद ऋषि नंदन को जांच के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। उक्त चेक पोस्ट पर 24 घंटा वाहनों की जांच की जा रही है। सभी आने-जाने वाले दो-चार पहिला के अन्य वाहनों की वीडियो ग्राफी कर गाड़ी नंबर व मोबाइल नंबर व आनेजाने के स्थान को अंकित किया जा रहा है। इसके अलावे ककरिया, दोलैचा, लालगंज में चेक नाका बनाया गया है। गहन जांच के बाद उन्हें जाने की अनुमति दी जा रही है।

बेड़ो पूर्वी की जिप सदस्य की ट्रेन से कट कर हुई मौत

बेड़ो के भाजपा एसटी मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य की पत्नी थीं

पति ने कहा- कुछ दिनों से मानसिक स्थिति हो गयी थी खराब, घर से बिना बताये चली गयी थी

आजाद सिपाही संवाददाता

मृतका पार्वती कुमारी की फाइल फोटो। रेलवे ट्रैक के पास से शव को कब्जे में लेती पुलिस।

पिस्कानगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के नारो महतो टोली के समीप रांची-लोहरदगा रेलवे लाइन पर शनिवार की दोपहर ट्रेन से कट कर एक महिला की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही नगड़ी और रेलवे पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गयी। शव के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान पार्वती कुमारी (56) के रूप में हुई। वह बेड़ो पूर्वी की जिला परिषद सदस्य थीं. ।ग्रामीणों से मिली जानकारी के बाद बेड़ो निवासी भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य जगन्नाथ भगत घटनास्थल पर पहुंचे और शव को देखते ही अपनी पत्नी पार्वती कुमारी के रूप में उसकी पहचान की। इसके बाद नगड़ी पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। उधर, मृतका के पति जगरनाथ भगत ने नगड़ी थाना पहुंच कर यूडी केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि पत्नी पार्वती कुमारी बिना किसी को कुछ बताए अचानक कहीं चली गई थी। उनकी मानसिक स्थिति कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। इस बीच दोपहर 2.30 बजे प्रखंड के पत्रकारों से मिली जानकारी के बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे तो पत्नी का शव देखा। जानकारी के अनुसार वह रेलवे लाइन पार कर रही थी तभी ट्रेन की चपेट में आ गयी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिप सदस्य पार्वती कुमारी की मौत की सूचना पर घटनास्थल पर भाई दिनेश भगत, जिला परिषद नगड़ी पूनम देवी, लापुंग जिला परिषद हिंदिया टोप्पो, मुखिया नीरज कुजूर, पंसस बेड़ो राखी भगत, नगड़ी मंडल अध्यक्ष राकेश केसरी, समाजसेवी बजरंग महतो, आजसू के जिला सचिव जलधर महतो, मुकेश कुमार राय, सुरेश प्रसाद साहू, सुखदेव कच्छप, तारा लकड़ा आदि पहुंचे और शोक प्रकट किया। दूसरी ओर, जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों ने कहा कि मृतिका जिप सदस्य पार्वती कुमारी मृदभाषी और मिलनसार महिला थीं। वह हमेशा समाज को विकास की ओर आगे ले जाने के बारे में बात करती थी। अचानक उनका निधन समाज के लिए बड़ी क्षति है। मौके पर जिप सदस्य नगड़ी पूनम देवी, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य शशि भूषण भगत, समाजसेवी बजरंग महतो, सांसद प्रतिनिधि केदार महतो, चुडामनी महतो, मंडल अध्यक्ष राकेश केसरी, महामंत्री हिंदुवा उरांव आदि ने शोक व्यक्त किया है।

तालाब में डूबने से मनरेगा मजदूर की मौत

शव तलाशने के लिए खुद तालाब में उतर गये एएसआइ

आजाद सिपाही संवाददाता

रामसेवक महतो की फाइल फोटो।

बेड़ो। थाना क्षेत्र के जहानाबाज गांव स्थित महुआ टिकरा तालाब में नहाने के दौरान डूब जाने 55 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पहचान रामसेवक महतो के रूप में हुई है। वह जहानाबाज गांव का ही रहने वाला था। घटना शनिवार की सुबह 11.30 बजे की बतायी जा रही है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण तालाब के पास पहुंच गये। इसकी सूचना सीओ प्रताप मिंज, थाना प्रभारी नकुल साह और मुखिया लक्ष्मी कोया को दी गयी। वहीं खबर पाकर मुखिया लक्ष्मी कोया व बेड़ो थाना के एएसआई एलएम पांडेय दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बेड़ो पुलिस के सहयोग से मृतक के शव को तालाब से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया। मृतक रामसेवक महतो मनरेगा से जुड़ा घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था। उसकी मौत से परिजनों के समक्ष रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। मृतक के छोटे पुत्र बबलू महतो ने बताया कि उसके पिता रामसेवक महतो नहाने के लिए तालाब गये थे। नहाने के दौरन गहराई में चले जाने के कारण डूबने से मौत हो गई। कहा कि वे मनरेगा से बननेवाले कूओं पर काम कर व अपनी जीविका चलाकर हमलोगों का भरण पोषण किया करते थे। मृतक अपने पीछे पत्नी जशो देवी, चार पुत्रियों में क्रमशः किरण देवी, रीना देवी,वीणा देवी और मीना देवी व दो पुत्र में क्रमशः मुन्ना महतो व बबलू महतो छोड़ गया है। सभी पुत्रियों की शादी हो गई है। दूसरी ओर, बेड़ो क्षेत्र में यह पहली बार देखने को मिला कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद एएसआई एलएम पाण्डेय खुद गहरे तालाब में उतरकर शव को तलाशते नजर आये। उनके साथ गोताखोर मनीष, छोटू मियां, दशरथ महतो व ग्रामीणों थे, जिनकी मदद करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। ग्रामीणों ने एएसआई के साथ ट्यूब, झागड़ व बांस बल्ली आदि लेकर कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से शव को बाहर निकाला। हरिहरपुर जामटोली पंचायत के मुखिया लक्ष्मी कोया घटना की सूचना मिलने पर तालाब के समीप पहुंची। उन्होंने तालाब के किनारे पीड़ित परिजनों को सांत्वना दिया। साथ ही हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।

सिल्लीडीह के ग्राम प्रधान का निधन, शोक

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड के सिल्लीडीह मौजा के ग्राम प्रधान रामकृष्ण मुंडा का शनिवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। वे 60 वर्ष के थे और कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर रांची ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाइक ने शोक संवेदना प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मुंडा एक जुझारू और जनता के बीच रहने वाले प्रधान थे। उनके निधन से ज़िला संघ को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उमेश बड़ाइक ने कहा कि पीड़ित परिवार को ज़िला ग्राम प्रधान संघ द्वारा जल्द ही आर्थिक मदद दी जाएगी।

नसीहतः लापुंग में संकुल स्तरीय गुरुगोष्ठी का आयोजन

बच्चों में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए काम करने की जरूरत : लीलावती तिर्की

कहा- गैरसरकारी स्कूलों की ही तरह विद्यालय को बेहतर बनाने का करें प्रयास

आजाद सिपाही संवाददाता

गुरु गोष्ठी में प्रोजेक्ट इंपैक्ट की अवधारणा की जानकारी देतीं सुमेधा कुमारी।

लापुंग। प्रखंड के ककरिया संकुल में संकुल स्तरीय विशेष गुरुगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बीपीओ लीलावती तिर्की ने शिक्षक-शिक्षिकाओं से कहा कि सभी विद्यालयों में प्रोजेक्ट इंपैक्ट कार्यक्रम को शत प्रतिशत लागू करें और विद्यालय के वातावरण, शैक्षणिक स्तर में सुधार एवं विद्यालय को प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर बेहतर बनाने का गंभीर प्रयास करें। इस दौरान राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया की शिक्षिका सुमेधा कुमारी ने प्रोजेक्ट इंपैक्ट की अवधारणा की जानकारी दी। कहा कि बच्चों में प्रतिभा का भंडार होता है। हमें उनकी प्रतिभा का उपयोग प्रोजेक्ट इंपैक्ट में करना है। बच्चों में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ इतने घुलमिल जाएं कि बच्चा आपका मुरीद बन जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में नैसर्गिक प्रतिभा होती है। उनकी प्रतिभा को और अधिक निखारने और उनकी क्षमता का उपयोग प्रातः कालीन प्रार्थना सभा एवं विद्यालय में होने वाले गतिविधियों में शामिल करना चाहिए। शिक्षकों की क्रियाकलाप से बच्चों में सर्वांगीण विकास आती है। हमें अपने कर्तव्यों एवं विभागीय निर्देशों का अक्षरशः पालन करना चाहिए। वहीं लेखापाल दीपक कुमार ने विद्यालयों के फंड का उपयोग सहित डीएमएफटी सहित प्रोजेक्ट इंपैक्ट में उपयोग होने वाली नो कोस्ट, लो कोस्ट एवं हाई कोस्ट के संदर्भ में जानकारी दी। गुरुगोष्ठी की अध्यक्षता प्रकाश उरांव एवं संचालन संकुल साधन सेवी सुनील कुमार गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रधान शिक्षिका स्वर्ण लता कुजूर, सागेन होरो, विनोद लकड़ा, हफिंद्र प्रधान, जोसेफ बृजिया, रुपेश कुमार पाठक, समीउल्लाह हक, सुजीत कुमार रक्षित, शांति एक्का, वीणा केरकेट्टा, उषा सरोजिनी मिंज, फूलमणी मिंज, अनिल होरो, रुपा कुमारी, कमेर्ला खलखो, अंजना बेक, रश्मि उरांव सफीरा तिर्की, अनिता लकड़ा, बुधुवा उरांव आदि मौजूद थे। संकुलवार गुरुगोष्ठी की श्रृंखला में सोमवार को महुगांव खास एवं लापुंग संकुल के शिक्षकों की बैठक होगी।

भाजपा करती है विकास की राजनीतिः संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

ठाकुरगांव। सांसद संजय सेठ ने शनिवार को रांची के ठाकुरगांव के बेतागी, लावागढा, बुकरू, क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अवसर पर संसद सेठ ने कहा कि जब देश में विपत्ति पड़ी, कोरोना कल में कांग्रेस के कार्यकर्ता कहां थे? भाजपा सेवा करने के लिए राजनीति करती है परंतु कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति के लिए राजनीति करती है। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता चाहे किसी भी क्षेत्र में हो अपनी सेवा हर मुश्किल घड़ी में देने के लिए तैयार रहती है । भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता लोगों के हर सुख दुख में खड़ी रहती है यही भाजपा परिवार है यह सब प्रेरणा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हम सभी कार्यकताओं को प्राप्त होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांव गरीब किसानों की चिंता करते हैं वहीं कांग्रेस सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवारवादी ने देश को लूट कर अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया देश को कुछ नहीं दिया कांग्रेस ने देश की जनता के धन को लूटा देश को लुटा सिर्फ भ्रष्टाचार इनका एक काम था। सारे विकास के कार्य ठप है। जमीन की लूट हो रही है। झारखंड के मुख्यमंत्री जमीन घोटाले में जेल में है उनके कई अधिकारी भ्रष्टाचार के मामले में जेल में है। वृद्धा पेंशन हो, विधवा पेंशन हो, या प्रधानमंत्री आवास सब में बिचौलिया पैसा लेकर काम कर रहे हैं बिना पैसे का कोई काम आज के समय में झारखंड में नहीं हो पा रहा है। कार्यक्रम में कांके के विधायक समरी लाल, मनोज बाजपेयी, ठाकुर गांव के मंडल अध्यक्ष उत्पल सहदेव, स्वामी देवेंद्र प्रसाद, अशोक साहू, कमल मोदी, गिरधारी महतो, झीबरा मुंडा, सहानंद गोप, हरदेव साहू सहित अन्य शामिल थे।

लोगों के समक्ष प्रत्याशी नहीं बेटी बनकर आयी हूं : कल्पना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गांडेय विधानसभा में जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत शनिवार को लोगों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं आपके सामने प्रत्याशी के रूप में नहीं बल्कि बेटी के रूप में आयी हूं। मुझे अपना आशीर्वाद देकर विजयी बनायें।

सीसीएल की सतर्कता टीम ने किया खदानों का निरीक्षण

रांची (आजाद सिपाही)। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) सीसीएल पंकज कुमार के नेतृत्व में सतर्कता विभाग पारदर्शिता एवं निवारक सतर्कता के दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसी क्रम में सतर्कता विभाग द्वारा गठित टीम ने आम्रपाली ओपन कास्ट प्रोजेक्ट और रजरप्पा प्रोजेक्ट में औचक जांच की गयी। किसी भी विसंगति की पहचान करने और सुधारात्मक उपायों को तुरंत लागू करने के लिए इन दोनों परियोजनाओं की गहन जांच की गयी।

अमन साहू के तीनों गुर्गों ने रांची-रामगढ़ में दिया था तीन घटनाओं को अंजाम

दो पिस्टल, 21 कारतूस सहित अन्य सामान बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एटीएस ने अमन साहू गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने विगत एक महीने में रांची और रामगढ़ जिले में तीन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपियों में रामगढ़ जिले के पतरातू थाना के ऊपर साकुल के रहनेवाले विकास कुमार, कुम्हारटोली साकुल के गुलशन कुमार और साकुल निवासी माहताब आलम का नाम शामिल है। अपराधियों की निशानदेही पर 7.62 एवं 7.65 बोर की एक एक पिस्टल, 10 गोली 7.65 की, 11 गोली 7.62 की, एक बाइक और दो मोबाइल बरामद किया गया है।

शनिवार को घटना की जानकारी देते हुए एटीएस एसपी ऋषभ कुमार झा ने बताया कि एटीएस को गुप्त सूचना मिली थी कि गैंगस्टर अमन साहू गिरोह के विकास कुमार, गुलशन कुमार एवं माहताब आलम पतरातू के सांकुल एवं जयनगर के आसपास छुप कर रह रहे हैं एवं वर्तमान में अमन साहू गिरोह के सक्रिय अपराधकर्मी हैं। इनके द्वारा कई स्थानों पर फायरिंग की घटना की गयी है। सूचना पर एटीएस टीम ने रामगढ जिला के पतरातू क्षेत्र में छापेमारी कर तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया। विकास कुमार के पास से दो देसी पिस्टल एवं आठ गोली, गुलशन कुमार के पास से आठ गोली, माहताब आलम के पास से पांच गोली और दो मोबाइल बरामद किये गये। बरामद मोबाइल का उपयोग अपराध करने के लिए किया जाता था। विकास कुमार की निशानदेहीपर घटना में प्रयुक्त बाइक पल्सर (220) को फरार अपराधकर्मी इम्तियाज अंसारी के घर से बरामद किया गया। अमन साहू संगठित आपराधिक गिरोह के द्वारा हाल में की गयी फायरिंग की घटना का सफल उद्भेदन किया गया है। तीनों अपराधी एवं पूर्व में एटीएस के द्वारा गिरफ्तार राजा अंसारी, मॅनिंदर कुमार ने 6 मार्च को सिकिदिरी थाना क्षेत्र के ओरमांझी-गोला भारतमाला सड़क निर्माण के कार्यस्थल पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था।

चहुंओर मोदी-मोदी की गूंज, एक झलक पाने को उमड़ा जनसैलाब

पूरे शहर में मोदी के आगमन को लेकर बंद थीं दुकानें, 3 घंटे तक शहर की सभी छोटी-बड़ी सड़कें रहीं ठसाठस

कार्यक्रम स्थल से पूरे शहर की पुख्ता थी सुरक्षा व्यवस्था

जयकांत शुक्ला

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर शनिवार की सुबह सात बजे से पलामू लोकसभा के भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र और हुसैनाबाद हरिहरगंज जैसे सुदूरवर्ती जगहों से कार्यकर्ताओं-समर्थकोंम का आना शुरू हो गया था। लोगों में उत्साह ऐसा था कि हर तरफ से लोगों का रेला चला आ रहा था। भाजपा के कार्यकर्ता और समर्थक जय श्रीराम, भारत माता की जय, अबकी बार 405 के नारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर रहे थे। वहीं मेदिनीनगर की छोटी दुकान जो आने जाने वालों को खाने पीने का सामान बेच सके उनको छोड़कर लगभग सभी दुकानें बंद थीं। कुछ दुकानदारों से बात करने पर उन्होंने बताया कि हमलोग मोदीजी को सुनने और अपने देश के सम्मान के लिए स्वतः जा रहे हैं। वहीं महिलाओं का कहना था कि मोदीजी ने जो हम महिलाओं को सम्मान दिया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं दिया है इसलिए हम लोग मोदी जीके साथ हैं।

कार्यक्रम स्थल में जैसे ही मोदीजी का हेलीकॉप्टर उतरा वैसे ही मोदी- मोदी-मोदी, और जय श्री राम का नारा लगाना शुरू कर दिया था। मानों कार्यक्रम स्थल का माहौल ऐसा लग रहा था जैसे किसी किसी महापुरुष का सीधा दीदार हो रहा हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही मंच पर मौजूद हुए उनके स्वागत के लिए वहां मजूद सभी लोगों ने अपने-अपने मोबाइल के फ्लैशलाइट को ऑन कर उनका अभिवादन किया और जय श्री राम का नारा लगाया। नरेंद्र मोदी के करीब 38 मिनट की सभा में क्या महिलाएं, क्या नौजवान, क्या बजुर्ग सभी एक झलक पाने के लिए काफी उत्साहित थे। किसी टीम के लोग जय श्री राम तो किसी टीम के लोग अबकी बार 400 के पार नारे लगा रहे थे। कार्यक्रमस्थल में भाजपा समर्थकों का आना सुबह 7:00 बजे से शुरू हो गया था इसके बावजूद भीड़ की लंबी कतार की वजह से सभी लोग पंडाल के अंदर तक प्रवेश नहीं कर पाये उनके लिए आने के रास्ते तक छोटे पड़ गये थे जिसमें सुरक्षा कर्मियों तक को कफी परेशान होना पड़ा। वहीं कार्यक्रम स्थल में सुरक्षा की कोई चूक न हो जाये इसलिए पुलिस प्रशासन के द्वारा पेन से लेकर गाड़ी की चाबी तक ले जाने की मनाही थी। पुलिस के द्वारा सभी आनेजाने वाले लोगों को बड़ी बारीकी से चेक कर रहे थे और पेन एवं गाड़ी की चबियां अपने पास जमा करवा ले रहे थे। साथ ही बाहर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पलामू के प्रत्येक सड़कों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पुलिस द्वारा किया गया था। कार्यक्रम स्थल पर सुबह लगभग एक लाख की भीड़ को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वे भी गदगद हो गए। मंच से ही कह दिया की सुबह में इतनी भीड़ और समर्थक का यहां होना आप लोग बधाई के पात्र हैं। यहां इस तरह की भीड़ यहां के लिए शुभ संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मूर्ति उपहार देतीं भाजपा महिला मंडल की सदस्य। पलामू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में उमड़ा लोगों का हुजूम। प्रधानमंत्री का अभिवादन करते पलामू प्रत्याशी वीडी राम। मंच पर उपस्थित प्रत्याशी व अन्य।

आइएनडीआइए गठबंधन के पास कोई पीएम का चेहरा नहीं है : कमलेश सिंह

हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि आज आइएनडीआइए गठबंधन के लोग जितनी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं वह यह बता दें कि उनके पास पीएम का चेहरा कौन है। उन्होंने कहा कि आज तक के इतिहास में बिना वर के बारात कही जाती है क्या। उन्होंने कहा कि आइएनडीआइए गठबंधन के लोग कई तरह के भ्रम फैला रहे हैं। इनसे आप लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

भाजपा इस चुनाव में पार करेगी 400 का आंकड़ा : डॉ मेहता

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने कहा कि देश में भाजपा इस बार चार सौ का आंकड़ा पार करेगी। देश की जनता का मूड इस बार मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री देखने का है। यहां के लोग आइएनडीआइए गठबंधन के किसी बहकावे में नहीं आने वाले हैं।

पलामू के लिए केंद्र सरकार ने दी है कई बड़ी योजनाओं की सौगात : वीडी राम

पलामू सांसद सह भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल (वीडी) राम ने कहा कि पलामू लोकसभा क्षेत्र के लिए मोदी सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी है। जिसमें कुछ का काम चल रहा है और कुछ का काम चुनाव बाद चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पलामू इस से पहले कोई बड़ा कॉलेज नहीं था। आज यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग, सेंट्रल स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थान हो गये है। उन्होंने कहा कि पलामू कुछ दो लाइफलाइन एन एच 75 और एन एच 98 दोनों फोर लेन और कई बाईपास बनने में काम लगा है जो आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि कि हम सब मिलकर यह विकास का पैमाना तैयार किया है। जो पलामू क्षेत्र का चौहमुखी विकास होगा।

मोदी व्यक्ति नहीं शक्ति का नाम है : रामचंद्र चंद्रवंशी

विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि पूरे देश में शैक्षणिक संस्थानों से लेकर अर्थव्यवस्था तक के क्षेत्र में मोदी सरकार ने जो काम किया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं किया होगा। उन्होंने कहा कि कोविड काल में पूरा विश्व भारत की तरफ टकटकी लगाकर देख रहा था। लेकिन प्रधानमंत्री ने इस महामारी को अपने बुद्धि-विवेक से देश के लोगों के साथ विदेश में भी जमकर काम किया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सब कारणों से मोदी जी को पूरा विश्व सम्मान की नजर से देखता है।

वीडी राम रिकॉर्ड मतों से जीतेंगें : भानू प्रताप

उधर, भानू प्रताप शाही ने कहा कि इस बार का पलामू लोकसभा चुनाव हम लोग रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगे। इसके लिए बूथ स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक भाजपा के सिपाही कमर कस कर चुनावी मैदान में उतर गए है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से मगही और भोजपुरी में कहा-रउवन के प्रणाम, आप लोगन के गोड़ लागत ही

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पलामू के चियांकि हवाई अड्डा पर चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने माइक पकड़ने के साथ ही नीलांबर पीतांबर की धरती पलामू को प्रणाम किया। उसके बाद भोजपुरी और मगही को मिक्स कर स्थानीय भाषा में कहा 'रउवन सबके प्रणाम, आप लोगन के गोड़ लागत ही। प्रधानमंत्री के इस वाक्य के साथ ही पूरी सभा तालियों से गूंज उठी और मोदी जी को जय श्रीराम, मोदी जी को जय श्रीराम के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह वाक्य भोजपुरी और मगही को मिलकर बना है जो पलामू जिले में बोली जाती है। पलामू में बोले जाने वाली इस भाषा को पलमुआ बोली भी कहा जाता है। पहली बार मंच से किसी बड़े नेता ने स्थानीय लोगों को संबोधन के लिए पलमुआ बोली का इस्तेमाल किया है। पलमुआ बोली को भी झारखंड सरकार ने अपनी सूची में शामिल किया है। पलामू के इलाके में भोजपुरी और मगही का प्रभाव है। भाजपा के कई नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जैसे ही स्थानीय भाषा में शब्द बोले लगा कि कोई अपने बीच का आदमी बोल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्थानीय शब्द सुनने के बाद मन गदगद हो गया और लोग उत्साहित हो गए।

एक संत के हाथ राम को सौंपी : अरुणा शंकर

कहा- प्रधानमंत्री ने अपनों को हर घर जाकर जय श्री राम बोलने का काम सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को अयोध्या में श्रीराम लला को विराजने के बाद पहली बार पलामू आगमन पर पूरे पलामू लोकसभा के सनातनियों की ओर से अयोध्या से मंगाई गई प्रभु श्रीराम की अष्टधातु से निर्मित मूर्ति तोहफे में दी। भगवान श्री राम की मूर्ति को अपने हाथों में लेते हुए प्रधानमंत्री काफी भावुक नजर आए। इस अवसर पर पाटन विधायक पुष्पा देवी, मीरा पांडे, रूपा सिंह सहित कई महिला मंच पर उपस्थित थी। प्रथम महापौर ने कहा कि हम पलामू के सनातनियों के लिए यह कौरव का पल था जब मैंने एक संत के हाथ प्रभु श्री राम की मूर्ति को सौंपा। प्रधानमंत्री ने अपने अभिभाषण में सभी अपनों को घर-घर जाकर जय श्रीराम कहने को कहा।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की एक झलक

10वीं के पतरा पंचायत टॉपर को स्वयंसेवी संस्थाओं ने किया सम्मानित

सम्मानित किये जाने से विद्यार्थियों में होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार: मदन पासवान

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के पतरा खूर्द ग्राम पंचायत में शहीद धीरज यादव यूथ क्लब एवं अपना पंचायत पतरा खूर्द समूह की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें जैक मैट्रिक परीक्षा में पतरा खुर्द ग्राम पंचायत के टॉप 10 विद्यार्थियों को जनप्रतिनिधियों एवं अपग्रेडेड हाई स्कूल के परिवार की ओर से मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र और महापुरुष की जीवनी देकर सम्मानित किया गया। परीक्षा में सफल स्कूल टॉपर संचिता कुमारी (92.4) प्रथम, संदीप कुमार शर्मा (89.0 फीसदी) द्वितीय,आयुष कुमार यादव (88.6 फीसदी) तृतीय,नजिया प्रवीण (88 फीसदी) चतुर्थ, शशिकांत यादव (87.8 फीसदी) पंचम, आकाश यादव (86.6 फीसदी) षष्टम, राहुल कुमार (86.4 फीसदी) सप्तम, विकाश कुमार यादव (86.4 फीसदी) अष्टम आदि स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हुसैनाबाद दक्षिणी क्षेत्र के पूर्व जिप सदस्य मदन पासवान भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में उमंग, जोश और जुनून की भावना सकारात्मक रूप से संचारित होता है। प्रतिभा गांव की तंग गलियों से ही निकलकर बाहर आती है। वहीं, मुखिया आंचल देवी ने कहा कि 21वीं सदी, नारी की सदी है। पंचायत स्तर पर भी छात्राओं ने टॉपर बनकर इन शब्दों को चरितार्थ किया है। पंसस प्रदीप कुमार पासवान ने कहा कि दोनों क्लब के सदस्यों के कार्य सराहनीय हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन युवा कवि रवि प्रकाश ने किया। मौके पर प्रधानाध्यापिका मालपिका, शिक्षक अभिषेक शर्मा, वार्ड सदस्य वर्मा पासवान, मुखिया पति कुंदन पासवान, सोनल पासवान, कृष्ण राम, मोती कुमार, मृत्युंजय यादव, शिक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह, जितेन्द्र पाल, मनोज यादव एवं धीरेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे।

होम वोटिंग के जरिये लोगों से घर में ही करवाया जा रहा है मतदान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में शत-प्रतिशत मतदान करवाने की कवायद शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में 2 मई से ही जिले में होम वोटिंग की प्रक्रिया प्रारंभ है। बीते गुरुवार को होम वोटिंग के तहत पलामू जिले में कुल 124 वोटर्स ने अपना मतदान अपने घर में ही किया। गौरतलब हो कि जिले के वैसे मतदाता जिनकी उम्र 85 साल से अधिक है व दिव्यांग मतदाता जो चलने-फिरने में असमर्थ है उन्हें भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से 12 डी फॉर्म के माध्यम से घर में ही मतदान कराने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। होम वोटिंग के माध्यम से जिले में कुल 478 मतदाताओं से मतदान कराने का लक्ष्य रखा गया है। इधर, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शशि रंजन शुक्रवार को हेरिटेज स्कूल में जारी मतदान का जायजा लिये। यहां मतदान कार्य में लगे कर्मियों से मतदातान करवाया जा रहा है जो 6 मई तक चलेगा। इसके अतिरिक्त गिरिवर स्कूल में भी मतदान कराया जा रहा है वहीं पुलिस लाइन में 7 से 9 मई को भी मतदान कराया जायेगा।

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो और रागिनी सिंह ने झरिया विस में चलाया जनसंपर्क अभियान

देश के विकास की धारा बरकरार रखने के लिए भाजपा की जीत जरूरी है: ढुल्लू महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। धनबाद लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होना है, जिसे लेकर क्षेत्र में प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार का शोर लगातार बढ़ता चला जा रहा है। इसी कड़ी में भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने शनिवार को झरिया विधानसभा क्षेत्र के बस्ताकोला, इंडस्ट्री बस्ती, ऐना बस्ती, बनियाहिर, झरिया पोदरपाड़ा, रामचंद्र दल में जनसंपर्क, नुक्कड़ सभा आदि किया। इस दौरान ढुल्लू महतो ने सभी को घर से निकलकर मतदान दिवस के दिन भाजपा को मतदान करने की अपील की। साथ ही नुक्कड़ सभा में कहा कि भाजपा को वोट देकर मोदी जी के हाथों को मजबूत करना है। मोदी सरकार 10 साल में गरीबों, मजदूर, किशान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं लायी है। उज्ज्वला व आयुष्मान योजना, मुफ्त में अनाज सहित कई योजनाएं शामिल है। वहीं, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि झरिया की जनता भाजपा को वोट देकर मोदी जी के हाथों को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि घर-

झरिया में आयोजित बैठक व नुक्कड़ सभा में प्रत्यासी ढुल्लू महतो, रागिनी सिंह व अन्य।

घर जाकर मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। कहा कि धनबाद लोकसभा सीट पर कमल खिलाकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करना हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व भी है। इस मौके पर भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय, योगेंद्र यादव, राजकुमार अग्रवाल, शैलेश सिंह चंद्रवंशी और ललन चौबे आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, रामचंद्र दल ने भी भाजपा नेता संजू वर्मा की अध्यक्षता में जनसंपर्क सह नुक्कड़ सभा आयोजित किया। जिसमें राजकुमार अग्रवाल, अरुण साव, अखिलेश सिंह, राजकिशोर जेना, श्रवण राय, योगेंद्र यादव, राजेश शर्मा, मोनू मंडल, दीपक मंडल, अमित वर्मा, पिंकू चंद्रवंशी, मुन्नी देवी आदि थे।

सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास के लिए मिथिलांचल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर करेंगे काम: ढुल्लू महतो

धनबाद के विद्यापति परिषद पहुंचे ढुल्लू महतो, लोगों से किया संवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद लोकसभा केंद्र के भाजपा प्रत्यासी ढुल्लू महतो शनिवार को चुनाव प्रचार के क्रम में विद्यापति परिसर पहुंचे, जहां परिषद के अध्यक्ष शिवकांत मिश्रा ने उनका मिथिला के पाग, अंगवस्त्र और पुष्प माला से स्वागत किया। भाजपा आईटी विभाग के झारखंड प्रदेश संयोजक अमरनाथ झा ने मां जानकी की धरती मिथिला के गौरवपूर्ण इतिहास का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए भाजपा के लिए 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मतदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने अयोध्या की तरह चिटाही में भी भव्य राम

मंदिर के निर्माण और धनबाद के मुद्दे को सदन में मजबूती से रखने के लिए ढुल्लू महतो को विजय बनाने का आग्रह किया। वहीं, ढुल्लू महतो ने विश्वास दिलाया कि वो धनबाद की समस्याओं को सुलझाने का भरपूर प्रयास करेंगे और मिथिलांचल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास के हर क्षेत्र में काम करेंगे। वहीं, विद्यापति परिषद के सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि और दोनों हाथ उठाकर प्रत्याशी को आशीर्वाद दिया और विजय की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया और उसकी प्रति मंचासीन सभी अतिथियों को भेंट की गई। संपर्क अभियान का संचालन परिषद के सचिव संजय कुमार झा ने की। इस मौके पर संस्था के संरक्षक डॉ के विश्वास, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश झा उर्फ नेता जी, उपाध्यक्ष राधा कृष्ण झा, उपाध्यक्ष जयप्रकाश झा, कोषाध्यक्ष आशुतोष झा, संयुक्त सचिव आरके झा, प्रमोद कुमार झा, मिल्टन पार्थसार्थी, मनोज कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

महिलाएं सशक्त होंगी तो देश मजबूत होगा : अनुपमा सिंह

कहा- अपने एक वोट से महंगाई बेरोजगारी नफरत व अन्याय को हरायें व धनबाद को बेहतर बनायें

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद लोकसभा केंद्र से आइएनडीआइए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने शनिवार को तूफानी जनसंपर्क अभियान चलाया। बोकारो आवासीय कार्यालय लोहांचल से जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और क्षेत्रीय नेताओं कार्यकर्ताओं-समर्थकों के साथ बैठक कर चर्चा की। इसी क्रम में चंदनक्यारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कालीकापुर पंचायत शाखा कुरी आदराकुड़ी, बत्बोया में बानेश्वर महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जनसंपर्क किया। फुसरो पंचायत पहुंचकर दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना कर मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया और वहां ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत होते हुए उनके निवारण के लिए आइएनडीआइए महागठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की। विभिन्न जगहों पर लोगों से मिलीं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इश दौरान केंद्र की मोदी सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों के हक और हित के लिए हमेशा तत्पर रहूंगी। कहा कि महिलाएं सशक्त होंगीं, तभी देश मजबूत होगा। अनुपमा सिंह ने धनबाद की बदहाली के लिए भाजपा व उसके सांसद पीएन सिंह को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही वादा किया कि जनता उन्हें वोट देकर जीताती है तो धनबाद के लिए विकास के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगीं। अस्पताल, एयरपोर्ट व अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करेंगी। इस मौके पर गुरुपद महतो, जलेश्वर महतो, शंकर महतो, हसनुल्ला अंसारी और उत्तम दुबे आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

डीसीएलआर ने आदिम जनजाति बहुल क्षेत्र के यूनिक बूथ का किया निरीक्षण

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी माधवी मिश्रा के निर्देश पर सहायक निवार्ची पदाधिकारी 42 टुंडी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) संतोष गुप्ता ने शनिवार को तोपचांची प्रखंड के आदिम जनजाति बहुल यूनिक बूथ भवरदाहा का निरीक्षण किया। साथ ही अन्य मतदान केंद्र, इंटरमीडिएट स्ट्रॉन्ग रूम, सीएपीएफ क्लस्टर आदि का निरीक्षण किया। इस संबंध में उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर प्रखंड कार्यालय तोपचांची में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य सभी पदाधिकारी तथा कर्मियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिसमें सभी मतदान केंद्र पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित करने, सभी मतदान केंद्रों पर शीतल पेय जल की व्यवस्था करने, सभी बीएलओ द्वारा अविलंब मतदाताओं की जानकारी से संबंधित पर्टी बांटे जाने, मतदाता सूची मार्किंग करने समेत अन्य निर्देश दिए। साथ ही वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए स्वीप अंतर्गत 7 मई को निर्धारित 'मैं भी इलेक्शन एम्बेस्डर' कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने, निर्धारित समय पर की गई गतिविधियों को सोशल मीडिया हैंडल्स पर अपलोड करने, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित को टैग करने का निर्देश दिया गया।

दिव्यांगों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

धनबाद (आजाद सिपाही)। लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में जागरूकता के लिए दिव्यांगों ने शनिवार को जागरूकता रैली निकाली। इस बाबत दिव्यांग चुनाव आइकॉन प्रमोद यादव ने मीडिया को बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में 'चुनाव का पर्व देश का गर्व' के तहत हम सभी दिव्यांग शहरी क्षेत्र में 25 मई को मतदाता करने को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ताकि देश का लोकतंत्र और भी मजबूत हो। इस लिए लोग 25 मई को अपने-अपने घरों से बाहर निकलें और मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। पहले मतदान उसके बाद जलपान करें। वहीं, रूपा कुमारी पांडे ने बताया कि हम सब दिव्यांग होने के बावजूद अपना मताधिकार का प्रयोग पूरे गर्व के साथ करते हैं। इसलिए मैं पूरे शहरवासियों से अपील करती हूं कि 25 मई को अपने घर से बाहर निकलें और अपने मत का प्रयोग करें। उधर, जागरूकता रैली सिटी सेंटर लुबी सर्कुलर रोड, रणधीर वर्मा चौक होते हुए कोर्ट परिसर तक गई, जिसमें सैकड़ों दिव्यांग बच्चे शामिल थे।

अपराध की योजना बनाते तीन युवक गिरफ्तार, पिस्टल और कारतूस जब्त

धनबाद (आजाद सिपाही)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र में विगत दिनों अपराधियों द्वारा मछली कारोबारी को गोली मारने की घटना के बाद पुलिस रेस हो गई है। अपराधियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापामारी की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस को सूचना मिली थी कि खालसा होटल के निकट शांति गेस्ट हाउस में कुछ युवा ठहरे हुए हैं जिनके पास हथियार है। वे लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद के नेतृत्व में छापामारी की गई। जहां से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गये हैं। सिटी एसपी अजित कुमार ने इसकी जानाकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार एक अपराधी के ऊपर लूट एवं डकैती के कई मामले विभिन्न जिलों के अलग-अलग थानों में दर्ज है। पुलिस जांच में जुट गई है और इनसे पूछताछ की जा रही है।

किसी भी कार्यकर्ता की मेहनत बेकार नहीं जायेगी : ढुल्लू

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला वर्मा बंगला में शनिवार को मंडल अध्यक्ष स्व अनिल सिंह की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता की मेहनत बेकार नहीं जायेगी। हर कार्यकर्ता के लिए खड़ा रहूंगा। ढुल्लू महतो ने कहा कि जो आज मेरे साथ खड़े हैं, कल मैं उनके दरवाजे पर खड़ा नजर आऊंगा। सिर्फ आवाज देने

की जरूरत है। किसी भी कंपनी की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी। इस दौरान बस्ताकोला मोड़, इंडस्ट्री ग्राउंड, संजय चाय दुकान, डोम बस्ती, भुइंया बस्ती, एना विवेकानंद क्लब, बाउरी समाज, हरि मंदिर कमेटी, ऐना वारियर्स क्लब, श्रीश्री नरसिंह दलदल अखाड़ा द्वारा स्वागत किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष श्रवण राय, राजकुमार अग्रवाल, रामबालक मुखिया, संतोष शर्मा, बप्पी बाउरी, तरुण राय, रामदेव शर्मा, संजय रवानी, काजू राय, बिपिन मंडल, मधेसर चंद्रवंशी, हीरा प्रसाद, संजय साव आदि उपस्थित थे।

चुनाव बहिष्कार को लेकर नक्सलियों ने की पोस्टरबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरोचट्टी। उग्रवाद प्रभावित गोमिया प्रखंड के अंतर्गत चतरोचट्टी थाना में शुक्रवार की देर रात नक्सलियों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार को लेकर पोस्टरबाजी की है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गी और पोस्टर को हटा दिया। हालांकि इस घटना के बाद लोगों में दहशत है। नक्सलियों ने चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में स्थित करीं पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुर्कनालो की दिवारो पर पोस्टर चिपकाए हैं। वहीं, बडकी टांड़ और तिसरी में भी पोस्टरबाजी की गई है।

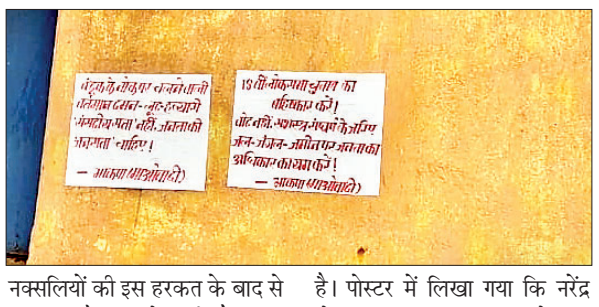

नक्सलियों की इस हरकत के बाद से पुलिस चौकस हो गई है। वहीं, भाकपा माओवादी की उत्तरी छोटानागपुर जोनल कमेटी की ओर से पोस्टर लगाकर लोगों से लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने, नवजनवादी भारत के निर्माण में भूमिका बढ़ाने की अपील की गई है। पोस्टर में लिखा गया कि नरेंद्र मोदी विकसित भारत बनाने का सपना दिखा रहे हैं। वास्तव में यह हिंदू राष्ट्र होगा। नया संविधान बनकर मनुवादी संहिता बनाने की बात हो रही है। जब देश में एक चुने हुए मुख्यमंत्री बख्शे नहीं जा रहे हैं, तो आम जनता की दशा क्या होगी।

नयी सोच, नयी दिशा संवाद का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के साथ इस्पात कर्मियों का नई सोच, नई दिशा नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं, अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक प्रभारी ने इस्पात कर्मियों को मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई।

जयराम पर चुनाव आयोग ने कसी नकेल

7 मई तक डीसी कार्यालय नहीं पहुंचने पर रद्द होगा नामांकन

राखोहरि सिंह

बोकारो (आजाद सिपाही)। जयराम महतो का बचना अब नामुमकिन सा हो गया है। क्योंकि चुनाव आयोग ने उन पर नकेस कस दिया है। चुनाव आयोग की ओर से उनके घर पर नोटिस चिपका कर सात मई तक गिरिडीह के निवार्ची पदाधिकारी सह बोकारो डीसी विजया जाधव के समक्ष हाजिर होने को कहा गया है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनका नामांकन भी रद्द हो जाएगा। झारखंड खतियानी भाषा संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो को रांची के नगड़ी थाना में केस संख्या- 48/22 के मामले में पुलिस ने एक मई को हिरासत में तब लिया जब वे नामांकन करने बोकारो जिला मुख्यालय आए थे। उनके आग्रह पर पुलिस ने उन्हें सभा करने की इजाजत भी दी थी, जहां से टाइगर जयराम फरार हो गए। इस मामले में बोकारो स्टील

जयराम रमेश ।

सिटी थाना में जयराम सहित 11 नामजद और अन्य लोगों पर केस दर्ज किया गा है। इस मामले में अब तक उनके आधा दर्जन समर्थक जेल भी पहुंच चुके हैं। पर पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी जयराम पकड़ में नहीं आये, तो झारखंड के मुख्य निवार्ची पदाधिकारी के निर्देश पर गिरिडीह के निवार्ची पदाधिकारी सह बोकारो डीसी विजया जाधव द्वारा अखबारों में एक सूचना प्रकाशित की गयी। जिसमें जयराम के नामांकन शपथ पत्र में कुछ त्रुटियां होने की जानकारी दी गई है। जिन्हें दूर करने के लिए सात मई को जयराम महतो को डीसी कार्यालय बुलाया गया है। इस बाबत नोटिस भी जयराम महतो के घर पर चुनाव आयोग की ओर से चपका दिया गया है। वैसे झारखंड खतियानी भाषा संघर्ष समिति के सूत्रों की मानें तो पार्टी दोनों हालत पर विचार कर रही है। जयराम महतो के जेल से चुनाव लड़ने या फरार रह कर किसी और को चुनाव लड़वाने पर विचार हो रहा है। जिसमें भी जीत की अधिक गारंटी होगी, पार्टी वही कदम उठाएगी। खबर यह है कि जयराम महतो के जेल जाने के बाद पार्टी गिरिडीह से किसी महिला को उम्मीदवार बनाएगी। इस मामले में पूजा महतो और उषा महतो का नाम आगे चल रहा है। ऐसे में देखना यही है कि टाइगर जेल जाना पसंद करेंगें या फरार रहना।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक ..... दिनांक .....

शुद्धि-पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक– 431 दिनांक– 23.02.2024 के द्वारा निर्गत NIT No- – JMC/RFP/19/2023-24, Date- 23-02-2024 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR 320293 Urban Development (23-24)_D द्वारा प्रकाशित किया गया था, को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

PR 324417Urban Development(24-25)#D

प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (निर्वाचन कोषांग)

आदेश

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड, राँची की अधिसूचना संख्या 2498 दिनांक 04–04–2024 द्वारा निगोशिएबल इन्स्ट्रुमेन्ट एक्ट, 1881 की धारा 25 के तहत लोक सभा आम चुनाव 2024 के निमित मतदान के दिन सभी सरकारी कार्यालय /सार्वजनिक प्रतिष्ठान में मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

कोडरमा जिला अन्तर्गत 05 कोडरमा लोक सभा एवं 14 हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र का भाग अवस्थित है। 05 कोडरमा लोक सभा एवं 14 हजारीबाग लोक सभा में मतदान 20 मई 2024 (सोमवार) को निर्धारित है।

अतः लोक सभा आम चुनाव 2024 के निमित 20 मई 2024 (सोमवार) को कोडरमा जिला अन्तर्गत सभी सरकारी कार्यालय/सार्वजनिक प्रतिष्ठान में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, कोडरमा।

PR.NO.324411Election(24-25):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय खूँटी
(पोस्टल बैलेट कोषांग)
postalballotcellkhunti@gmail.com

आदेश

भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शिका No. 52/2023/SDR/VOL-IV दिनाँक 31/10/2023 एवं निर्वाची पदाधिकारी की हस्तपुस्तिका के कंडिका 11 में वर्णित निर्देश के आलोक में लोकसभा निर्वाचन 2024 के कार्य में संलग्न कर्मियों के द्वारा Facilitation Centre एवं आवश्यक सेवा में संलग्न कर्मियों के द्वारा PVC (Postal Voting Center) के माध्यम से मतदान हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय आदेश ज्ञापांक–41 दिनाँक 04/04/2024 द्वारा Facilitation Centre एवं PVC (Postal Voting Center) की स्थापना हेतु निर्धारित स्थल को प्रशिक्षण कोषांग, लोकसभा निर्वाचन 2024 के ज्ञापांक 121 दिनाँक 30/04/2024 के आलोक में निम्नरूपेण संशोधित किया जाता है।

क्र० सं०	केन्द्र का नाम	केन्द्र का स्थान	गठित केन्द्र की संख्या	अभियुक्ति
1	Facilitation Centre	बिरसा कॉलेज, खूँटी	7	मतदान कार्य में संलग्न कर्मी हेतु (03 खूँटी विधानसभा हेतु, 03 तोरपा विधानसभा, 01 अन्य विधानसभा हेतु)
		लोयला कॉलेज, खूँटी	7	मतदान कार्य में संलग्न कर्मी हेतु (03 खूँटी विधानसभा हेतु, 03 तोरपा विधानसभा, 01 अन्य विधानसभा हेतु)
2	Facilitation Centre	बिरसा कॉलेज, खूँटी (बहुउद्देषीय भवन)	4	पुलिस कर्मी हेतु
3	Postal Voting Centre (PVC)	समाहरणालय (ब्लॉक B)	2	आवश्यक सेवाओं हेतु

उपरोक्त वर्णित Facilitation Centre द्वितीय चरण के प्रशिक्षण की अवधि के दौरान एवं Postal Voting Centre (PVC) मतदान की तिथि के 3 दिन पूर्व तक क्रियाशील रहेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, .खूँटी

PR 324418Election(24-25)#D

पुरी से कांग्रेस कैंडिडेट ने टिकट लौटाया, चुनाव लड़ने से किया इनकार

पार्टी से फंड नहीं मिला : सुचरिता मोहंती

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने अपना टिकट लौटाते हुए पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को लिखी चिट्ठी है। इसमें सुचरिता ने चुनाव लड़ने के लिए फंड नहीं मिलने की बात कही है। सुचरिता ने चिट्ठी में लिखा- मैं एक पेशेवर पत्रकार थी, जिसने 10 साल पहले राजनीति में प्रवेश किया था। मैंने पुरी में अपने कैंपेन में अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने पब्लिक डोनेशन की भी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुई। बिना पार्टी फंडिंग के चुनावी कैंपेन संभव नहीं होगा।

सुचरिता ने कहा कि मेरे टिकट लौटाने का पहला कारण यह है कि पार्टी मुझे फंड नहीं दे पा रही थी। दूसरा यह कि राज्य की 7 विधानसभा क्षेत्रों की कुछ सीटों पर पार्टी ने जीतने वाले नेताओं को टिकट न देकर कमजोर उम्मीदवारों को उतारा है। मैं इस तरह चुनाव चुनाव नहीं लड़ सकती।

बता दें कि ओड़िशा में 13, 20, 25 मई और 1 जून को चार फेज में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पुरी लोकसभा सीट और राज्य की 7 विधानसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होना है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 6 मई है।

पुरी सीट से भाजपा के संबित पात्रा लड़ रहे चुनाव

सुचरिता पुरी सीट से भाजपा के संबित पात्रा और बीजू जनता दल के अरूप पटनायक के खिलाफ चुनाव लड़ रही थीं। अरूप पटनायक मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर हैं। दोनों ही अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। कांग्रेस ने 2014 लोकसभा चुनाव में भी सुचरिता को अपना प्रत्याशी बनाया था।

सूरत-इंदौर में भी कांग्रेस प्रत्याशी नहीं लड़ रहे चुनाव

पुरी से पहले कांग्रेस को मध्य प्रदेश के इंदौर और अहमदाबाद के सूरत सीट पर भी चुनाव से ठीक पहले झटका लगा है। सूरत में गवाहों के नाम-साइन में गड़बड़ी के कारण कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का पर्चा रद्द हो गया था। इसके बाद यहां से भाजपा कैंडिडेट मुकेश दलाल निर्विरोध सांसद चुने गये थे।

एनटीपीसी बोंगाइगांव में जीइएम के लिए हुआ आधारभूत सर्वेक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीइएम) कार्यक्रम के लिए आधारभूत सर्वेक्षण तीन मई को एनटीपीसी बोंगाइगांव में आयोजित किया गया था। एनटीपीसी-बोंगाईगांव के आसपास के गांवों की स्कूली लड़कियों ने माता-पिता और शिक्षकों के साथ 13 लड़कियों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

मेसर्स जीवाइटी एंटरप्राइजेज (एनटीपीसी-बोंगाइगांव में जीइएम कार्यक्रम के लिए नोडल एजेंसी) के संसाधन व्यक्तियों ने लड़कियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। लड़कियों को वीडियो स्क्रीनिंग के माध्यम से अन्य एनटीपीसी परियोजनाओं में आयोजित इसी तरह के कार्यक्रमों से भी अवगत कराया जाता है। विद्यार्थियों की क्षमता का आकलन करने और बाद में जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली आगामी चार सप्ताह की कार्यशाला के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए शैक्षणिक विषयों पर नमूना परीक्षण आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर एजीएम (एचआर) ओंकार नाथ, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) माधुर्ज्य सिंह लहकर, सीएसआर की कार्यकारी अदिती ठाकुर और मेसर्स जीवाइटी एंटरप्राइजेज की टीम के नेतृत्व में एनटीपीसी आर टीम उपस्थित थी।

ओड़िशा में बीजेपी 21 में से 21 सीटें जीतेगी : धर्मेंद्र प्रधान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य बीजेपी कार्यालय में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बार बीजेपी ओड़िशा की 21 में से 21 लोकसभा सीटें जीतेगी। क्योंकि अब प्रधानमंत्री मोदी ओडिशा में सबसे लोकप्रिय नेता बन गये हैं। वयस्कों से लेकर महिलाएं, युवा, हर किसी का विश्वास प्रधानमंत्री मोदी पर बढ़ा है। क्योंकि मोदी राज में ओडिशा सबसे ज्यादा लाभ पाने वाला राज्य है। 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान ओड़िशा को लगभग 3 लाख करोड़ का वित्तीय अनुदान मिल रहा था। लेकिन मोदी के 10 साल के शासनकाल में मोदी सरकार ने ओडिशा के विकास के लिए 18 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा भेजे हैं और प्रतिद्वंद्वी इस पर संदेह कर रहे हैं। मोदी सरकार से इतने सारे वित्तीय अनुदानों के बाद भी ओड़िशा का विकास क्यों नहीं हो रहा है? उड़िया अस्मिता और उड़िया संस्कृति पर बहस क्यों हो रही है? भाजपा, एक जिम्मेदार राष्ट्रीय पार्टी के रूप में, इस प्रयास को विफल कर देगी और हर उड़िया इसका मार्गदर्शक बनेगा, ओड़िशा की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। ओड़िशा विकास के विभिन्न मानकों में पीछे है, जिसे ओड़िशा के लोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री जिस जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह 24 वर्षों से दादान का गढ़ रहा है और इस बार मुख्यमंत्री जिस दूसरी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वह कंटाबांजी है, जिसे धर्मेंद्र ने दादान के दूसरे गढ़ के रूप में सीधे निशाना बनाया है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फिर से नवीन की आलोचना की। ओड़िशा का नेतृत्व कौन करेगा? मुझे आश्चर्य है कि क्या नवीन बाबू को पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कोई नहीं मिला? क्या बीजद के पास नेतृत्व करने के लिए कोई सांसद या विधायक नहीं है? 2020 में रथ यात्रा रोकने की साजिश किसने रची? धर्मेंद्र प्रधान ने उनसे हर चीज के लिए भाजपा और विपक्ष को दोषी ठहराने से पहले सत्ता में रहते हुए किये गये कार्यों का जवाब देने का आह्वान किया है। आने वाले दिनों में 4.5 करोड़ लोग सर्टिफिकेट देंगे कि मैं उड़िया हूं या नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक टीवी पर कहा कि मौका मिला तो हम ओड़िशा को नंबर वन राज्य बनायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओड़िशा में

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ओड़िशा के दौरे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को रात 9.30 बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे। वह भुवनेश्वर में रात बितायेंगे। प्रधानमंत्री सोमवार को ब्रह्मपुर और नबरंगपुर में विजय संकल्प सामाबेस में शामिल होंगे। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोलक महापात्र ने दी। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी का 10 तारीख को भुवनेश्वर में कार्यक्रम है। मोदी भुवनेश्वर में एक विशाल रोड शो करेंगे और उत्तर और मध्य निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए रैली करेंगे।

एमसीएल खदानों में सतर्कता निरीक्षण जारी

संबलपुर (आजाद सिपाही)। पीके पटेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी, महानदी कोलफील्डस लिमिटेड (एमसीएल) के नेतृत्व में कंपनी के सर्वेक्षण, खनन और आइटी विषयों के विशेषज्ञों और सीएमपीडीआइ के आरआइ-7, भुवनेश्वर के भूवैज्ञानिक और सर्वेक्षण अधिकारी के दलों द्वारा तालचेर कोयलांचल स्थित भुवनेश्वरी ओपन कास्ट प्रोजेक्ट एवं ईब वैली कोयलांचल के समलेश्वरी ओसीपी में कोयला स्टॉक सत्यापन सहित विभिन्न खनन गतिविधियों का निरीक्षण किया जा रहा है। खदानों में सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य के अंतर्गत एमसीएल में खनन गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय द्वारा कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में किये जा रहे इस निरीक्षण कार्य की निगरानी की जा रही है।

ओड़िशा का उतना विकास नहीं हुआ जितना होना चाहिए : एस जयशंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पहली बार चुनाव प्रचार के लिए ओड़िशा आये। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा को दिये गये अनुदान का ब्योरा दिया। जयशंकर ने अपने पहले भाषण में ओड़िशा की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ओड़िशा की संस्कृति, कार्य, भाषा और अस्मिता पूरे देश में जानी जाती है। उन्होंने ओड़िशा के प्रति प्रधानमंत्री की ईमानदारी के बारे में भी बात की। क्योंकि प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन के मुख्य होर्डिंग पर कोणार्क की तस्वीर रखने का सुझाव दिया था। इसके अलावा, मैंने बार-बार ओड़िशा को प्रमुखता देने की कोशिश की है क्योंकि विदेश नीति मेरी जिम्मेदारी है। जयशंकर ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद ओड़िशा में 20 पासपोर्ट सेवा केंद्र खोले गये हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की एक उपलब्धि है, क्योंकि हर साल 1 लाख 15 हजार से अधिक पासपोर्ट जारी किए जाते हैं। इसलिए यह केंद्र सरकार की सफलता है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी की गारंटी अब दुनिया की सीमाओं के बाहर भी काम कर रही है।

जयशंकर ने कहा कि मोदी की विदेश नीति के कारण यूक्रेन में फंसे ओड़िशा के 400 नागरिकों को बचाया गया था। इसी तरह सूडान के युद्ध संकट में ओड़िशा के 86 नागरिकों को बचाया गया था। ओड़िशा के 20 नागरिकों को भी इजराइल से बचाया गया। पिछले 10 साल में केंद्र सरकार ने ओड़िशा को 18 लाख करोड़ रुपये की मदद दी है। केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा सागरमाला के लिए 54 हजार करोड़ रुपये की लागत से 58 हजार किलोमीटर हाइवे का निर्माण किया गया है। तेल और गैस आपूर्ति के लिए 3 हजार किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछायी गयी है। 2 स्मार्ट सिटी बनायी गयी है। पिछले वर्ष केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से सबसे अधिक लाभ ओड़िशा के लोगों को हुआ है। किसान सम्मान निधि योजना से ओड़िशा के 33 लाख किसानों को फायदा हुआ है।

सम शीतलापल्ली परिसर में अत्याधुनिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा उपलब्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड सम हॉस्पिटल ब्रह्मपुर जिसे दक्षिणी ओड़िशा के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, अब अपने शीतलापल्ली परिसर में अत्याधुनिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अस्पताल गर्भवती महिलाओं को जटिल गर्भधारण, प्रसव, शल्य चिकित्सा प्रसव और अन्य उन्नत उपचारों के दौरान देखभाल और उपचार प्रदान करता है। इसी तरह नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल भी आधुनिक तरीके से की जा रही है। यह काम स्त्री रोग और प्रसूति विभागों के विशेषज्ञों, बाल चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों, प्रशिक्षित नर्सों और तकनीशियनों द्वारा किया जाता है। शिशु रोग विभाग में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ मीनाक्षी साहू की देखरेख में सभी इलाज किये जा रहे हैं.अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए बेहद किफायती दरों पर अत्याधुनिक ओटी, लेबर रूम और एनआइसीयू सेवाएं भी हैं।

इसी तरह रोगियों के लिए टोटल हिप रिप्लेसमेंट जेसी उन्नत सर्जरी की जा रही हैं। दो महीने पहले, एक महिला घर पर गिर गयी और गंभीर रूप से बीमार हो गयी और बिस्तर पर अस्पताल आयी। वह चलने या बैठने की स्थिति में नहीं था। वह अपने दैनिक कार्यों को नहीं कर सकते थे। विभिन्न परीक्षणों के बाद डॉक्टरों ने टोटल हिप को बदलने का फैसला किया। हालांकि, उनके शरीर में खून की कमी होने के कारण उन्हें पहले खून चढ़ाया गया और सर्जरी की गयी। सर्जरी के दौरान या बाद में कोई जटिलता नहीं थी। इसी तरह सम हॉस्पिटल, शीतलापल्ली कैंपस में कान, नाक, गले की समस्याओं का नवीनतम तकनीक से इलाज किया जा रहा है। आपातकालीन विभाग में एक 42 वर्षीय महिला नियमित नाक से खून बहने की समस्या लेकर आयी थी। मरीज को इएनटी विशेषज्ञ डॉ प्रियजीत पाणीग्राही ने जांच की। अगले दिन मरीज की एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी की गयी। अस्पताल के निदेशक देवप्रसाद दाश ने कहा कि अस्पताल मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 24 घंटे तैयार है।

एडीआर में उम्मीदवारों का हलफनामा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एडीआर और इलेक्शन वॉच ने उन 37 उम्मीदवारों के पर्चे खोले हैं जिन्होंने राज्य में पहले चरण के चुनाव में 4 लोकसभा क्षेत्रों, ब्रह्मपुर, कलाहांडी, कोरापुट और नबरंगपुर के लिए अपना नामांकन जमा किया है। शैक्षणिक योग्यता के मामले में प्रदीप पाणीग्राही ब्रह्मपुर के सांसद उम्मीदवार और बोममाली कांत राव सबसे आगे है। 4 लोकसभा सीटों पर 37 सांसद उम्मीदवारों में से दो के पास डॉक्टरेट है, जबकि एक ने स्कूल नहीं गया है। ब्रह्मपुर से भाजपा सांसद उम्मीदवार प्रदीप पाणीग्राही और नव भारत निर्माण सेवा पार्टी के बोममाली कांत राव के पास डॉक्टरेट है, जबकि सीपीआइ (एमएलएल) के उम्मीदवार प्रकाश हिक्का स्कूल नहीं गये हैं। इन उम्मीदवारों के अलावा 37 उम्मीदवारों में से एक ने पांचवीं क्लास पास की है, जबकि एक ने 8वीं क्लास पास की है, 7 ने 10वीं क्लास पास की है, 5 लोगों ने 12वीं क्लास पास की है, 10 लोगों ने ग्रेजुएशन किया है और 4 लोगों ने प्रोफेशनल ग्रेजुएशन किया है। 6 लोग स्नातकोत्तर किये हैं।

राज्य में पहले चरण के चुनाव में 4 लोकसभा सीटों ब्रह्मपुर, कलाहांडी, कोरापुट और नबरंगपुर के लिए नामांकन दाखिल करने वाले 37 उम्मीदवारों के अपराधों की सूची सामने आया है। 37 उम्मीदवारों में से 7 विभिन्न अपराधों में शामिल पाये गये हैं। उनमें से 6 ने शपथ पत्र जमा करते हुए संगीन अपराध में शामिल होने की बात कबूल की है। सबसे ज्यादा 17 मामले नबरंगपुर के बीजू जनता दल उम्मीदवार प्रदीप माझी के नाम पर हैं। प्रदीप हत्या के प्रयास मामले में भी शामिल है। प्रदीप माझी ने शपथ पत्र जमा करते हुए यह बात स्वीकार की है। प्रदीप माझी के बाद बीजेपी सांसद प्रत्याशी प्रदीप पाणीग्राही 9 मामलों में फंसे हैं। इसी तरह, बीजू जनता दल सांसद उम्मीदवार भृगु बक्सीपात्र 7 आपराधिक मामलों में शामिल हैं। कांग्रेस सांसद उम्मीदवार भुजबल माझी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले हैं।

इसी तरह 37 से 17 लोकसभा उम्मीदवार करोड़पति हैं। पहले चरण में बीजेपी की कलाहांडी लोकसभा प्रत्याशी मालविका केशरी देव 41 करोड़ 89 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे अमीर हैं। कोरापुट की एसयूसीआइ उम्मीदवार प्रमिला पुजारी 20,625 रुपये की संपत्ति के साथ सबसे गरीब हैं।

RAJHANS ACADEMY
IIT-JEE | NEET | FOUNDATION
Creating Path Towards Success
BOOST your IIT-JEE/NEET/ Boards Preparation
ADMISSION OPEN
Upto 100% SCHOLARSHIP
ENGINEERING 11th 12th & 12th Pass | MEDICAL 11th 12th & 12th Pass | FOUNDATION 9th & 10th Pass
Call Us : 6287842201 / 02 / 03 / 04, 0651-4658773
302, 3rd Floor, Pranami Height, Circular Road (Lalpur), Ranchi-01
Email: rajhansacademy7@gmail.com | www.rajhansacademy.in

बोरिंग के लिए संपर्क करे
जल ही जीवन
993106883
9113754813
रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में
Contact for : Deep Boring, 405" 6" 8" Dia All Motor & Pump Fitting, Building Material

ALPHA INSTITUTE OF COMPUTER EDUCATION
Certified with
Franchise Benefit
All Computer Courses
Vocational Courses
Authorization Letter
Authorization Certificate
Web Login ID & Password
Study Material Support
PDF Certificate in 24 Hrs
Hard Copy Certificate & Mark sheet
Students Placement Support
Marketing Support
Online & Offline Certificate
Yearly Career Guidance
Seminar in your City
FREE FRANCHISE
For More Details Visit Now Just Call Us : 9835502908
Email - alphaeducational.center@gmail.com | www.alphaec08.com
Registered office : 262, Delta Bhawan, Adarsh Nagar, Khorha Toli, Kokar Ranchi - Mob. 9835502908
Cooperate office : Kokar Chowk, Kokar, Ranchi Mob.: 9631103045
Cooperate office : Noorsarai, Near Police Station Nalanda, Bihar - Mob.: 7488289546

कृष्णा ज्वेलर्स
Mob : 9973853279, 9031249105
समस्या है तो ! समाधान भी है !
आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न गोल्डमेडलिस्ट, M.M (ज्योतिर्विज्ञान) टॉपर 2012 एवं (P.h.D) रांची, वि. वि. रांची
गांधी चौक, सोनार गली, बीण वस्त्रालय के सामने अपर बाजार, रांची

S M Toy & School Furniture
Everything From A to Z For School, Playground, Playschool Park Playzone, Mails, Backyard, Recreation Zone, Society & Anganwadis
एक बार जरूर पधारे
Old Bank Colony, RMCH Road, Near Sadhu Maidan Shop
Add.: Industrial Area Kokar, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob. 7503729696, 9205624569

आयुर्वेदिक क्षारसूत्र एवं अग्नि कर्म द्वारा सफल ईलाज शुरू
AVOID SRUGERY
• PILES
• FISTULA
• FISSURES &
• PILONIDAL SINUS
आयुर्वेद की युक्ति रोग से मुक्ति
PILES CURE CENTER & SHIVAY AYURVEDA CHIKITSALYA
सम्पर्क करें
9162732562, 7004764956
Near Madan Dhaba, Kokar, Ranchi

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**